{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 22 जनवरी 2026
माघ शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 121
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	81,909.63
निफ्टी	–	25,157.50
सोना	–	1,56,600
चांदी	–	3,30,000
डॉलर	–	91.62

खास खबर

शारिक साटा की संपत्ति कुर्क

संभल। संभल में 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान जमकर बवाल हुआ था। इस मामले में पुलिस की तरफ से बड़ी कार्रवाई की गई है। कोर्ट के आदेश के बाद संभल हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता शारिक साटा की संपत्ति कुर्क कर ली गई। संपत्ति कुर्की के दौरान भारा संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही। संभल के एसपी केके बिश्नोई ने बताया कि शारिक साटा को गिरफ्तार करने की कई कोशिश की गई, लेकिन पुलिस अब तक उसे पकड़ नहीं पाई है। इसलिए, दो मामलों में उसके खिलाफ कुर्की की कार्यवाही के लिए अदालत से अनुरोध किया गया था, जिसके तहत आज कार्रवाई की जा रही है। जिस घर में वह अपनी पत्नी के साथ रहता था, उसे कुर्क कर लिया गया है, उसके रिश्तेदारों के रहने वाले हिस्से को छोड़ दिया गया है और अब उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया है।

नृत्यगोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉक्टर एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। तुरंत उन्हें लखनऊ मेदांता ले जाने को कहा। जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया- महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच की। इसके बाद मेडिकल टीम और एक एम्बुलेंस के साथ उन्हें मेदांता अस्पताल रवाना कर दिया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास भी उनके साथ है। अब वहां से मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कोई जानकारी दी जा सकती है।

ट्रेनी विमान क्रैश, तालाब में गिरा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र में केपी कॉलेज के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मेडिकल चौराहे के निकट स्थित एक तालाब में एक ट्रेनी विमान के गिर गया। घटना के तुरंत बाद, स्थानीय लोगों की तत्परता और सूझबूझ से विमान में फंसे दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाहर निकाले गए पायलट सेना की वर्दी में थे। कुछ ही देर में सेना के कई और हेलीकॉप्टर बचाव के लिए पहुंच गए। कई जवान पैराशूट के माध्यम से तालाब में उतरे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह ट्रेनी विमान केपी कॉलेज के पास एक तालाब में जा गिरा। विमान से तेज आवाज आने के बाद आसपास के क्षेत्रों में हडकंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।

कुछ ना कहना

ग्रीनलैंड विवाद के बीच बोले ट्रंप–

मैं नहीं होता तो कूड़ेदान में दिखाई देता नाटो

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के बीच चल रहा गतिरोध अब एक नए स्तर पर पहुंच गया है। ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लाने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना को लेकर ट्रंप ने न केवल यूरोपीय देशों की आपत्तियों को खारिज कर दिया है, बल्कि यह दावा करके सबको चौंका दिया है कि नाटो का अस्तित्व आज सिर्फ उनकी वजह से ही बचा हुआ है, नहीं तो नाटो किसी कूड़ेदान में दिखाई देता। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दावोस में जुटे यूरोपीय नेता उनके विस्तारवादी रुख के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक आक्रामक पोस्ट साझा करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, कोई भी व्यक्ति या राष्ट्रपति नाटो के लिए उतना नहीं कर पाया है जितना मैंने किया है। अगर मैं सत्ता में नहीं आता, तो आज नाटो का कोई नामोनिशान नहीं होता। यह गठबंधन बहुत पहले ही इतिहास के कूड़ेदान में जा चुका होता। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के लिए रवाना होने से पहले यह टिप्पणी की, जिससे वैश्विक राजनयिक गलियारों में खलबली मच गई है।

व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित ब्रीफिंग के दौरान भी ट्रंप ने अपने रुख को और कड़ा किया। उन्होंने नाटो की उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका इस सैन्य गठबंधन पर दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं अधिक खर्च करता है। ट्रंप ने संदेह व्यक्त करते हुए पूछा, हम जानते हैं कि संकट की स्थिति में अमेरिका नाटो देशों की मदद के लिए खड़ा रहेगा, लेकिन क्या वे देश हमारी मदद करेंगे? मुझे इस पर गहरा शक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नाटो को अमेरिका के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उसे केवल अमेरिकी संसाधनों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

इस विवाद की मुख्य जड़ ग्रीनलैंड है, जिसे ट्रंप सामरिक दृष्टि से अमेरिका के लिए अनिवार्य मान रहे हैं। नाटो के सदस्य देशों, विशेषकर डेनमार्क और फ्रांस ने ट्रंप की इस इच्छा का कड़ा विरोध किया है। दावोस में यूरोपीय नेताओं ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड को लेकर कोई भी एकतरफा अमेरिकी कदम ट्रांस-अटलांटिक रिश्तों को स्थायी रूप से नष्ट कर सकता है। ट्रंप ने इस विरोध का जवाब देते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और नाटो महासचिव मार्क रुटे के कुछ निजी संदेशों को सार्वजनिक कर दिया, जिनमें ग्रीनलैंड मुद्दे पर चर्चा की गई थी। ट्रंप के इस कदम को कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन माना जा रहा है, जिससे अमेरिका और उसके सबसे पुराने सहयोगियों के बीच दरार और चौड़ी हो गई है। ट्रंप का यह अड़ियल रवैया संकेत देता है कि वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दशकों पुराने सैन्य गठबंधनों को भी दांव पर लगाने के लिए तैयार हैं।

भारत-अमेरिका के बीच जल्द होगी बेहतरीन ट्रेड डील

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को लेकर बड़ा और सकारात्मक बयान दिया है। टैरिफ को लेकर चल रही चर्चाओं और संभावित दबावों के बीच ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ की और कहा कि भारत-अमेरिका के बीच जल्द ही एक मजबूत और बेहतरीन ट्रेड डील होने जा रही है। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में हिस्सा लेने पहुंचे ट्रंप ने अपने संबोधन के बाद भारतीय मीडिया से बातचीत में यह बात कही। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताते हुए कहा कि वह उनका बेहद सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, 'आपके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर मेरे मन में बहुत सम्मान है। वह एक बेहतरीन शख्स हैं और मेरे अच्छे दोस्त हैं। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते मजबूत हैं और हम दोनों देशों के लिए फायदेमंद ट्रेड डील की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।' ट्रंप के इस बयान को दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए कि व्यापार को लेकर जो भी मुद्दे या मतभेद हैं, उन्हें बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार है और अमेरिका भारत के साथ लंबे समय तक स्थिर और मजबूत कारोबारी संबंध चाहता है।

मोदी कैबिनेट के दो बड़े फैसले...

अटल पेंशन और एमएसएमई को सस्ती पूंजी की उपलब्धता

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक मजबूती से जुड़े दो अहम फैसले हुए। एक ओर असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को बुढ़ापे की सुरक्षा देने वाली अटल पेंशन योजना को वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय हुआ। वहीं दूसरी ओर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सस्ती पूंजी उपलब्ध कराने के लिए स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) को 5000 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता मंजूर की गई। मोदी कैबिनेट ने बुधवार को अटल पेंशन योजना के प्रचार-प्रसार, क्षमता निर्माण और विकासात्मक गतिविधियों के लिए सरकारी सहयोग जारी रखने का निर्णय हुआ है। साथ ही योजना को वित्तीय रूप से टिकाऊ बनने गैप फंडिंग की व्यवस्था भी बनी रहेगी। वर्ष 2015 में शुरू हुई योजना 60 वर्ष की आयु के बाद 1000 से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन की गारंटी देती है। जनवरी 2026 तक इससे 8 करोड़ 66 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। मोदी सरकार का मानना है कि इस विस्तार से असंगठित क्षेत्र के और अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जा सकेगा। यह फैसला उस सच्चाई को स्वीकार करता है कि भारत की अर्थव्यवस्था आज भी रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, खेत मजदूर और छोटे कारीगर जैसे असंगठित श्रमिकों पर टिकी है। योजना का विस्तार इन वर्गों को यह भरोसा देता है कि कामकाजी जीवन के बाद भी सम्मानजनक जीवन संभव है। वित्तीय साक्षरता और पेंशन संस्कृति को बढ़ावा देकर सरकार एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा ढांचे की ओर कदम बढ़ा रही है। दूसरे बड़े फैसले के तहत सिडबी को तीन चरणों में 5000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी दी जाएगी। इसका उद्देश्य बैंक की पूंजीगत स्थिति को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र को अधिक ऋण उपलब्ध कराना है। इस निवेश से वर्ष 2028 तक लगभग 25.74 लाख नए एमएसएमई लाभार्थी जुड़ने और औसतन 1.12 करोड़ नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। मजबूत पूंजी आधार से सिडबी सस्ती दरों पर संसाधन जुटा सकेगा और छोटे उद्यमियों को प्रतिस्पर्धी लागत पर ऋण उपलब्ध होगा। इससे स्टार्टअप, कुटीर और पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय उत्पादन बढ़ेगा और ग्रामीण व अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होगा। कुल मिलाकर, ये दोनों फैसले वर्तमान की जरूरतों और भविष्य की सुरक्षा को संतुलित करते हैं—एक तरफ बुढ़ापे की गारंटी, दूसरी तरफ युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसर। यही विकसित भारत की ठोस नींव है।

लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी, कहा- रिश्ता खराब हुआ तो कैरेक्टर पर सवाल उठाते हैं पुरुष

महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी का दर्जा मिले

मदुरै। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को लेकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने अहम टिप्पणी की है। एक मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा है सुरक्षा तभी मिलेगी, जब उन्हें पत्नी का दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे रिश्तों में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा नहीं मिल पाती इसलिए कोर्ट की जिम्मेदारी बनती है कि महिलाओं को संरक्षण दें। जस्टिस एस श्रीमथी ने यह टिप्पणी एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। शख्स पर आरोप है कि वह महिला के साथ पहले लिव-इन में रहा। फिर शादी का झूठा वादा कर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

इस पर कोर्ट ने कहा कि पुरुष पहले मॉडर्न बनकर लिव-इन का रिश्ता बनाते हैं। बाद में रिलेशनशिप खराब होने पर महिला के कैरेक्टर पर सवाल उठाते हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन को लेकर कोई नियम नहीं हैं। जमानत याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि बीएनएस की धारा 69 धोखे से यौन संबंध बनाने को अलग अपराध बनाती है, भले ही यह बलात्कार के बराबर न हो। जस्टिस श्रीमथी ने कहा कि पहले ऐसे मामलों को आईपीएस की धोखाधड़ी या बलात्कार की धाराओं के तहत देखा जाता था। नए आपराधिक कानून के तहत संसद ने शादी का झूठा वादा करके यौन संबंध बनाने को अलग अपराध बनाया है। चूंकि आरोपी ने शादी करने से इनकार किया, इसलिए अदालत ने कहा कि धारा 69 के तहत मुकदमा चलाना अनिवार्य था और अपराध की गंभीरता को देखते हुए कस्टोडियल जांच जरूरी थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-अरावली में रोक के बाद भी अवैध खनन

इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे रोकने के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाएंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अरावली पहाड़ियों पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि रोक बावजूद भी अवैध खनन चल रहा है। इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि खनन रोकने के लिए विशेषज्ञों की एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करेगा। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से गारंटी ली कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होने दिया जाएगा।

सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा- पहले जारी अंतरिम आदेश जारी रहेगा। सीजेआई ने कहा- कुछ तरह की अवैध गतिविधियां अब भी जारी हैं। अवैध खनन से ऐसे हालात बन सकते हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकेगा। नई रिट याचिकाएं दाखिल न करें। हमें पता है कि ये याचिकाएं क्यों दायर की जा रही हैं।

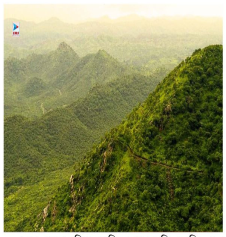

इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (हस्तक्षेपकर्ता की ओर से) कहा कि हम अरावली का इतिहास जानते हैं। इसकी परिभाषा के पीछे विज्ञान होना चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा- हमें अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की जरूरत है। सभी लोग नाम सुझाएं। हम चरणबद्ध तरीके से एक्सपर्ट्स की टीम बनाएंगे।

कपिल सिब्बल ने अपील की कि कृपया 30 मिनट की प्रारंभिक सुनवाई हो। हिमालय और अरावली जैसी पर्वतमालाओं को परिभाषित नहीं किया जा सकता। इनमें टेक्टोनिक मूवमेंट होते रहते हैं। एक अन्य वकील ने कहा- हम कोर्ट के सुओ मोटो आदेश का स्वागत करते हैं। हमने किसानों के साथ जमीनी स्तर पर काम किया है, जियो-टैगिंग भी की है।

इस पर सीजेआई ने कहा कि 29 दिसंबर 2025 के आदेश के संदर्भ में, कोर्ट के सामने एक व्यापक नोट और अहम सवाल रखे जाएंगे, ताकि सही फैसला लिया जा सके। सीजेआई बोले- राजस्थान सरकार की ओर से के.एम. नटराजन ने कहा है कि राज्य तुरंत सुनिश्चित करेगा कि प्रदेश में कोई अवैध खनन न हो। उन्होंने कहा- कपिल सिब्बल की ओर से दायर अंतरिम आवेदन मंजूर किया जाता है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की चेतावनी

प्रशासन नोटिस वापस ले, वरना केस करूंगा

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रयागराज प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर उनको दिया गया नोटिस वापस नहीं लिया तो वह मानहानि का केस करेंगे। प्रशासन के नोटिस के जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने 8 पेजों का जवाब ई-मेल के जरिए भेजा है। इसमें नोटिस को मनमाना, दुर्भावनापूर्ण और असंवैधानिक बताया। अविमुक्तेश्वरानंद ने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है, जिससे मुझे शंकराचार्य पद पर बने रहने से रोका गया हो। मामला कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए किसी भी तीसरे पक्ष को टिप्पणी करने या रोक लगाने का अधिकार नहीं है। दरअसल, मंगलवार को मेला प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के 14 अक्टूबर 2022 के एक आदेश का हवाला देते हुए नोटिस जारी कर पूछा था कि उन्होंने खुद को शंकराचार्य कैसे घोषित कर लिया।

यह गो हत्या जैसा पाप

द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद महाराज ने अविमुक्तेश्वरानंद को मौनी अमावस्या पर स्नान करने से रोके जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन को माफी मांगनी चाहिए। ब्राह्मणों को पुलिस ने चोटी पकडक़र घसीटा। यह शासन का अहंकार है। सत्ता हर दिन नहीं रहेगी। गंगा स्नान से रोकने वालों को गो हत्या का पाप लगता है। बता दें कि सदानंद महाराज और अविमुक्तेश्वरानंद, स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य हैं। उनके निधन के बाद दोनों एक साथ शंकराचार्य बने थे।

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम के सनातन पर बयान पर मद्रास हाईकोर्ट बोला...

उदयनिधि स्टालिन की बातें नरसंहार जैसी

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन की सनातन के खिलाफ की गईं बातें हेट स्पीच के दायरे में आती हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी स्टालिन के तीन साल पुराने बयान को लेकर कीं।

दरअसल 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए कहा था कि इसे मिटा देना चाहिए। इस बयान का काफी विरोध हुआ। भाजपा नेता अमित मालवीय ने स्टालिन के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह बयान देश के 80 प्रतिशत सनातन धर्म मानने वालों के खिलाफ है।

हालांकि स्टालिन की डीएमके पार्टी के एक नेता ने उल्टा मालवीय के खिलाफ केस कर दिया। आरोप लगाया कि मालवीय ने स्टालिन के बयान को तोड़-मरोड़ के पेश किया। मालवीय ने एफआईआर के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई। तीन साल बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने याचिका को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस. श्रीमथी ने कहा कि मालवीय ने मंत्री के बयान पर केवल प्रतिक्रिया दी थी। ऐसी प्रतिक्रिया पर केस चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

टोल नहीं चुकाया तो गाड़ी नहीं बेच पाएंगे

-एनओसी और फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं होगा, नेशनल परमिट भी नहीं मिलेगा

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को नेशनल हाईवेज पर टोल नियम सख्त कर दिए हैं। अब टोल न चुकाने वाले वाहनों को एनओसी, फिटनेस सर्टिफिकेट और नेशनल परमिट जैसी सेवाएं नहीं मिलेंगी। यह बदलाव सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स 2026 के तहत किए गए हैं। इसका मकसद इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन मजबूत करना और टोल चोरी रोकना है।

कई बार नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर गाड़ी का फास्टैग स्कैन होने पर टेक्नीकल खामी की वजह से टोल नहीं कट पाता। फास्टैग में बैलेंस कम होने पर भी गाडिय़ां टोल क्रॉस कर जाती हैं। अब ऐसे वाहनों की बकाया राशि गाड़ी के रिकॉर्ड से जुड़ जाएगी।

ममता का आदेश, जिलाधिकारियों को एसआईआर पर सुप्रीम कार्ट के निर्देशों का पालन करे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिलाधिकारियों को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सुप्रीम कार्ट के निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया है। यह जानकारी बंगाल सरकार एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि सीएम ममता ने दोपहर के समय राज्य सचिवालय नबन्ना में मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती की अध्यक्षता में जिलाधिकारियों के साथ हो रही बैठक में अप्रत्याशित रूप से शामिल हुईं। अधिकारी ने कहा, "उन्होंने बताया कि एसआईआर से संबंधित सभी सुनवाई सुप्रीम कार्ट के निर्देशों के अनुसार ही होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ममता ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि तार्किक विसंगतियों के बहाने लोगों को असुविधा न हो। सीएम ममता ने कहा कि एसआईआर की सुनवाई के कारण लोगों को "तार्किक विसंगतियों" को लेकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, और इस मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा, "उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा वैध घोषित किए गए दस्तावेजों को सुनवाई के दौरान बिना किसी अपवाद के स्वीकार किया जाना चाहिए। जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि दस्तावेज जमा करने के बाद रसीद जारी करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।" बनर्जी ने कहा कि निर्धारित तिथियों पर सुनवाई में शामिल होने में असमर्थ मतदाताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए।

डीड में सेवा की शर्त भले न हो, पर बुजुर्ग दंपती की देखभाल कानूनी जिम्मेदारी- हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में हाईकोर्ट ने बुजुर्गों के अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर किसी बुजुर्ग ने देखभाल की उम्मीद में अपनी संपत्ति किसी रिश्तेदार को दी है, तो भले ही सेवा की शर्त लिखित में न हो, देखभाल करना नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है। यह मामला एक बुजुर्ग दंपती से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवन की कमाई और संपत्ति अपने भतीजे और बेटी को गिफ्ट डीड के जरिए दे दी थी। बुजुर्गों को भरोसा था कि बुढ़ापे में उनकी देखभाल की जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

संपत्ति अपने नाम होते ही दोनों रिश्तेदारों का व्यवहार बदल गया। बुजुर्ग दंपती को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और आखिरकार उन्हें अपने ही घर से बाहर निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद बुजुर्ग दंपती के पास कोई सहारा नहीं बचा। हालात इतने खराब हो गए कि उन्हें वृद्धाश्रम में रहने को मजबूर होना पड़ा। बुढ़ापे में जब अपनों के साथ की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वहां उन्हें अकेलेपन और अपमान का सामना करना पड़ा। थक-हारकर बुजुर्ग दंपती ने न्याय की गुहार लगाई। मामला निचली अदालत और फिर हाई कोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने पूरे मामले को गंभीरता से सुना और माना कि संपत्ति देखभाल की उम्मीद में दी गई थी, न कि अपमान और बेघर होने के लिए।

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर सेवा और देखभाल की शर्त गिफ्ट डीड में लिखी न भी हो, तो भी बुजुर्गों की देखभाल करना जरूरी है। कोर्ट ने गिफ्ट डीड को रद्द करने के आदेश को पूरी तरह सही ठहराया और साफ संदेश दिया कि बुजुर्गों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएग। कोर्ट का यह फैसला सिर्फ एक मामले तक सीमित नहीं है। यह उन हजारों बुजुर्गों के लिए उम्मीद की किरण है, जो भरोसे में आकर अपनी संपत्ति बच्चों या रिश्तेदारों के नाम कर देते हैं।

एमआईएम संभाग प्रभारी जावेद खान का बालाघाट आगमन हुआ

नगर पालिका चुनाव लड़ने का किया एलान, प्रदेश नेतृत्व के निर्देशन पर बालाघाट पहुंचा प्रतिनिधि मंडल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने हाल ही में सम्पन्न हुए महाराष्ट्र नगर पालिका परिषद व बीएमसी के चुनाव में 125 सीट जीतने में कामयाबी हांसिल की है। इसके बाद अब पार्टी की नजर बंगाल, उत्तर प्रदेश के साथ-साथ आगामी समय में मध्य प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव पर टिकी हुई है।शायद यही वजह है कि अभी से एमआईएम पार्टी बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में अपनी जड़ो को मजबूत करने में जुटी हुई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहशीन अली खान के निर्देश पर जबलपुर संभाग के प्रभारी जनाब जावेद खान, जबलपुर शास्त्री वार्ड से पार्षद शमा मतीन खान एवं अन्य पदाधिकारियों ने बालाघाट जिले का दौरा किया। जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारी से मुलाकात कर वर्तमान स्थिति का आंकलन किया तो वही पार्टी संगठन को आगे बढ़ाने, पार्टी का विस्तार करने, सदस्यता अभियान चलाने सहित विभिन्न स्थानीय मुद्दों को लेकर विचार विमर्श किया। जहां बालाघाट दौरे पर आए इस प्रतिनिधि मंडल ने आगामी समय में होने वाले नगर पालिका चुनाव में अपनी पार्टी से उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारने का भी ऐलान किया है।बालाघाट आगमन पर पार्टी के जिलाध्यक्ष सैयद लियाकत अली, जिला उपाध्यक्ष नवाब शेख, अनवर खान, जिला सचिव शरीफ शेख, सोहेल शेख, सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का गर्मजोशी से इस्तक़बाल किया।

जिले भर में कार्यकारिणी का किया जाएगा विस्तार

आपको बताएं कि इसके पूर्व भी एआईएमआईएम पार्टी द्वारा नगर पालिका चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारने का ऐलान किया गया था, लेकिन पिछले चुनाव में पार्टी ने अपनी उम्मीदवार मैदान पर नहीं उठा रहे थे जहा नगर पालिका चुनाव के बाद से बैकफुट पर आई बालाघाट एमआईएम पार्टी में नई जान फूंकने और पार्टी पदाधिकारियों व अन्य कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय बनाने को लेकर संभागीय प्रभारी जावेद खान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बालाघाट पहुंचकर एमआईएम पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद आयोजित की गई बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जिले की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से बारी-बारी चर्चा कर वर्तमान हालातों का जायजा लिया। जिले भर में कार्यकारिणी का पुनर्गठन करने और जल्द ही जिले की नई कार्यकारिणी की घोषणा किए जाने की बात कही। जिसमें उन्होंने पदाधिकारियों से पार्टी और संगठन को मजबूत बनाने और चुनाव में सहभागिता करने को लेकर विचार विमर्श किया। बताया गया पार्टी जिले भर में अपनी पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य कर रही है। उसी को लेकर प्रतिनिधि मंडल का बालाघाट आगमन हुआ है। यहां जिला स्तर, तहसील स्तर, बूथ स्तर, विधानसभा स्तर पर कमेटी बनाई जाएगी।

एमआईएम लड़ेंगी नपा चुनाव- जावेद खान

जबलपुर संभाग प्रभारी अध्यक्ष जावेद खान ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली के निर्देशन पर उनका प्रतिनिधिमंडल बालाघाट में पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने पहुंचा है यहां जिला अध्यक्ष लियाकत अली और उनकी पूरी टीम से मुलाकात की गई है। उन्होंने बताया कि यहां एमआईएम पार्टी बहुत अच्छा काम कर रही है, हम इसी कारवां को आगे बढ़ाने के लिए आए हैं। उन्होंने एलान करते हुए आगे कहा कि आगामी समय में नगर पालिका में होने वाले चुनाव में एमआईएम पार्टी द्वारा प्रत्याशी, मैदान में उतरें जाएंगे और मजबूती के साथ नपा चुनाव लड़कर प्रत्याशी को जिताकर जीताकर लाएंगे। उसी को लेकर पार्टी पदाधिकारी से चर्चा की जा रही है।

बोधगया, लुंबिनी, काठमांडो सहित बुद्धिस्ट स्थलों यात्रा का आयोजन 25 मार्च से

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया बालाघाट की पहल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्पूर्ण विश्व में तथागत भगवान बुद्ध के सिद्धांत प्रासंगिक है और मानव जीवन में तथागत के पंचशील के पालन से जीवन सुखमय एवं मंगलमय होता है।इसी परिपेक्ष में भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धार्मिक सामाजिक धम्म संस्था की जिला शाखा बालाघाट मप्र द्वारा बौद्धों के पवित्र धम्म स्थलों की धम्म यात्रा का आयोजन दिनांक 25 मार्च 2026 से किया गया हैं,जिसमें सारनाथ, बोधगया, विश्व की पहली लोकतांत्रिक नगरी वैशाली, एशिया का सबसे बड़ा केसरिया स्तूप, तथागत की महानिर्वाण स्थली कुशीनगर,बोधिसत्व सिद्धार्थ की जन्मस्थली लुंबिनी(नेपाल), काठमांड़ो, पोखरा (नेपाल), कपिलवस्तु, तथागत के सबसे अधिक वर्षवास, जेतवन, अंगुलिमाल गुफा आदि का स्थल श्रावस्ती,महापुरुषों की याद में निर्मित विशाल डॉ.आंबेडकर पार्क लखनऊ आदि स्थलों की यात्रा का आयोजन किया गया है।समिति द्वारा उक्त यात्राओं में शामिल होने के लिए सोसायटी से संपर्क करने की अपील की है।

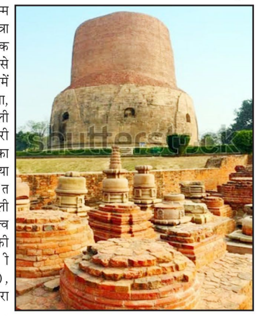

जिला स्तरीय फायर रिस्पॉन्स सिस्टम प्रशिक्षण में राहत और बचाव कार्यो को टटोला गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन तथा डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड श्रीमती रजनी खटीक की उपस्थिति में 21 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष क्रमांक 205 में जिला स्तरीय फायर रिस्पॉन्स सिस्टम टीम के अंतर्गत अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटनाओं से निपटने के लिए राहत एवं बचाव तकनीकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियर, फायरमैन, राजस्व निरीक्षक, ड्राइवर, फायर हेल्पर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान अग्नि एवं विस्फोट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। रेस्क्यू के समय बरती जाने वाली सावधानियों, संभावित कठिनाइयों तथा उनसे प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मॉक ड्रिल में लगभग 50 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित एवं प्रभावी राहत-बचाव सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में एएसआई होमगार्ड महेश कुमार उड़के, हवलदार स्टोरमेन मनोज कुमार देशमुख, हवलदार अनुदेशक श्रीमती प्रीति रजक, कंपनी क्वार्टर मास्टर भीषम सिंह सूर्यवंशी, एसडीईआरएफ महिला सैनिक वर्षा तेकाम सहित नगर पालिका की फायर टीम, पीएचई विभाग, पुलिस विभाग तथा शासकीय चिकित्सालय बालाघाट के अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

मुख्य सचिव ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने 21 जनवरी को आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कानून व्यवस्था, प्राकृतिक खेती, पेयजल प्रदाय, सुशासन एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शासन की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे एवं डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

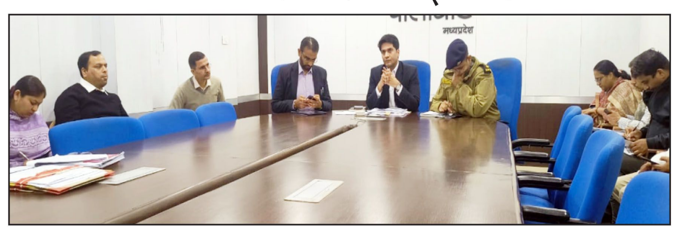

मुख्य सचिव श्री जैन ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संवेदनशील बस्तियों एवं सकरी सड़कों पर फोर्स मूवमेंट में आने वाली समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बढ़ाने को कहा। मुस्कान अभियान के अंतर्गत नाबालिग बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा आगामी तीन वर्षों में ड्रग फ्री इंडिया अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अंतर्गत 1 अप्रैल 2026 से तीन वर्ष की कार्य योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को अभी से तैयारी एवं आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। थानों में दर्ज प्रकरणों में मेडिकल लीगल केस की कार्यवाही मेडलेपार ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही किए जाने तथा खनिज के अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

सुशासन के अंतर्गत लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में सेवाओं का लाभ नहीं देने पर संबंधित अधिकारियों पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2026 को प्रदेश में कृषि वर्ष घोषित किया गया है, अतः प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए तत्परता से कार्य किया जाए। स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान जिला चिकित्सालय एवं अन्य शासकीय अस्पतालों की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने एनीमिक गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव हेतु पूर्व नियोजन कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा कुपोषित ब'चों को चिन्हित कर उन्हें कुपोषण से बाहर लाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए।

पेयजल प्रदाय व्यवस्था की समीक्षा में मुख्य सचिव ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल की शुद्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा। नगरीय क्षेत्रों में दूषित पेयजल की आपूर्ति रोकने के लिए व्यापक इंतजाम करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नलजल योजनाओं के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में बताया गया कि बालाघाट जिला नामांतरण के लंबित प्रकरणों के निराकरण में प्रदेश के शीर्ष दो जिलों में, समग्र ई-केवायसी में शीर्ष पांच जिलों में, प्राकृतिक खेती हेतु बीआरसी की स्थापना में प्रथम स्थान पर रहा है। इसके साथ ही कुपोषित ब'चों के पंजीयन एवं उपचार, सिवियर एनीमिक गर्भवती माताओं के प्रसव प्रबंधन तथा सिकल सेल मरीजों के उपचार में भी जिला प्रदेश में अग्रणी रहा है।

अब सभी आईटीआई में बांस-फर्नीचर एवं कलाकृतियॉ बनाने का प्रशिक्षण देंगे

कलेक्टर नें ली शासकीय आईटीआई के प्राचार्यों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 21 जनवरी को जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले की समस्त शासकीय आईटीआई के माध्यम से संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण एवं रोजगार की समीक्षा की गई। बैठक में आईटीआई बालाघाट के प्राचार्य सुश्री सपना राहंगडाले एवं जिले के सभी आईटीआई के प्राचार्य उपस्थित थे। बैठक में आईटीआई के छात्रों की छात्रवृत्ति, ओटीआर, विगत पांच वर्ष के प्लेंसमेंट, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना के प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में जिले के सभी आईटीआई में बम्बू कोर्स का प्रशिक्षण शीघ्रता से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कोर्स के माध्यम से छात्रों को बॉस के फर्नीचर एवं कलाकृति निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाए, इससे बम्बू के क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने सभी आईटीआई में चल रहे विभिन्न ट्रेड के कोर्स को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिये और कहा कि आईटीआई में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। जिससे वे अपने कौशल को विकसित कर सकें और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने पीएम विश्वकर्मा और मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ सभी विधार्थियों को शीघ्रता से मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन योजनाओं के तहत अधिक से अधिक छात्रों को लाभान्वित करने के लिए काम करें। कलेक्टर श्री मीना ने प्राचार्यों को निर्देश दिए कि वे आईटीआई में चल रहे कोर्स की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि आईटीआई में छात्रों को उद्योगों की मांग के अनुसार कौशल प्रदान किया जाना चाहिए, जिससे वे अपने कौशल का उपयोग करके रोजगार प्राप्त कर सकें। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 07 शासकीय आईटीआई संचालित है। इसके साथ ही लालबर्रा, वारासिवनी, खैरलांजी एवं कटंगी विकासखंड में 04 नवीन शासकीय आईटीआई 06 ट्रेड के साथ आगामी सत्र से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में जिले में संचालित 07 शासकीय आईटीआई में 1648 युवाओं को प्रवेश दिया गया है, इसमें 1034 युवक एवं 614 युवतियॉ शामिल है। वर्ष 2024-25 में सभी आईटीआई का परीक्षा परिणाम 89 प्रतिशत रहा है। आईटीआई के सभी पात्र अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के युवाओं को छात्रवृत्ति का वितरण किया जा रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग के 461 एवं जनजाति वर्ग के 196 छात्र छात्राओं के ओटीआर करा लिये गए है। बैठक में बताया गया कि पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए 33 हजार 34 आवेदन प्राप्त हुए है इनमें से 4235 का सफल पंजीयन किया जाकर 2907 हितग्राही प्रमाणित किये जा चुके है। इन हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 108 युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। 108 युवाओं को इसका प्रशिक्षण दिया गया है जिनमें से 101 उत्तीर्ण हो चुके है। मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना के अंतर्गत जिले के 205 प्रतिष्ठानों का पंजीयन किया गया है, जिनमें 811 रिक्तियॉ है। इस योजना में स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त करने के लिए 7795 युवाओं का पंजीयन किया गया है।

महाविद्यालयों में लगाए जा रहे परिवहन विभाग के शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत जिला परिवहन कार्यालय बालाघाट द्वारा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में शिविर आयोजित कर छात्र-छात्राओं के लर्निंग एवं ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को सरल, सुलभ एवं समयबद्ध परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में 21 जनवरी को शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 65 छात्र-छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए। इनमें 52 छात्राएं एवं 13 छात्र शामिल रहे। महाविद्यालय में यह शिविर 23 जनवरी तक जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ ले सकें।

जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि इस शिविर के अंतर्गत छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस निःशुल्क बनाए जा रहे हैं, जबकि छात्रों के लिए 274 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। परिवहन विभाग की इस पहल से विद्यार्थियों को लाइसेंस बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं और महाविद्यालय परिसर में ही आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। छात्रों एवं छात्राओं ने इस सुविधा के लिए परिवहन विभाग एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों व असहाय खाताधारकों के लिए बैंक में सुविधाजनक नीति लागू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनता की सुविधा, सम्मान और समान अधिकारों को ध्यान में रखते हुए बैंक द्वारा वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं असहाय खाताधारकों के लिए एक नई विशेष नीति लागू की गई है। इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर ग्राहक को बिना किसी भेदभाव के सरल, त्वरित और संतोषजनक बैंकिंग सेवाएँ प्राप्त हो सकें। नई व्यवस्था के तहत बैंक की प्रत्येक शाखा में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्राथमिकता काउंटर की व्यवस्था की गई है। साथ ही शाखाओं में बैठने की समुचित व्यवस्था, पीने का पानी, रैम्प तथा व्हीलचेयर से प्रवेश जैसी सुविधाएँ अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई गई हैं। एटीएम सुविधाओं में भी विस्तार किया गया है। क्लासिक कार्ड धारकों को 5 मुफ्त लेन-देन एवं 40 हजार रुपए तक नकद निकासी की सुविधा मिलेगी, वहीं प्लेटिनम कार्ड पर 5 मुफ्त लेन-देन एवं 01 लाख रुपए तक नकद निकासी की सुविधा प्रदान की जाएगी। दिव्यांगजनों के लिए एटीएम में रैम्प एवं व्हीलचेयर अनुकूल व्यवस्था के साथ दृष्टिबाधित व्यक्तियों हेतु बोलने वाले एटीएम और ब्रेल कीपैड की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। घर पर बैंकिंग सेवा के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों तथा गंभीर रूप से बीमार या दिव्यांग ग्राहकों को शाखा से × किलोमीटर के दायरे में नकद जमा-निकासी, डिमांड ड्राफ्ट, जीवन प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक बैंकिंग सेवाएँ घर बैठे उपलब्ध कराई जाएँगी। इसके अलावा सेवा शुल्क में भी विशेष छूट दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह 25 हजार रुपए तक की दो रेमिटेंस/कलेक्शन निःशुल्क मिलेंगी। पासबुक, स्टेटमेंट, चेकबुक, स्टॉप पेमेंट जैसी सेवाओं पर 50 प्रतिशत छूट तथा लॉकर किराए में 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जाएगी। दिव्यांगजनों के खातों पर न्यूनतम बैलेंस की कोई शर्त नहीं होगी और दृष्टिबाधित व दिव्यांग ग्राहकों के लिए ऋञ्जतस्, ह्श्वस्नञ्ज एवं डिमांड ड्राफ्ट पर शुल्क पूर्णतः माफ रहेगा। शिकायत निवारण व्यवस्था के तहत प्रत्येक शाखा में शाखा प्रबंधक को दिव्यांग ग्राहकों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं मुख्य कार्यालय स्तर पर ग्राहक सेवा विभाग के महाप्रबंधक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही दिव्यांग प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक सलाहकार समिति के गठन का भी प्रावधान किया गया है। बैंक प्रबंधन का कहना है कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को बैंकिंग सेवाओं में किसी भी प्रकार की असुविधा से मुक्त कर उन्हें सम्मानजनक, सहज एवं त्वरित सेवा प्रदान करना है।

जमीन बेचनी है

बालाघाट-कोसमी में स्थित बालाघाट - गोंदिया रोड से लगी हुई चौड़ाई 75 फ़ीट, लम्बाई 250 फ़ीट पूर्वमुखी ज़मीन बेचनी है जिसके उत्तर में 15 फ़ीट की रोड है। इच्छुक खरीददार मोबाइल नंबर 94251-8988 पर संपर्क करें

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 22 जनवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बीच सड़क पर लगा विद्युत पोल को पार्षद प्रतिनिधि ने की शिफ्ट करने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के बैहर चौकी रोड स्थित वार्ड क्रमांक 3 में लगा विद्युत पोल से आवगमन में आमजन को परेशानी हो रही है। बैहर रोड़ की पानी टंकी के पास से गुजरने वाली सड़क के ठीक बीच में विद्युत पोल लगाए जाने से आवागमन बाधित हो रहा है और लगातार दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 3 के

प्रतिनिधि सोहेल खान ने बताया कि इस मार्ग पर विद्युत विभाग द्वारा दो से तीन पोल स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक पोल सड़क के मध्य स्थित है। इस कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हो रही है। कई बार अचानक सामने आ जाने से वाहन असंतुलित हो जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। वार्ड प्रतिनिधि ने कहा कि संबंधित विभाग को इस समस्या से अवगत कराते हुए लिखित आवेदन सौंपा गया है और मांग की गई है कि सड़क के बीच लगाए गए विद्युत पोल को तत्काल हटाकर सड़क किनारे , सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मार्ग व्यस्त रहता है और यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। इधर, वार्डवासियों में भी इस मुद्दे को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। वार्ड प्रतिनिधि सोहेल खान ने चेतावनी दी है कि यदि विद्युत विभाग ने शीघ्र कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो वार्डवासियों के साथ मिलकर आंदोलन और प्रदर्शन किया जाएगा।

फसलों को भारी नुकसान के बावजूद लक्ष्य से अधिक धान खरीदी पर उठे सवाल!!

अतिवर्षा से फसल नुकसान के बीच अधिक धान खरीदी पर अनुभा मुंजारे ने उठाए सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

इस वर्ष हुई धान खरीदी लक्ष्य से अधिक पहुंचने के बाद धान खरीदी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर अतिवर्षा के कारण जिले में फसलों को भारी नुकसान होने की बात कही जा रही है, दूसरी ओर खरीदी केंद्रों पर रिकॉर्ड मात्रा में धान की आवक ने प्रशासनिक दावों की स'चाई पर संदेह खड़ा कर दिया है। कांग्रेस विधायक ने भी इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि अतिवृष्टि से फसल खराब होने के बावजूद जिले में लक्ष्य से कहीं अधिक धान की खरीदी होना संदेहास्पद है। उन्होंने आशंका जताई कि नियमों को दरकिनार कर बाहरी जिलों की धान को जिले की समितियों में खपाया गया है। विधायक ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की हैं ।

धान उत्पादक जिले में समर्थन मूल्य पर हुई धान खरीदी को लेकर सवाल और गहराते जा रहे हैं। कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि अतिवर्षा के कारण हुए फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति का उन्होंने स्वयं 10 से 15 गांवों में जाकर जायजा लिया है। इन गांवों में किसानों की फसलें

बड़े पैमाने पर खराब हुई थीं। ऐसे हालात में जिले में लक्ष्य से अधिक धान खरीदी होना अपने आप में एक गंभीर प्रश्न है, जिसकी निष्पक्ष जांच किया जाना आवश्यक है। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जिले में अतिवर्षा के कारण लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक फसल खराब हुई है। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा लक्ष्य से अधिक खरीदी के आंकड़े प्रस्तुत कर अपनी उपलब्धियां गिनाई जा रही हैं, जो वास्तविकता से परे है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि फसल नुकसान के बावजूद रिकॉर्ड खरीदी के दावे संदेह पैदा करते हैं । 20 जनवरी तक जिले में पंजीकृत 1 लाख 17 हजार 156 किसानों से कुल 60 लाख 85 हजार 450 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। प्रदेश शासन की उपार्जन नीति के तहत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 1 दिसंबर से प्रारंभ होकर 20 जनवरी तक की गई। इस अवधि में कुल 1 लाख 17 हजार 156 किसानों से लगभग 1441 करोड़ 64 लाख 31 हजार रुपये मूल्य की धान खरीदी की गई है। खरीदी गई धान में से अब भी 11 लाख क्विंटल से अधिक धान सहकारी समितियों में पड़ी हुई है। समय पर गोदामों में परिवहन नहीं होने के कारण कई किसानों को अभी तक उनके धान का भुगतान नहीं मिल सका है, जिससे किसानों में नाराजगी बनी हुई है। इस संबंध में आपूर्ति अधिकारी का कहना है कि अब तक 90 प्रतिशत से अधिक धान का परिवहन किया जा चुका है और किसानों को लगभग 1110 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। बावजूद इसके, शेष धान के उठाव और किसानों को पूर्ण भुगतान को लेकर स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। विधायक अनुभा मुंजारे ने मांग की है कि पूरे खरीदी प्रकरण की जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाए, ताकि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

बाहरी जिलों से लाई गई हैं धान

विधायक मुंजारे ने कहा कि पूरे जिले में यह सर्वविदित है कि अतिवर्षा के कारण किसानों की धान की फसल को भारी नुकसान हुआ था। इसके बावजूद लक्ष्य से अधिक खरीदी होना संदेह पैदा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी जिलों से लाई गई धान को स्थानीय किसानों के नाम पर समितियों में खपाया गया, जिससे खरीदी के आंकड़े बढ़ गए। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले में खरीदी केंद्रों की भूमिका संदिग्ध है और बिना उनकी मिलीभगत के इतनी बड़ी मात्रा में बाहरी धान का खपाया जाना संभव नहीं है। विधायक अनुभा मुंजारे ने दो टूक कहा कि अब यह पूरा विषय जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर लक्ष्य से अधिक धान किस प्रक्रिया और किन माध्यमों से खरीदी गई। विधायक ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि इसमें अनियमितता सामने आती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

वर्षों से लंबित विभिन्न मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

सेवा निवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षों से कई मांगे लंबित है जिनपर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।अपनी इन्ही मांगो को लेकर सेवा निवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।कलेक्टर के मार्फ़त मप्र शासन के नाम सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने स्थानीय 9 तो वही प्रदेश स्तरीय 10 मांगो को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।जिंसमे उन्होंने अन्य मांगों के अलावा मुख्य रूप से वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ रा'य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाकर वर्षो से लंबित महंगाई, राहत व एरियस की राशि का तत्काल पूर्ण भुगतान किए जाने की मांग की है।इस दौरान जिला अध्यक्ष केजी बिसेन, सचिव पंचम हनवत, कोषाध्यक्ष भेजनलाल कटरे, वरिष्ठ पदाधिकारी अशोक बिसेन सहित सभी ब्लाकों से आए अन्य पदाधिकारी सदस्य व पेंशनर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दो राज्यो के बीच सहमति में फंसे पेंशनर

बताया गया कि मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता से कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है।जिसे विगत कई वर्षो से विलोपित करने की मांग कर रहे है।महासंघ ने, अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए उक्त धारा को तत्काल विलोपित करने की मांग की है।

26 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर महासंघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है। आज इसे 26 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

न्यायालय के आदेश का पालन नहीं कर रही सरकार, तो होंगा आंदोलन- केजी बिसेन

जिलाध्यक्ष के.जी. बिसेन ने बताया कि दशको पहले छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हो गया, बावजूद इसके मध्यप्रदेश राज्य पुर्नगठन अधिनियम की धारा 46(6) ए के तहत आज भी छत्तीसगढ़ राज्य से सहमति लेनी पड़ रही है, जिस बाध्यता के कारण, पेंशनर्स साथियो को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिसे खत्म किया जाए। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार, अपने अधिकारी, कर्मचारी और पेंशनर्स को स्वीकृति दिनांक से डीए और डीआर प्रदान नहीं कर रही है, जिसे तत्काल प्रदान किया जाए। प्रदेश में 80 वर्ष की आयु उपरांत पेंशनर्स की पेंशन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की जाती है, पेंशनर्स मांग करते है कि यह वृद्धि 80 वर्ष की आयु से घटाकर 65 वर्ष किया जाए, ताकि पेंशनरों को इसका लाभ मिल सके। पेंशनर्स की मृत्यु उपरांत एक्सग्रेसिया की रशि 50 हजार रूपए प्रदान किया जाए जाए, जो अभी लागु नहीं नही है। उन्होंने बताया कि उ'च न्यायालय के आदेश और केबिनेट के निर्णय अनुसार, पेंशनर्स को छटवे वेतनमान का 32 माह का ऐरियर भुगतान नहीं किया गया है। जो उच्च न्यायालय के आदेश और केबिनेट के निर्णय की अवहेलना है, हम चाहते है कि सरकार जल्द से जल्द इसे प्रदान किया जाए। उन्होंने बताया कि आज बुधवार को पेंशनर्स महासंघ के प्रांतीय आह्वान पर सभी जिला मुख्यालयो में मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम प्रदेश और स्थानीय समस्याओं की मांगो का मांगपत्र सौंपा गया है। इसके बाद भी यदि सरकार, पेंशनर्स साथियो की मांगो पर विचार नहीं करती है तो प्रदेश संगठन के निर्देश पर हर वह प्रदर्शन किया जाएगा। जिससे सरकार को पेंशनर्स की मांगो पर विवश होना पड़ेगा।

जिला महिला कांग्रेस कमेटी का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 21 जनवरी बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी महिलाएं रंग-बिरंगी पारंपरिक साड़ियों और आभूषणों में सजी -धजी हुई नजर आई।कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और समाज की अन्य गणमान्य महिला स्वजनो ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।जहा कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आगमन के साथ किया गया।जिसके उपरांत मुख्य अतिथि का स्वागत सम्मान कर उन्हें विभिन्न वस्तुए भेंट कर कार्यक्रम को आगे बढाया गया।इस अवसर पर कमेटी की प्रतिभाशाली व्यक्तित्व व अन्य महिलाओं का सम्मान कर, सभी सौभाग्यवती महिलाओं को हल्दी कुमकुम का तिलक लगाकर वान वितरण किया। तो वही सभी महिला सशक्तिकरण कार्यो को करने वाली गणमान्य नागरिक महिलाओं का सम्मान कर,आमंत्रित अतिथि महिला शक्तियों को विशेष उपहार प्रदान किए गए।कार्यक्रम में विधायक अनुभा मुंजारे, वरिष्ठ नेत्री पुष्पा बिसेन, हीरासन उईके, अंजु जायसवाल, प्रदेश सचिव लक्ष्मी वाघाड़े, महासचिव उषा मिश्रा, पूर्व जनपद अध्यक्ष शीला सरोते, ब्लॉक अध्यक्ष शानु राय, भूमेश्वरी तिवड़े, दुर्गा मात्रे, सुमन केवलानी, मधु गजभिए, सीमा सिंह, पुष्पलता पोटवार, रेशमा कुंभरे, सीमा सिंह, पिंकी वाघाड़े, रंजना चौहान, सुनीता मेश्राम, शीला नगपुरे सहित अन्य महिलाएं मौजूद रही।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेस महिला कमेटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के तहत देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए।जहा कार्यक्रम के दौरान महिला कमेटी पदाधिकारियों सहित उपस्थित अन्य महलाओं द्वारा तिल-गुड़ के लड्डू खिलाकर एक-दूसरे को मकर संक्रांति पर्व की बधाइयां दी। हल्दी-कुमकुम लगाकर आपसी सौहार्द और एकता का संदेश दिया। महिलाओं को सुहाग की सामग्री चूड़ी, सिंदूर और बिंदी भेंट की।सामूहिक गीत संगीत, कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पति की दीर्घायु, सुख, समृद्धि ,और परिवार की मंगल कामनाओं के लिए आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस महिला कमेटी की सुहागिन महिलाओं ने एक दूसरे को हल्दी कुमकुम भेंटकर उनके अखंड सौभाग्य की कामना की।तो वही आयोजित इस हल्दी कुमकुम मिलन समारोह के दौरान समाज की महिलाओं ने एक दूसरे को हल्दी कुमकुम का टीका लगाकर सोलह श्रंगार, सुहाग की सामग्रियों सहित अन्य उपहारों का आदान प्रदान किया।जिसके उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया।इस कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मुंजारे के अलावा जिला महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शानू राय सहित सभी पदाधिकारी, सदस्य,व समाज की अन्य महिलाए प्रमुख रूप से उपस्थिति रही।

चिखला बांध में मारपीट, दोनों पक्ष पर एफआईआर दर्ज

गोयल उर्फ सत्यप्रकाश ने ईट से सिर फोड़ा, गिरने से देवराम घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम चिखला बांध में एक शादी समारोह में दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है। जहां रामपायली पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी अनुसार, चिखला बांध में शादी समारोह चल रहा था जहां शराब के नशें में धुत गांव के व्यक्ति देवराम मंडलेकर ने हुड़दंग मचा दिया। जिसमें देवराम मंडलेकर ने भोजन खाते वक्त नीरज मंडलेकर को अश्लील गलीगलोच करने लगा जब गलीगलोच करने से मना किया गया तो वह हाथापाई पर उतारू आया और फिर उसका पुत्र सत्यप्रकाश उर्फ योगल मंडलेकर ने ईट से सिर पर वार कर दिया। जिससे उसके सिर में घाव हो गया वहीं नशे में धुत देवराम मंडलेकर कुर्सी पर गिरने से चोट आ गई। वहीं पास में बैठा भाई पंकज डहरवाल (मंडलेकर) ने समझाई के लिया बीच बचाव में आया तो उसे भी जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार, एक पक्ष नीरज मंडलेकर ने एफआईआई दर्ज कराई हैं कि शादी समारोह चल रहा था। जहा पर देवराम मंडलेकर और समाज के लोगों के साथ हम खाना खा रहे थे, तभी देवराम मंडलेकर जोर जोर से मां बहन की गंदी गंदी गालिया दे रहा था जो सुनने में बुरी लग रही थी। मैंने उसे गाली देने से मना किया तो मुझे भी अश्लील गलीगलोच देने लगा और खाने से उठकर मुझे लामा झूमी करने लगा उतने में उसका लडका गोयल मडलेकर आया और मुझे पास में रखी ईंट का टुकड़ा उठाकर सिर पर मार दिया जिससे मुझे सर पर चोट लगी है और धमकी दिया कि मुझसे उलझा तो साले अभी तुझे जान से खत्म कर देता हूं, कि धमकी दिया जिससे में घबराकर डर गया तब बीच बचाव करने मेरा भाई पंकज डहरवाल (मंडलेकर) आया तो उसे भी अश्लील गलीगलोच दिए और एक राय होकर जान से मारने की धमकी दिए। दूसरा पक्ष से शिकायत में देवराम मंडलेकर ने एफआईआई में दर्ज कराया है कि शादी समारोह में पंकज मंडलेकर और नीरज मंडलेकर दोनो आए और पुरानी रंजिश को लेकर अश्लील गालिया दिए और मुझे प्लास्टिक की कुर्सी उठाकर मेरे सर पर और चेहरे पर मारकर मुझे जमीन में पटकक दिए और जान से मारने की धमकी दिए। उस समय बीच बचाव करने सत्यप्रकाश मंडलेकर आया तो उसे भी गालिया दिए और जान से मारने की धमकी दी। इधर, रामपायली पुलिस थाना प्रभारी ने बीएनएस की धारा 296(बी), 115(5), 351(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है।

पुलिस पेंशन परिवार संघ की हुई आवश्यक बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय संस्थान में पुलिस पेंशन परिवार संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संघ के पदाधिकारी, वरिष्ठ पेंशनर तथा बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान पेंशनधारकों से जुड़ी विभिन्न स्थानीय और प्रशासनिक समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए आगामी समय में अपनाई जाने वाली रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सदस्यों ने पेंशन भुगतान में आ रही दिक्कतों, लंबित प्रकरणों और अन्य सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को सामने रखा। इस पर संघ के पदाधिकारियों ने सभी समस्याओं को क्रमबद्ध रूप से संकलित कर संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से रखने की बात कही, ताकि पेंशनरों को राहत दिलाई जा सके। इस अवसर पर संघ से जुड़े श्री प्रजापति ने बताया कि वे लंबे समय से अपनी पेंशन से संबंधित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार ज्ञापन और आवेदन देने के बावजूद समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है, जिससे पेंशनरों को मानसिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर अपनी लड़ाई को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पुलिस पेंशन परिवार संघ इस वर्ष राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी को पूरे हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के साथ मनाएगा। इस आयोजन को लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाएं और जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में संघ के सदस्यों ने संगठन को मजबूत करने, पेंशनरों के अधिकारों की रक्षा करने और समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

आस-पास की खबरें

अमोली पंचायत में पानी टंकी स्वीकृत, निर्माण होने से पानी की समस्या होगी दुर - बालकरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद सदस्य प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच बालकरण पंचेश्वर ने बताया कि ग्राम पंचायत अमोली में एक ही पानी टंकी होने के कारण नल-जल योजना का पानी सभी वार्ड में नही पहुंच पा रहा था। इस समस्या को लेकर पूर्व में शासन से ग्राम में और एक पानी टंकी निर्माण करवाने की मांग की गई थी, जिसके बाद शासन स्तर से नवीन पानी टंकी स्वीकृत हुई है। वहीं इस पानी टंकी के साथ ही मोक्षधाम तक 100 मीटर एवं गाडर के आगे धीरन मानेश्वर के मकान तक 300 मीटर की नल-जल योजना की पाइपलाईन विस्तार का कार्य भी किया जायेगा। श्री पंचेश्वर ने बताया कि पानी टंकी एवं पाइपलाईन विस्तार कार्य स्वीकृत होने से ग्रामीणजनों में हर्ष की लहर व्याप्त है और नवीन पानी टंकी के निर्माण के लिए थाने के पीछे स्थित थाना परिसर में स्थान चिहिन्त कर लिया गया है। लेकिन उक्त स्थान थाना परिसर में अंकित है लेकिन जिस स्थान पर पानी टंकी बनाना है वह खाली है जिसके लिए पुलिस अधीक्षक महोदय से अनुमति पंचायत के माध्यम से लेकर निर्माण कार्य किया जा सकता है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि मेरे द्वारा पंचायत से कहा गया है कि निर्माण कार्य हेतु प्रक्रिया पुर्ण कर, पानी टंकी के लिए प्रस्तावित स्थान थाना के पीछे स्थित परिसर में किया जाना है। जिसके लिए पुलिस अधीक्षक से अनुमति लेने जाने की बात गई है लेकिन उनके द्वारा इस बात पर सहमति नही दी जा रही है। जबकि ग्रामीणजनों का कहना है कि ग्राम में ही पानी टंकी का निर्माण होना चाहिए इसलिए पंचायत के जिम्मेदारों से मांग है कि नवीन पानी टंकी निर्माण की प्रक्रिया पुर्ण कर इस कार्य को जल्द करवाये। साथ ही यह भी बताया कि नवीन पानी टंकी का निर्माण हो जाने से ग्राम में दो पानी टंकी हो जायेगी जिसके बाद नल-जल योजना का पानी ग्रामीणजनों को पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

ददिया वैनगंगा क्लब ने फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता का जीता खिताब

घोटी में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में भवानी क्लब के तत्वाधान में गत दिवस से जारी दो दिवसीय विशाल कबड्डी प्रतियोगिता का मंगलवार को फाइनल खेल के साथ समारोहपूर्वक समापन किया गया। आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले सहित अन्य जिलों की दो दर्जन से अधिक टीमों ने भाग लेकर अपने खेल का जौहर दिखाये एवं शाम में फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें वैनगंगा क्लब ददिया एवं भवानी क्लब घोटी के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें वैनगंगा क्लब ददिया के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। जिन्हे अतिथियों के हस्ते प्रथम पुरस्कार 15,000 रूपये प्रदान किये। इसी तरह उपविजेता टीम भवानी क्लब घोटी को द्वितीय पुरस्कार 10,000 रूपये एवं दुर्गावती क्लब कोसमटोला को तृतीय पुरस्कार 7000 रूपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम घोटी में नववर्ष के आगमन पर दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, कबड्डी प्रतियोगिता में जिलेभर की दर्जनों कबड्डी टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, विजेता, उपविजेता सहित अन्य टीम के खिलाड़ी को शुभकामनाएं दी। साथ ही आगे कहा कि जो टीम हार चुकी है उन्हे निराश होने की आवश्यकता नही है क्योंकि खेल में एक टीम को हार का सामना करना ही पड़ता है और हार के बाद ही जीत है इसलिए वे कोशिश करें कि उनसे कहा गलती हुई है। उसमें सुधार कर प्रयास करते रहे सफलता अवश्य मिलेगी और अन्य स्थानों पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम का नाम रौशन करें। चर्चा में में आयोजन समिति के संरक्षक, पंच सीताराम गजबे ने बताया कि भवानी क्लब के तत्वाधान में दो दिवसीय विशाल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसका समापन मंगलवार को फाइनल मैच के साथ किया गया। आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक टीमों ने भाग लेकर खिलाड़ियों ने अपने खेल का जौहर दिखाये। जिसमें फाइनल मैच का खिताब वैनगंगा क्लब ददिया की टीम ने जीता जिन्हे अतिथियों के द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रथम पुरस्कार 15,000 रूपये दिया गया। इसी तरह, द्वितीय पुरस्कार भवानी क्लब घोटी को 10,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार दुर्गावती क्लब कोसमटोला को 7000 रूपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में डुलेन्द्र बोरकर समिति अध्यक्ष, मुकेश सार्वे उपाध्यक्ष, टुपेन्द्र देशमुख कोषाध्यक्ष, हितेश चौधरी, छबीलाल गोले सचिव, बस्ताराम बोरकर, कमलेश गौतम, लोकेश वलथरे, हर्षित चौधरी, अंकित सराठे, पियुष लानगे, लुक्की बागड़े, शैलेश कुकड़े, खिलेन्द्र लानगे, गजेन्द्र तितरमारे, निखिल नेवारे, अक्षय मारवाड़ी, प्रकाश लानगे, नितेश सार्वे, राहुल राहंगडाले, निलू सार्वे, पवन लानगे, सुजित सपाटे, मनन लांजेवार, मिनेश जर्वेकर, पवन अंगुरे, राहुल अंगुरे, टिकेन्द्र बोरकर, अनिल माने, मुकेश अवझेकर, कैलाश राऊत, राहुल सहारे, अमित नेवारे, शैलेन्द्र अंगुरे, हर्षित बघेल, लालू चौधरी, महेश चौधरी, राहुल गौतम, गजेन्द्र बोरकर, योगेन्द्र अंगुरे, हिमांशु नागरवाड़े, सुमित कारे, प्रिंस लानगे, त्रिलोक पटले, चन्द्रशेखर अंगुरे, अंकित पटले, संजय देशमुख, निलेश चौधरी, रविन्द्र अंगुरे, राकेश बागड़े, केदार गौतम सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

आनंद उत्सव खुशी बांटने का माध्यम है - झामसिंह

ददिया में उत्साह के साथ मनाया गया 'आनंद उत्सव'

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्रामीण क्षेत्रों में खुशहाली और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत ददिया में बम्हनी पंचायत के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर के मुख्य आतिथ्य, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, जनपद सदस्य श्रीमती केशरबाई भोयर, ददिया सरपंच ऋषी पंक्षी भलावी, बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छयाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित आनंद उत्सव के अवसर पर ददिया एवं बम्हनी शासकीय स्कूल के बच्चों की विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिता संपन्न करवाई गई। इस अवसर पर कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, दौड़ और स्थानीय पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों एवं ग्राम के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों के उत्साह ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी। वहीं विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। साथ ही यह कार्यक्रम में खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर ने कहा कि आनंद (उत्सव) महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर खुशियां बांटने का एक माध्यम है। आज के इस दौर में खेल और मनोरंजन मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने और आपसी प्रेम भाव को मजबूत करने के लिए शासन की यह एक सराहनीय पहल है। खेल हमें हार-जीत से ऊपर उठकर टीम भावना से कार्य करना सिखाते हैं। इस अवसर पर पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक, स्कूल के शिक्षकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बोरी में बकरी चराने गये दो ग्रामीणों पर भालू का जानलेवा हमला

वन्यप्राणियों के दस्तक से ग्रामीणजनों में दशहत का माहौल

पेज 12 से जारी....

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/लालबर्रा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को परसाटोला (बोरी) के दो ग्रामीण दोपहर में गांव के समीप जंगल क्षेत्र में बकरियां चरा रहे थे। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकलकर भालू (रिछ) ने दोनों पर जानलेवा हमला कर दिया और भालू के अचानक हमले से दोनों ग्रामीणों को संभलने का मौका तक नहीं मिला जिससे वे जमीन पर गिर पड़े। वहीं हमले के दौरान दोनों ग्रामीणों के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद अन्य ग्रामीण तत्काल दौड़े और लोगों की बढ़ती आवाज व हलचल को देखकर भालू जंगल की ओर भाग गया। नही तो भालू के हमले से महिला एवं पुरूष दोनों के साथ बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। जिसके बाद घायल ग्रामीणों केपरिजनों को घटना की जानकारी दी गई और तत्काल दोनों घायलों को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। वहीं भालू के हमले से घायल हुए दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार हेतु उन्हें जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों को शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर लोगों की आहट नहीं मिलती, तो भालू दोनों ही ग्रामीणों की जान ले सकता था। इस घटना के बाद से ग्राम परसाटोला सहित आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है क्योंकि इस क्षेत्र में लगातार जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ती जा रही है, जिससे खेतों, जंगल और आसपास के इलाकों में जाना जोखिम भरा हो गया है।

खासकर महिलाएं, बुजुर्ग और पशुपालक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्र में तत्काल गश्त बढ़ाने, भालू सहित अन्य वन्यप्राणियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा ग्रामीणों को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश देने के साथ ही वन्यजीव हमलों से पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा प्रदान करने की मांग की है।

भालू ने किया अचानक हमला - ब्रजलाल

घायल ब्रजलाल नागेश्वर ने बताया कि बुधवार को दोपहर में बकरी चराने खेत गये थे तभी अचानक भालू आया और हमला कर दिया। जिससे मैं और एक महिला घायल हो गई है, अगर बचाव-बचाव कहकर आवाज लगाने के बाद आसपास स्थित लोग दौड़कर आये, जिसके बाद वह भाग गया नही तो हमारी जान भी जा सकती थी। श्री नागेश्वर ने बताया कि हमारा ग्राम जंगल से लगा हुआ है और बार-बार भालू सहित अन्य वन्यप्राणी के गांव के समीप आ जाते है एवं मवेशी के साथ ही लोगों पर भी हमला कर रहे है जिससे ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है।

वन्यप्राणी को पकड़कर घने जंगल में छोड़े वन विभाग - कमलेश

कमलेश गोकुलपुरे ने बताया कि खेत में दोनों घायल ग्रामीण बकरी चरा रहे थे और हम लोग बाजू में काम कर रहे थे। अचानक चीखने एवं चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जब हमने जाकर देखे तो भालू ने दोनों पर हमला कर घायल कर दिया था और दोनों लहुलुहान अवस्था में थे। जिसके बाद उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई और तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किया गया, जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। श्री गोकुलपुरे ने बताया कि गांव के समीप भालू, बाघ एवं अन्य वन्यप्राणी पहुंच जाते है और इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है। वन विभाग से मांग है कि घायलों को उचित मुआवजा प्रदान करे एवं भालू सहित अन्य वन्यप्राणियों को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े।

अकेले खेत एवं जंगल की ओर न जाये ग्रामीण - सीता

दूरभाष पर चर्चा में दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी ने बताया कि परसाटोला (बोरी) वन क्षेत्र से लगा हुआ है और बुधवार को भालू (रिछ) के हमले से बकरी चराने गये दो लोग घायल हो गये है। जिनका जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है जिन्हे शासन से मिलने वाली मुआवजा दिलवाया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि यह ग्राम जंगल से लगा हुआ है और जिस स्थान पर घटना घटित हुई है उस क्षेत्र में फटाखे फोड़कर उन्हे भालू को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा है और ग्रामीण व किसानों से अपील है कि वे अकेले खेत व जंगल की ओर न जाये।

पांढरवानी पंचायत की समीक्षा बैठक संपन्न

बैठक में गणतंत्र दिवस पर्व मनाने सहित विकास कार्यों पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सभाकक्ष में बुधवार को पंचायत प्रतिनिधियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल सहित अन्य पंचों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर्व मनाने, पंचायत क्षेत्र में जारी निर्माण कार्य सहित कौन-कौन से विकास कार्य करना है जिस पर विस्तार से चर्चा कर निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही पंचों को संकल्प से समाधान योजना के बारे में भी बताया गया। साथ ही बैठक में आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसमें प्रात: 7.30 बजे पंचायत भवन में पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं चांदनी चौक में प्रात: 7.45 बजे उपसरपंच राकेश अग्रवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। वहीं बैठक में पंचायत क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों का एजेंटा भी तैयार किया गया। साथ ही शासन से नवीन पानी टंकी स्वीकृत हुई है जिसका निर्माण कार्य रामजीटोला में किये जाने का निर्णय लिया गया है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर्व की तैयारी एवं पंचायत क्षेत्र में जारी निर्माण कार्यों की जानकारी हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें उपस्थित पंचों को शासन की योजनाओं के तहत पंचायत क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी गई है। साथ ही कुछ वार्डों में सीसी सड़क नाली का निर्माण कार्य जारी है एवं कुछ कार्य पूर्ण हो चुके है। श्री खान ने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है और पंचायत भवन में प्रात: 7.30 बजे सरपंच के हस्ते एवं प्रात: 7.45 बजे चांदनी चौक में उपसरपंच राकेश अग्रवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि पंचायत क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य किये जा रहे है और रामजीटोला में नवीन पानी टंकी का निर्माण किया जायेगा। इस अवसर पर रोजगार सहायक कृष्णा पंचेश्वर सहित पंचगण एवं पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।

लिखीराम हरिन्द्रवार तुरंत छोड़े अध्यक्ष पद, अन्यथा बनेगा नया मंडल - मनीष, देवेन्द्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। गढ़वाल समाज के सदस्य मनीष (गोलू) ब्रम्हे, देवेन्द्र बनवाले ने संयुक्त रूप से विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी की एक बैठक गत रविवार को बड़ी पनबिहरी स्थित मंगल भवन में आयोजित की गई थी। इस बैठक में लिखीराम हरिन्द्रवार को गढ़वाल समाज पांढ़रवानी का नया मंडल अध्यक्ष मनोनित किया गया है। श्री हरिन्द्रवार के मनोनयन होते ही विरोध के स्वर अब और अधिक बुलंद होने लगे हैं। कुछ समाजसेवियों ने श्री हरिन्द्रवार के चयन को विधिसम्मत नहीं बताया है। आगे बताया कि अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी के अध्यक्ष पद पर लिखीराम हरिन्द्रवार ने जोर-जबरदस्ती से कब्जा कर लिया है, जबकि वे पहले से ही गढ़वाल चेतना मंच के ब्लॉक अध्यक्ष हैं। साथ ही सदस्यों का कहना है कि उनकी पदलोलुपता अब इतनी बढ़ गई है कि वे मंडल को भी पूरी तरह अपनी मुट्ठी में कैद करना चाहते हैं। आगे बताया कि बैठक वाले दिन अध्यक्ष बनने की मंशा रखने वाले दो-तीन लोग बैठक में उपस्थित थे। इन लोगों की ई'छानुसार अध्यक्ष पद हेतु चुनाव करवाया जाना था परन्तु लिखीराम एंड पार्टी ने एक पूर्व निर्धारित, सुनियोजित तरीके से पूरी बैठक को 'हाईजैक' कर लिया और समाजप्रेमियों की इच्छा के विपरीत जाकर अध्यक्ष पद पर स्वयं का अपने समर्थकों से समर्थन प्राप्त करके मनोनयन करवा लिया, जो सर्वथा नियम के विपरीत है। यह बैठक मंडल अध्यक्ष के मनोनयन के लिए आयोजित नहीं की गई थी, बल्कि बैठक के एजेंडे में स्पष्ट लिखा हुआ था कि मंडल अध्यक्ष के आगामी चुनाव हेतु परिचर्चा के लिए इस बैठक का आयोजन किया जा रहा है। लेकिन अध्यक्ष का चुनाव कर दिया गया जो गलत है इसलिए उन्हे अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना चाहिए। वहीं गढवाल समाज के सदस्य मनीष (गोलू) ब्रम्हे, देवेन्द्र बनवाले, दिलीप अजीत, मनीष ब्रम्हे, पिंटू गुनेश्वर, देवेन्द्र वराड़कर, सुनील ब्रम्हे, सोनू बनवाले, सोमेद्र बनवाले, छवि नागेश्वर, निकिलेश नागेश्वर, राजेश बनवाले एवं हर्ष बनवाले सहित अन्य सदस्यों ने कहा कि यदि श्री हरिन्द्रवार अविलम्ब अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो एक सप्ताह के अंदर समाज की पुन: बैठक बुलवाकर नया मंडल गठित किया जायेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी लिखीराम हरिन्द्रवार की होगी।

डॉ. योगेन्द्र निर्मल का तल्ख सवाल : वारासिवनी नगरपालिका को १२ साल से कौन चला रहा है ?

पूर्व विधायक ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर कहा-पालिका टका शेर भाजी और टका शेर खाजा की तरह चल रही है

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल के निवास स्थान पर बुधवार को प्रेसवार्ता आयोजित की गई।यह प्रेसवार्ता पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल के द्वारा संबोधित की गई। जिसमें उनके द्वारा नगर पालिका के विभिन्न कार्यों एवं विषय को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया गया। वहीं नगर पालिका का संचालन संतोषप्रद नही होने की पुष्टि करते हुए नगर पालिका के कार्य कर्मचारियों आम इंसान को मिलने वाली राहत सहित विकास कार्यों के विषय पर चर्चा की गयी। इसमें नगर पालिका के कर्मचारी जनप्रतिनिधि को ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ कार्य करने की नसीहत भी पूर्व विधायक ने दी।

सत्तारूढ़ दल होने के बाद भी अपेक्षा के अनुरूप खरी नहीं उतर रही नपा

पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ने कहा कि नगर पालिका से आम इंसान संतुष्ट नहीं है कई तकलीफे है ऐसे में हमने यह प्रेसवार्ता आयोजित की है। नगर पालिका में १२ वर्षों से पहले कांग्रेस फिर बाल्टी और अब भाजपा वर्तमान में पूरे पार्षद सत्तारूढ दल के हैं। जो अपेक्षा के अनुरूप खरे नहीं उतर रहे हैं हमारा कहना है नगर पालिका को वास्तव में चला कौन और कैसे रहा है। अभी महत्वपूर्ण मुद्दा शंकर तालाब का है इसमें जितना सुना है कि बहुत राशि यहां पर आई है तो इसमें विकास कार्य का क्या हुआ और उससे आम जनता को क्या लाभ हैं। बार बार यहां अतिक्रमण का मुद्दा उठता है तो उस अतिक्रमण को छोड़ जो खाली जगह है उसमें क्या काम हुआ जनता को क्या लाभ मिला है। प्लास्टिक की जो बात करते हैं आज यह प्लास्टिक पशु खाकर बीमार होते हैं मालिकों को इलाज में हजारों रुपए का खर्च आता है। प्लास्टिक जलते हैं तो प्रदूषण होता है जैसा तालाब में प्लास्टिक जलने पर पूरा धुआँ नगर में फैलता है अब इसके दुष्परिणाम आम इंसान पर क्या होंगे इसे कोई नहीं समझ रहा है। प्लास्टिक कचरा फेंक रहे हैं उन्हें कोई नहीं रोक रहा है सुबह से कचरा उठाने वाले निकलते हैं तो लोग घर के सामने कचरा तक नहीं रख रहे हैं ताकि वह उठाया जा सके तो सफाई कैसे रहेगी। क्या केवल जिम्मेदारी कर्मचारियों की है या घर मालिकों की भी मेरा कचरा कैसे उठे इसकी जिम्मेदारी मेरी है। पहले हम खाद बगीचे में डालते थे अब वह हमारे खेत में जाता है और जब इस प्रकार का होता रहेगा तो जितना पैसा शंकर तालाब में लगा है उसका आउटपुट क्या है। यहां जो सड़क बनी उसमें टीएस एएस जमीन का कैसे करवाया जो खाली जमीन था उसका करवाया ना इसमें ठेकेदार की तो गलती है ही नहीं परंतु जो टेक्निकल लोग थे उन्होंने क्या काम किया इसे भी देखना चाहिए।

रैनबसेरा अधिकारी आया तो चालू गया तो बंद इसका क्या मतलब

पूर्व विधायक निर्मल ने कहा कि यहां जो रैनबसेरा रुकने का है उसका क्या और कैसा है क्या

कोई उसका फंड आ रहा है यदि आ रहा है तो उसमें क्या व्यवस्था बन रही है। क्योंकि व्यवस्था लोगों के लिए होना चाहिए यह नहीं की अधिकारी आया तो चालू कर दिए अधिकारी गया तो बंद कर दिए ऐसी व्यवस्था नहीं चलेगी। ऐसे और कुछ मुद्दे हैं जैसे जीपीएफ ईपीएफ कई वर्षों से जमा नहीं हुआ है लाखों रुपए बाकी है। यदि यह फंड जमा नहीं किया जाएगा अधिकारी कर्मचारी को जब इमरजेंसी आ जाएगी तो वह पैसा कहां से लेगा वह क्या करेगा यह भी एक बड़ा मुद्दा है। कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं हो रही है वह क्या करेंगे ६००० रुपये वेतन दे रहे हैं। अभी महाराष्ट्र हाई कोर्ट का फैसला आया कि न्यूनतम वेतन दिया जाए ,अगर न्यूनतम वेतन कर्मचारी को नहीं दोगे तो यह भी उस कर्मचारियों के साथ भेदभाव है। आज नगर पालिका में कई पढ़े लिखे और टेक्निकल लोग हैं उन्हें कुशल श्रमिक तक नहीं बनाया जा रहा ऐसे खुद के कई मुद्दे नगर पालिका के पास खड़े हैं।

वर्तमान विधायक को विधानसभा में मुद्दे को रखे की पुराने जो नगरी निकाय के नियम है उसमें संशोधन हो

पूर्व विधायक डॉ. निर्मल ने कहां की अभी पानी का मुद्दा आया था फिल्टर प्लांट जांच से ठीक किया गया। वहां कर्मचारी बहुत बुरी हालत में रहते है घर से बिस्तर ले जाते हैं सोने बैठने व्यवस्था नहीं है फिल्टर जंगल में है जंगली पशु और सांप बिच्छू का डर हैं तो श्रमिकों की सुरक्षा पर क्या कर रहे हैं। यह नगर पालिका वर्तमान में जो चल रही है संतोषप्रद नहीं है आज भी पुराने नियम की लीज ट्रांसफर नहीं होगी लेना बेचना जबकि वर्षों से चल रहा है। विधायक को भी मेरा कहना है कि फरवरी में विधानसभा में इस मुद्दे को रखे की पुराने जो नगरी निकाय के नियम है उसमें संशोधन हो लोगों को राहत मिले। यदि २१ वीं सदी में भी राहत नहीं दी तो कोई औचित्य नहीं हैं क्योंकि नियमों की धज्जियां तो उड़ रही है। नियमों के नाम पर फिर कुछ गलत होता है तो कहते हैं भ्रष्टाचार हो रहा है परंतु मेरा कहना है कि शासन का इधर ध्यान करवायें नियमों में संशोधन हो।

नगर पालिका पंच महाभूत पर चलती है मनमानी से नही

पूर्व विधायक डॉ निर्मल ने कहा कि नगर पालिका में मनमानी हो रही है कहीं भी तोड़कर परिसर बना रहे हैं। नगर पालिका पंच महाभूत पर चलती है यह पांच चीज जल शिक्षा प्रकाश सड़क सफाई है। कहीं भी कुछ भी बना रहे पार्किंग का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा क्या इसकी कोई चिंता है। स्कूल की जगह पर निर्माण कर अपने लोगों को ४० लाख रुपये में बेच रहे हैं क्या इन्हें बेरोजगार नहीं दिख रहे। मैं विधायक था एसडीएम ने मुझे स्टेडियम के लिए सांदीपनी स्कूल की जगह बताई थी। तो हमने माना कर दिया की कभी कोई पॉलिसी आई तो स्कूल विस्तार कहां करेगें जमीन कहां से लाएंगे। आज वह सांदीपनी स्कूल देख रहे हैं जमीन कैसे बचाएं यह सोच नहीं है पानी टंकी बना दी गई जरूरी है बनना चाहिए पर क्या नियमों को पालन किया गया। एक व्यक्ति के अधिकार को पूरे तरीके से जो करना है आगे बढ़ा रहे हैं किंतु संदेश अच्छा नहीं है नगर पालिका वास्तव में सेवा का स्थान है। जनता के पैसे की वेतन कर्मचारी अधिकारी लेते हैं तो वह ईमानदारी से काम करें और जनता ने जिसे चुना है वह भी इमानदारी से कम करें। नगर पालिका में आज जो भी चल रहा है वह टके शेर भाजी टके शेर खाजा की तरह चल रहा है।

क्या नगर पालिका को जीएसटी लगाने का अधिकार है

पूर्व विधायक डॉ .निर्मला ने कहा कि नगर पालिका के द्वारा अभी संपत्ति कर बढ़ा दिया गया है उसमें जीएसटी लगाया जा रहा है। पहले जो जजियां कर हो रहा था उस प्रकार का प्रतीत हो रहा है। हमारा यह कहने का मतलब है कि क्या नगर पालिका को जीएसटी लगाने का अधिकार है आज १३००० वाले को १८००० रुपये देने पड़ रहे हैं। जबकि सरकार जीएसटी में सुविधा देने की बात कर रही है नगर पालिका ने संज्ञान लिया है क्या कि जीएसटी किस नियम से लगा रहे हैं क्या अधिकार है। पोर्टल और उनकी जो रिसिप्ट रहती है उसमें अलग अलग राशि बता रही है और कुछ लोग कोर्ट भी गए हैं ऐसे दोहरी नियम नगर पालिका में चल रहे हैं। यह नगर और नगर के विकास के लिए ठीक नहीं है हम इसका जबरदस्त विरोध करते हैं और आगे भी ऐसी कुछ बातें आएगी तो उसे पर हम अपनी बात रखेंगे।

वारासिवनी के शुभम शर्मा ने दुबई में अंतरराष्ट्रीय मंच पर रचा कीर्तिमान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ इंदौर के द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम १५ जनवरी से २० जनवरी तक दुबई में संपन्न हुआ। इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने दुबई की प्रतिष्ठित मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी दुबई में अपने संस्थान का प्रभावशाली एवं गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में वारासिवनी के प्रतिभाशाली छात्र शुभम शर्मा जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ के विधि छात्र है ने उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ना केवल अपने संस्थान बल्कि पूरे वारासिवनी क्षेत्र का नाम रोशन किया। शुभम शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ की शैक्षणिक गुणवत्ता, विधि शिक्षा की उत्कृष्ट परंपरा, शोध कार्यों एवं वैश्विक दृष्टिकोण को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया जिसे उपस्थित शिक्षाविदों के द्वारा सराहा गया। यह कार्यक्रम आइकन एजुकेशन सोसाइटी के चेयरमैन कांति लाल बाम, इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ के चेयरमैन अक्षय बाम तथा संस्थान की डीन एवं डायरेक्टर मनप्रीत कौर ,राजपाल मैडम की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनके नेतृत्व ने छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा प्रदान की। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को दुबई के विभिन्न प्रमुख स्थानों का भ्रमण करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। जिससे उन्हें वैश्विक संस्कृति, आधुनिक विकास एवं अंतरराष्ट्रीय वातावरण को निकट से समझने का अनुभव मिला। यह यात्रा विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी अत्यंत सहायक सिद्ध हुई। इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ की यह उपलब्धि ना केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है,बल्कि वारासिवनी क्षेत्र के लिए भी गौरव का क्षण है। जिसने यह सिद्ध किया कि यहाँ के छात्र अपनी प्रतिभाए परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सफलता का परचम लहरा सकते हैं।

नगर में कलश शोभायात्रा का हुआ आयोजन

श्री पंचमुखी भगवान शिव की पुन: प्राण प्रतिष्ठा प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १४ नगर पालिका के सामने श्री पंचमुखी शिव मंदिर में भगवान शिव की पुन: प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम २१ जनवरी को भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर प्रारंभ की गई। यह कलश शोभायात्रा सिद्ध श्री मनोकामना पूर्ति हनुमान लला मंदिर सराफा बाजार से निकाली गई। शोभायात्रा बाजे गाजे के साथ नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए श्री पंचमुखी शिव मंदिर पहुंची। जहां विधि विधान के अनुसार पूजा पाठ प्रारंभ की गई। इस शोभायात्रा में ठेले पर विराजित भगवान शिव को ऑटो में विराजित भगवान पंचमुखी महादेव एवं भगवान हनुमान की प्रतिमा शामिल रही। जिनका नगर भ्रमण किया गया जहां जगह जगह शोभायात्रा रुकवा कर नगर वासियों के द्वारा प्रतिमाओं का पूजन कर माथा टेक आशीर्वाद लिया जाता रहा। इस दौरान जगह जगह आतिशबाजी भी की जाती रही इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा अपने कार्यकर्ताओं के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर पैदल भ्रमण किया गया। वहीं मंदिर में माथा टेक कर नगर सहित क्षेत्र की खुशहाली समृद्धि की कामना की गई। यह शोभायात्रा के उपरांत बेदी गणेश पूजन कर भगवान का अन्नाधिवास करवाया गया। विदित हो की श्री पंचमुखी शिव मंदिर में भगवान शिव की पुन: प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। जिसमें २२ जनवरी को बेदी पूजन सुबह ९ बजे से कर प्रतिमाओं का जलाधिवास दोपहर १ बजे कर सैय्याधिवास पुष्पाधिवास फलाधिवास शाम ५ बजे से होगा। वहीं अंतिम दिन २३ जनवरी को बसंत पंचमी को बेदी पूजन प्रात: ८ बजे सर्व औषधी स्नान सुबह १० बजे प्राण प्रतिष्ठा अभिजित मुहुर्त में दोपहर १२ बजे तत्पश्चात सहस्त्र धारा शिव अभिषेक दोपहर ३ बजे से फिर हवन पूर्णाहुति महाआरती कर महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र से आधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील आयोजक गणों ने की है।

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा आओ मिलकर बात करें विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम एवं छात्र छात्राओं की मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश शासन कि महत्वाकांक्षी योजना नेशनल टास्क फोर्स के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की मानसिक सामाजिक स्वास्थ्य, शिक्षा संबंधी प्रमुख पहलुओं पर विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी परिपेक्ष्य में महाविद्यालय के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता श्रीमती अंजू जाचक मनोवैज्ञानिक क्लिनिकल सर्विसेज ऑफिसर जिला चिकित्सा बालाघाट उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा विषय के साथ साथ छात्र छात्राओं को खुशी एवं दुख के हार्मोन केमिकल से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। जिसमें उन्होंने प्रमुखता से डोपामिन रासायनिक संदेश वाहक जिसका प्रमुख कार्य खुशी प्रेरणा सीखना एकाग्रता शारीरिक गति को नियंत्रित करना बताया। इसके अतिरिक्त एंडोफिन रासायनिक वाहक को प्राकृतिक दर्द निवारक व खुशी का हार्मोन बताया। छात्र.छात्राओं को दैनिक जीवन के विभिन्न मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर आओ मिलकर बात करें थीम के अंतर्गत सभी के साथ मिलकर बात किया गया। आगे अगर अपनी बात रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया। छात्र.छात्राओं को उनकी मानसिक परेशानियों के बारे में खुलकर अभिव्यक्त करने हेतु प्रोत्साहित किया गया । उपरोक्त अनुसार समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सरिता कोल्हेकर के मार्गदर्शन में एवं नेशनल टास्क फोर्स आयोजन समिति नोडल अधिकारी विकास साहू, सदस्य श्रीमती सरिता नागवंशी, डॉ अनिरुद्ध सिंह काकोड़िआ, श्रीमती सविता सेनवार के सानिध्य में किया गया एवं समस्त महाविद्यालय परिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहा।

शादी समारोह में हुई मारपीट, अपराध दर्ज

गोयल उर्फ सत्यप्रकाश ने ईट से सिर फोड़ा, गिरने से देवराम घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम चिखला बांध में एक शादी समारोह में दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है। जहां रामपायली पुलिस ने दोनों पक्षों पर काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार चिखला बांध में शादी समारोह कार्यक्रम चल रहा था जहां शराब के नशें में धुत गांव के व्यक्ति देवराम मंडलेकर ने हुड़दंग मचा दिया। जिसमें देवराम मंडलेकर ने भोजन खाते वक्त नीरज मंडलेकर को गाली गलोच करने लगा उसे मना किया गया तो वह हाथापाई पर उतारू आया और फिर उसका पुत्र सत्यप्रकाश उर्फ योगल मंडलेकर ने ईट से सिर पर वार कर दिया। जिससे उसके सिर में घाव हो गया वहीं नशे में धुत देवराम मंडलेकर कुर्सी पर गिरने से चोट आ गई। वहीं पास में बैठा पड़ोसी ने समझाईस के लिये बीच बचाव में आया तो उसे भी जान से मारने की धमकी दी गई। इसमें नीरज मंडलेकर ने एफआईआई दर्ज कराई हैं कि शादी समारोह कार्यक्रम चल रहा था। जहां पर देवराम मंडलेकर और समाज के लोगों के साथ हम खाना खा रहे थे। तभी देवराम मंडलेकर जोर जोर से गालियां दे रहा था जो सुनने में बुरी लग रही थी। उसे गाली देने से मना किया तो मुझे भी गाली गलोच कर खाने से उठकर मुझे लामा झूमी करने लगा। उतने में उसका लडका गोयल मंडलेकर आया और मुझे पास में रखी ईंट का टुकड़ा उठाकर सिर पर मार दिया। जिससे मुझे सर पर चोट लगी है और धमकी दिया कि मुझसे उलझा तो साले अभी तुझे जान से खत्म कर देता हूं धमकी दिया। वहीं देवराम मंडलेकर ने एफआईआई में दर्ज कराया है कि शादी समारोह में पंकज मंडलेकर और नीरज मंडलेकर दोनो आए और पुरानी रंजिश को लेकर गालियां दिये और मुझे प्लास्टिक की कुर्सी उठाकर मेरे सर पर और चेहरे पर मारकर मुझे जमीन में पटक दिए और जान से मारने की धमकी दिए। उस समय बीच बचाव करने सत्यप्रकाश मंडलेकर आया तो उसे भी गालियां दिए और जान से मारने की धमकी दी। इसमें रामपायली पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६ बी,११५ (५),३५१ (२),३ (५) के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है।

रामपायली निवासी सरस्वती जायसवाल का निधन

पद्मेश न्यूज। रामपायली। रामपायली निवासी समाजसेवी मृदुभाषी मिलनसार सरस्वती रामस्वरुप जायसवाल का बीती रात्रि ८२ वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया। उन्होंने अपने पीछे रविकांत जायसवाल, शिवकांत जायसवाल, चंद्रकांत जायसवाल, सूर्यकांत जायसवाल, शशिकांत जायसवाल सहित भरा पूरा परिवार छोड़ा है। उनका अंतिम संस्कार २१ जनवरी को अमलीडीह रायपुर के मोक्षधाम में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति और पीड़ित परिवार को दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। सरस्वती रामस्वरुप जायसवाल के निधन पर प्रमोद खंडेलवाल, संजय वैद्य, सुदेश सोनी, अजय बिसेन, नागेंद्र सिंह परिहार, केवल शिवहरे, अविनाश कापरे, आलोक यादव, संदीप बाघमारे, पुरुषोत्तम अग्रवाल, विजेंद्र दास वैष्णव, गौरव रघुवंशी, शैलेन्द्र तिवारी, अब्दुल कलीम, गौरीशंकर सार्वे, थानसिंह पटले, जगदीश बंसोड़, तेजप्रताप बिसेन, प्रशांत सिंह बैस, अमित सिंह बैस, राजा खान सहित अन्य ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

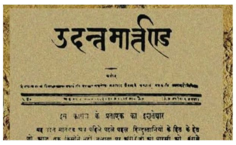

सही मतदाता साबित करने का अवसर मिले

निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के संदर्भ में एक सबसे अहम अपेक्षा यह रही है कि इसे पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए। कई तरह के विवादों के बीच विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई एक प्रमुख मांग भी यही है। इस मसले पर निर्वाचन आयोग की यही दलील रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य अपात्र लोगों को बाहर करना है। इसमें स्थान बदलने वाले लोगों से लेकर वैसे लोग भी शामिल होंगे, जिनकी मौत हो चुकी है। इस घोषित मकसद से किसी को आपत्ति नहीं होगी, लेकिन अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूची से जितनी बड़ी तादाद में लोगों के नाम बाहर होने की खबरें आई हैं, उसे लेकर कई सवाल उठे हैं। इसकी जड़ में मुख्य कारण इस समूची प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं किया जाना हो सकता है और इसीलिए आम नागरिकों के बीच तमाम आशंकाएं उभरीं। अगर एसआइआर की प्रक्रिया को शुरू से आखिर तक पूरी तरह पारदर्शी बनाने की व्यवस्था की जाती, तो संभवत: अनावश्यक विवाद नहीं खड़े होते।

अब सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस समूची कवायद में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए मतदाताओं का सत्यापन पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हो और इससे लोगों को अनावश्यक तनाव तथा असुविधा न हो। गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान ऐसी तमाम शिकायतें सामने आईं कि मनमाने तरीके से नागरिकों के नाम बाहर किए गए। कई जगहों पर लोगों को समय पर इसकी जानकारी भी नहीं हुई और उनका नाम मतदाता सूची से हट गया। जाहिर है, निर्वाचन आयोग की ओर से यह प्रक्रिया जिस स्तर पर चलाई गई, उसमें मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को सूचित करने और उन्हें अवसर देने को लेकर सवाल उठे। पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम, उपनाम, आयु में गड़बड़ी आदि की वजह से करीब एक करोड़ पच्चीस लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगति नोटिस जारी किया था। इस संदर्भ में शीर्ष अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह किसी भी तरह की गड़बड़ी वाली मतदाता सूची को ग्राम पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक तौर पर लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके।

सवाल है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को पूरी तरह पारदर्शी बनाने का जो काम निर्वाचन आयोग को अपनी प्रक्रिया में प्राथमिक स्तर पर खुद ही अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए था, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। तार्किक विसंगति के दायरे में आए सभी नामों को सार्वजनिक करने के अलावा मतदाता सूची में नाम होने के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल करने को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था। सच यह है कि बिहार सहित देश के जिन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया संचालित की गई, वहां सबसे अहम सवाल पारदर्शिता को लेकर ही उठे। इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि चुनाव प्रक्रिया में कोई भी अवैध रूप से हिस्सा न ले और सिर्फ पात्र लोगों को ही मतदान का अधिकार मिले। मगर यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सभी पात्र लोगों को खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी अवसर और सुविधा मिले, ताकि वह मतदान के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न हो।

अदालत : साबित करना होगा कृत्य जाति के आधार पर अपमानित करने के लिए किया गया

गाली-गलौज वाली भाषा अपराध नहीं

- विवेक करगेती

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल अपमानजनक या गाली गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल अपने आप में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस कानून के तहत अपराध के दायरे में आने के लिए यह साबित होना चाहिए कि वह कृत्य किसी व्यक्ति को उसकी जाति के आधार पर अपमानित करने के विशेष इरादे से किया गया हो।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि केवल यह तथ्य कि पीड़ित अनुसूचित जाति या जनजाति से संबंधित है, यह पर्याप्त नहीं है। पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए एक अपीलकर्ता के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। अदालत ने पाया कि न तो प्राथमिकी और न ही आरोपपत्र में यह आरोप था कि अपीलकर्ता ने किसी जाति आधारित अपमान या धमकी का कृत्य किया। शीर्ष अदालत पटना हाईकोर्ट के 15 फरवरी 2025 के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के समन आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया था। आरोप था कि आंगनवाड़ी केंद्र में हुई एक घटना के दौरान शिकायतकर्ता (अनुसूचित जाति) के साथ जातिसूचक गालियां दी गईं और मारपीट की गई।

शीर्ष कोर्ट ने पाया, आरोप अस्पष्ट और सामान्य अपीलकर्ता पर भारतीय दंड संहिता की धाराएं 341, 323, 504, 506, 34 तथा एससी/एसटी कानून की धारा 3(1) (आर) और 3(1) (एस) के तहत आरोप लगाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आरोप अस्पष्ट और सामान्य हैं और किसी विशेष आपराधिक कृत्य का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। अदालत ने धारा 3(1) (आर) की व्याख्या करते हुए कहा कि इस अपराध के लिए दो शर्तें अनिवार्य हैं। पहली, शिकायतकर्ता का अनुसूचित जाति या जनजाति का सदस्य होना और दूसरी, अपमान या धमकी केवल उसकी जातिगत पहचान के कारण दी गई हो।

जाति के नाम से गाली देना स्पष्ट होना चाहिए

इसी तरह धारा 3 (1) (एस) के संदर्भ में अदालत ने कहा कि आरोपों में यह स्पष्ट होना चाहिए कि जाति के नाम से सार्वजनिक रूप से गाली दी गई और वह गाली जाति को नीचा दिखाने के इरादे से दी गई हो। इन तथ्यों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्राथमिकी और आरोपपत्र में ऐसा कोई संकेत नहीं है जिससे यह साबित हो कि अपीलकर्ता का कृत्य जाति आधारित अपमान से प्रेरित था। लिहाजा शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए अपील स्वीकार कर ली और अपीलकर्ता के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को समाप्त कर दिया।

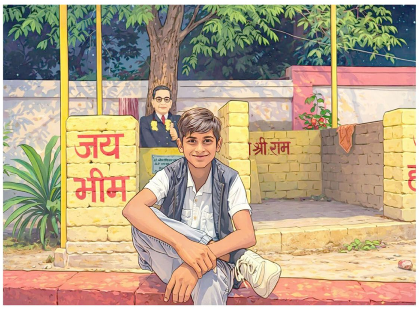

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों एक जनहित याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को पिछले पांच वर्षों के आयकर रिटर्न और आय के स्त्रोत का शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने पहली नजर में यह माना कि याचिका तुच्छ है और इसे जनहित की आड़ में प्रचार पाने के उद्देश्य से दायर किया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में असफल रहा तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। पीठ ने टिप्पणी की कि अदालत ऐसे मामलों में सख्ती बरतने से पीछे नहीं हटेगी, जहां जनहित याचिका का दुरुपयोग किया जाता है। यह याचिका साबू स्टीफन द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ दायर की गई थी। याचिकाकता इस मामले में खुद अदालत के समक्ष पेश हुआ। सुनवाई के दौरान कोर्ट को याचिका के तथ्यों और उसके उद्देश्य पर गंभीर संदेह हुआ।

कोर्ट ने कहा कि जनहित याचिकाएं समाज के कमजोर वर्गों को न्याय दिलाने और सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए होती हैं न कि व्यक्तिगत प्रसिद्धि या प्रचार का माध्यम बनने के लिए। अदालत ने कहा कि बड़ी संख्या में दाखिल हो रही निराधार जाहिर याचिकाएं न्यायिक समय की बर्बादी हैं।

दूसरा पहलू

जाति-आधारित गालियों का इतिहास भारतीय समाज में गहरे सामाजिक भेदभाव और पदानुक्रम से जुड़ा है, जहाँ निचली जातियों को अपमानित करने और उन्हें बहिष्कृत करने के लिए इन शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, जो सदियों से चली आ रही जातीय वर्चस्व की मानसिकता का हिस्सा हैं; ये गालियाँ सामाजिक नियंत्रण और अलगाव के उपकरण के रूप में काम करती हैं, जिससे पीड़ितों के आत्म-सम्मान और अवसरों को नुकसान पहुँचता है, और यह समस्या आज भी स्ष्ट/स्ज्ञ एक्ट जैसे कानूनों के बावजूद बनी हुई है, जैसा कि विभिन्न अध्ययनों और अदालती फैसलों से पता चलता है।

इतिहास और जड़ें

प्राचीन परंपरा- गालियों का उपयोग भारतीय समाज में प्राचीन काल से होता रहा है, लेकिन जाति-आधारित गालियों का उद्भव और प्रसार जाति व्यवस्था के साथ गहरा जुड़ा है, जहाँ विभिन्न समुदायों के लिए अपमानजनक शब्द गढ़े गए।

सामाजिक वर्चस्व- इन गालियों का मुख्य उद्देश्य हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेषकर दलितों, को नीचा दिखाना, उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग करना और उन्हें हीन साबित करना था, जिससे उच्च जातियाँ अपना वर्चस्व बनाए रख सकें।

जाति-आधारित कलंक (Stigma)- ये गालियाँ सामाजिक कलंक (stigma) का एक रूप हैं, जो व्यक्ति के आत्म-सम्मान को धीरे-धीरे मिटाती हैं और उन्हें समाज में संसाधनों और अवसरों से वंचित करती हैं।

कैसे काम करती हैं ये गालियाँ (उदाहरण)-

व्यवसाय और पहचान- कई गालियाँ किसी विशेष जाति के पारंपरिक व्यवसाय (जैसे 'चमार', 'जुलाहा') या उनके नाम से जुड़ी होती हैं, जैसे 'चमार', 'चमाइन', 'कुजड़ीन', जिन्हें अपमानजनक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

अपमान और बहिष्कार- सवर्ण समुदाय अक्सर दलितों को अपमानित करने के लिए इन शब्दों का इस्तेमाल करते थे, जिससे उन्हें गाँव के बाहर रहना पड़ता था, सवर्णों के साथ भोजन करने या उनके रास्तों पर चलने से रोका जाता था।

कानूनी और सामाजिक पहलू

SC/ST अधिनियम- भारतीय कानून (स्ष्ट/स्ज्ञ अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) में जाति के आधार पर गाली देना या अपमानित करना एक अपराध है, लेकिन फिर भी इसका प्रयोग होता है।

आधुनिक संदर्भ-आज भी इन गालियों का प्रयोग सामाजिक गतिशीलता और समानता के मार्ग में बाधा डालता है, जिससे हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए सम्मान और बराबरी हासिल करना मुश्किल हो जाता है।

संक्षेप में, जाति-आधारित गालियाँ सिर्फ़ शब्द नहीं, बल्कि भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव और असमानता की गहरी ऐतिहासिक और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब हैं, जो शक्ति और नियंत्रण के लिए इस्तेमाल होती रही हैं।

-बुकर टी वाशिंगटन

जो व्यक्ति धैर्य रखना सीख लेता है, वह समय के साथ अपने प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जल्दबाजी में पाई गई सफलता हमेशा खोखली होती है, जबकि लंबे संघर्ष से मिली सफलता अर्थपूर्ण होती है।

संघर्ष का सम्मान करना ही सच्ची सफलता है

सफलता का सही मूल्यांकन इस बात से नहीं किया जाना चाहिए कि कोई व्यक्ति जीवन में कितनी ऊंचाई तक पहुंचा, बल्कि इस बात से किया जाना चाहिए कि उस स्थान तक पहुंचने के लिए उसने किन कठिन रास्तों पर कदम रखा और उन बाधाओं का सामना किस धैर्य, साहस और ईमानदारी से किया। जीवन की वास्तविक महानता चमकते पदों और बाहरी प्रशंसा में नहीं, बल्कि उस आंतरिक शक्ति में छिपी होती है, जो मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य से विचलित नहीं होने देती। अक्सर लोग सफलता को धन, प्रतिष्ठा और पद से जोड़कर देखते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि ये सब अस्थायी हैं। स्थायी वही होता है, जो मनुष्य अपने संघर्षों से अर्जित करता है-जैसे चरित्र, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास। जब परिस्थितियां प्रतिकूल हों, संसाधन सीमित हों और राह कठिन दिखाई दे, तब भी जो व्यक्ति सीखने की ललक और परिश्रम के प्रति अडिग संकल्प को जीवित रखता है, वही अपने लिए मार्ग स्वयं बनाता है।

जीवन का सबसे बड़ा सुख किसी ऊंचे ओहदे पर पहुंचने में नहीं, बल्कि उस कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने में है, जिसे करने की जिम्मेदारी हमें सौंपी गई है। कोई भी काम छोटा नहीं होता, यदि उसे सच्चे मन से किया जाए। सच्ची सफलता का आधार अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि वह निरंतर प्रयास होता है, जो व्यक्ति बिना थके, बिना शिकायत किए करता है। इसीलिए, मनुष्य के जीवन में शिक्षा का विशेष स्थान है, पर शिक्षा का अर्थ केवल पुस्तकों का ज्ञान या डिग्रियों का संग्रह नहीं होना चाहिए। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों का सामना करने योग्य बनाना है। जब मनुष्य संघर्षों के बीच सीखता है, तभी उसका चरित्र मजबूत होता है और आत्मविश्वास विकसित होता है। वह शिक्षा अधूरी है, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनना न सिखाए। कोई भी व्यक्ति तब तक वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र नहीं हो सकता, जब तक वह आत्मनिर्भर नहीं बनता। जो व्यक्ति अपने श्रम और प्रयास से आगे बढ़ता है, वही सफलता का स्वाद चखता है। दूसरों पर निर्भर रहकर प्राप्त की गई उपलब्धियां न तो स्थायी होती हैं और न ही संतोषजनक । महान वे नहीं होते, जिन्हें जीवन में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा, बल्कि वे होते हैं, जिन्होंने कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ने का साहस दिखाया।

एक और बात, बाधाएं हमारे मार्ग की शत्रु नहीं, बल्कि हमारे धैर्य, संकल्प और शक्ति की परीक्षा लेने वाली सीढ़ियां होती हैं। प्रत्येक बाधा हमें पहले से अधिक मजबूत, अनुभवी और विनम्र बनाती है। जल्दबाजी में प्राप्त की गई सफलता खोखली होती है, जबकि संघर्ष, परिश्रम और आत्मविश्वास से अर्जित सफलता स्थायी व अर्थपूर्ण होती है। सच्ची सफलता वही है, जो हमें भीतर से मजबूत बनाए, हमारे चरित्र को ऊंचा उठाए और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

सूत्र - स्वाभिमानी बनें

जो मनुष्य विपरीत हालात में भी अपने नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करता, वही आगे बढ़ता है। बाहरी पहचान क्षणिक होती है, पर आत्मबल और स्वाभिमान स्थायी पूंजी हैं। कठिन समय ही वह विद्यालय है, जहां विवेक और धैर्य का निर्माण होता है। प्रत्येक चुनौती छिपा हुआ अवसर होती है, जो आत्मविकास का मार्ग खोलती है।

सियासत : दोनों राज्यों में तनातनी का दौर

तमिलनाडु-केरल : राज्यपालों व सरकारों में तनातनी

-संकल्पना सिन्हा

तमिलनाडु और केरल में राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच तनातनी एक बार फिर बढ़ गई है। मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल विधानसभा में साल के पहले सत्र के दौरान अपना परंपरागत अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से बाहर चले गए। वहीं, केरल में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्यपाल पर आरोप लगाया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण को उन्होंने पूरी तरह नहीं पढ़ा। दोनों राज्यों में यह टकराव शक्तियों के बंटवारे, संवैधानिक भूमिकाओं और केंद्र-राज्य संबंधों के इर्द-गिर्द घूमता है, जहां राज्यपालों पर केंद्र के इशारे पर काम करने और राज्य सरकारों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के आरोप लगते हैं।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि राज्य विधानसभा में साल के पहले सत्र के दौरान मंगलवार को अपना परंपरागत अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से बाहर चले गए। उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कणगम (द्रमुक) सरकार द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण में कथित तौर पर भ्रामक दावे किए जाने के कारण ऐसा किया। रवि के 2021 में राज्यपाल बनने के बाद से इस तरह का यह उनका चौथा वाकआउट है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल के इस कदम की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह उच्च पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है और यह सदन का अपमान है। उन्होंने कहा, राज्यपाल ने नियम, परंपरा और आचार का उल्लंघान कर यह वाकआउट किया, जो स्वीकार्य नहीं है। स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन कर-के राज्यपाल के साल की शुरुआत में अभिभाषण देने के प्रावधान को हटाने का प्रयास करेगी। उन्होंने विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें कहा गया कि केवल सरकार द्वारा तैयार किया गया अभिभाषण ही आधिकारिक रिकार्ड में जाएगा। स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल का यह व्यवहार तमिल लोगों की भावनाओं के खिलाफ है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन करने का प्रयास करेगी ताकि वर्ष की शुरुआत में राज्य विधानसभा को राज्यपाल के अभिभाषण को अनिवार्य बनाने वाले प्रावधानों को सके।

तमिलनाडू के राज्यपाल आर एन रवि ने मंगलवार को विधानसभा में द्रमुक सरकार द्वारा तैयार परंपरागत अभिभाषण पढ़ने से इसलिए इनकार कर दिया, क्योंकि उसमें कई अप्रमाणित दावे और भ्रामक बयान शामिल थे। लोकभवन ने यह दावा किया। राज्यपाल के सदन से बाहर निकलने के तुरंत बाद विधानसभा में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा पेश एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें कहा गया कि केवल सरकार द्वारा तैयार परंपरागत अभिभाषण ही आधिकारिक रिकार्ड में दर्ज किया जाएगा। इसके कुछ ही देर बाद लोकभवन ने सदन के भीतर हुई घटनाओं को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए एक बयान जारी किया। लोकभवन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया। साथ ही जनता को परेशान करने वाले कई अहम मुद्दों को पूरी तरह अनदेखा किया गया। राज्यपाल परंपरागत अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने की मांग कर रहे थे, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि परंपरा के अनुसार शुरुआत में तमिल थाई वाज्यु और अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है।

तमिलनाडु के राज्यपाल विधानसभा में साल के पहले सत्र के दौरान अपना परंपरागत अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से बाहर चले गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल के इस कदम की कड़ी निंदा की।

केरल में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का राज्यपाल पर आरोप, राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। राज्यपालों पर केंद्र के इशारे पर काम करने और राज्य सरकारों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के आरोप अक्सर लगते रहते हैं।

सदन से वाकआउट नया नहीं

इससे पहले वर्ष 2022 में राज्यपाल आरएन रवि ने अपना पहला अभिभाषण पढ़ा था, तब मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के विधायकों ने वाकआउट किया था। था। इसके अगले साल, रवि अचानक सदन से से बाहर चले गए, जबकि मुख्यमंत्री स्टालिन ने सरकार द्वारा तैयार किए गए पाठ को नहीं पढ़ने का उल्लेख किया और राज्यपाल ने द्रविड़ शासन प्रणाली जैसे संदभों से परहेज किया। रवि ने 2024 में द्रमुक द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण को पढ़ने से इनकार कर दिया। बाद में लोकभवन ने इस अभिभाषण को भ्रामक और सत्य से दूर बताते हुए कहा कि इसे पढ़ना संवैधानिक विडंबना होती। 2025 में उन्होंने अभिभाषण पढ़े बिना %वाकआउट% किया और लोकभवन ने कहा था, अभिभाषण की शुरुआत में जब राष्ट्रगान नहीं गाया गया या नहीं बजाया गया, तो राज्यपाल ने सदन को उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से राष्ट्रगान बजाने की अपील की। रवि 18 सितंबर 2021 को तमिलनाडु के 26वें राज्यपाल बने थे और द्रमुक 10 साल के बाद उस वर्ष सत्ता में आई थी।

केरल में मुख्यमंत्री व लोक भवन का एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप

केरल में मंगलवार को तब विवाद उत्पन्न हो गया जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन समाप्त करने के तुरंत बाद आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। इसके जवाब में लोक भवन ने दावा किया कि राज्यपाल के सुझावों को मूल मसविदों से हटा दिया गया था। आर्लेकर के दो घंटे लंबे नीतिगत भाषण के समाप्त होने और सदन से चले जाने के बाद, विजयन ने विधानसभा को बताया कि राज्यपाल ने भाजपा शासित केंद्र की राजकोषीय नीति की आलोचना करने वाले अंशों और लंबित विधेयकों के संदर्भों सहित कई अंशों को छोड़ दिया था। इसके कुछ देर बाद ही लोक भवन ने विवाद को अनावश्यक और निराधार बताया और दावा किया कि राज्यपाल ने भाषण के मसविदे से अर्ध-सत्य तथ्यों को हटाने का अनुरोध किया था। जबकि सरकार ने जवाब दिया था कि राज्यपाल द्वारा उचित समझे जाने वाले संशोधनों के साथ भाषण तैयार किया जा सकता है और पढ़ा जा सकता है।

उम्मीद है कि सरकार आगामी बजट में देश के ग्रामीण बाजारों के विकास और उन्हें रफ्तार देने के समुचित प्रावधान करेगी।

नई ऊंचाई पर ग्रामीण बाजार

एक फरवरी को वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत छोटे किसान, कृषि और ग्रामीण विकास के लिए बेहतरी के संकेतों तथा विकसित भारत जी-राम-जी कानून के लागू होने से ग्रामीण बाजारों के मजबूत होने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। साथ ही, ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करने में देश की अर्थव्यवस्था के लिए ग्रामीण बाजारों की नई अहम भूमिका होगी।

उल्लेखनीय है कि भारत के ग्रामीण बाजारों पर प्रकाशित हो रही रिपोटों के मुताबिक, भारत में ग्रामीण बाजार शहरी बाजारों की तुलना में तेजी से बढ़ रहे हैं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) की रिपोर्ट के अनुसार, जहां शहरी बाजारों में यात्री वाहनों की बिक्री आठ फीसदी बढ़ी, वहीं ग्रामीण इलाकों में इसमें 12 फीसदी की वृद्धि हुई। 2024 में 41 लाख वाहनों की तुलना में वर्ष 2025 में ग्रामीण बाजारों में कुल 44.7 लाख यात्री वाहन बिके। भारत के ग्रामीण परिवेश से संबंधित कई अन्य रिपोटों से स्पष्ट हो रहा है कि सरकार की योजनाओं से किसानों की आमदनी बढ़ने से गांवों में खपत बढ़ रही है, जिससे ग्रामीण बाजार को रफ्तार मिल रही है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा, दोनों में बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक, 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। सर्वे के अनुसार, अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में खपत इतनी तेज रफ्तार से कभी नहीं बढ़ी। निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है, जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती व गैर-खेती, दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। औपचारिक स्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा भी बढ़ा है।

हाल ही में जारी विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण सुधार, बेहतर कृषि उत्पादन, ग्रामीण वेतन वृद्धि, ग्रामीण उपभोग में बढ़ोतरी तथा कर सुधार जैसे घटकों के दम पर भारत के ग्रामीण बाजार तेजी से आगे बढ़े हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे व सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती दे रही है। पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनका आर्थिक सशक्तीकरण किया जा रहा है। किसानों को औपचारिक ऋण से जोड़ने के मद्देनजर गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर

फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। सरकार ने बीते 11 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली सब्सिडी और फसल बीमा की राशि को तेजी से बढ़ाया है। किसान डिजिटल पेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024-25 में भारत में रिकॉर्ड 37.7 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है तथा देश का कुल कृषि निर्यात 50 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है।

केंद्र सरकार अब विकसित भारत जी-राम-जी कानून के तहत ऐसे मॉडल की स्थापना करने जा रही है, जिससे ग्रामीण स्तर पर विकास कार्यों की दिशा तय हो। जिन चार प्राथमिकताओं का जिक्र किया गया है, उनमें जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका से जुड़े बुनियादी ढांचे और मौसमी घटनाओं के लिए विशेष कार्य शामिल हैं। इनके तहत रोजगार और विकास कार्यों के क्षेत्र भी सुनिश्चित किए गए हैं। पर हमें अभी भी ग्रामीण बाजारों के विकास और किसानों की आमदनी में वृद्धि के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। छोटे व सीमांत किसान अब भी आधुनिक खेती की तकनीक अपनाने में असमर्थता का अनुभव कर रहे हैं। अब भी ग्रामीण जनजीवन के करीब 22 फीसदी लोगों की कर्ज के लिए साहूकारों और अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में, ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाना होगा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की भूमिका को प्रभावी बनाना होगा। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का विस्तार करके छोटे किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ानी होगी।

-जयंतीलाल भंडारी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दाल मिलों की लेवाली से बुधवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार उछले। चने व मसूर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में बड़त रही। तिलहनों में सोयाबीन चमक पर रहा। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में पूछपरख से बाजार बड़त पर रहे। तुअर निमाड़ी अच्छे मालों में 7150 रू. प्रति क्विंटल पर रही। चना 5800-5850 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। खाद्य तेलों में बड़त कायम रही। तिलहनों में सोयाबीन पूछपरख से चमक गया। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4020, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1260-1270, सोया रिफाइंड 1320-1325, कपास्या 1265, धूलिया 1270, कड़ी 1270,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575-1600, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1350,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7400, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5000-5200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5000-5200, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7100-7150, एवरेज 6800-6900, हल्की 6500-6700, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को पुनः स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार उछाल पर बने रहे। सोना बड़कर अब तक का सबसे उच्च स्तर 160000 रू. प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चॉंदी बाजार भी उछाल पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 320000, चॉंदी (99) 319000, टंच 318000, सिक्का 3200, सोना 10 ग्राम 160000,

रुपया अब तक के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 63 पैसे की गिरावट के साथ ही अपनी सबसे निचले स्तर 91.60 पर बंद हुआ। आज रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। सुबह शुरुआत में रुपया 91.28 प्रति डॉलर पर खुला पर कुछ समय बाद ही इसमें गिरावट आई और यह 91.38 के स्तर तक खिसक गया। इस तरह रुपया दिसंबर में बने अपने पिछले सबसे निचले स्तर से भी नीचे आ गया। यह लगातार छठा कारोबारी दिन है जब रुपए में इतनी गिरावट दिखी है। रुपए पर दबाव का मुख्य कारण डॉलर का मजबूत होना रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी सरकार के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से टकराव की आशंका से भी आई है। इससे घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है क्योंकि निवेशकों ने दूरी बरतना जारी रखा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 270.84 अंक टूटकर 81,909.63 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 75 अंक नीचे आकर 25,157.50 पर बंद हुआ। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, डिफेंस, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स के शेयर नीचे आये। इन सभी में 1.66 फीसदी की गिरावट रहीं। वहीं दूसरी ओर धातु, ऑयलएंडगैस, इन्फ्रा, एनर्जी और कमोडिटीज के शेयरों में खरीददारी हावी रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 661.70 अंक नीचे आकर 57,423.65 और निफ्टी स्मॉलकैप

इंडेक्स 149.85 अंक नीचे आकर 16,551.20 पर रहा। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे जबकि आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, त सुजुकी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे। बाजार में बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में बढ़ने वाले शेयरों की संख्या 1,437 और गिरने वाले शेयरों की संख्या 2,831 और 137 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। इससे पहले आज सुबह गिरावट पर खुला। सुबह सेंसेक्स 81,794 अंक पर खुला। सुबह यह 92.99 अंक बढ़कर 82,273.46 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी 25,141 अंक पर खुला। शुरुआत में ये 4.20 अंक की गिरावट के साथ 25,228.30 पर था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में गिरावट में रहे। इसकी कारण ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका द्वारा यूरोपीय देशों को दी गई धमकी है। इससे जापान का निक्केई इंडेक्स 0.35 फीसदी टूटा। अमेरिका ने आठ यूरोपीय देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो 1 फरवरी से मागू होगा और अगर ये ग्रीनलैंड मामले में विरोध करते रहे तो ये जून में बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा।

डिजिटल भुगतान सेवा ऐपल-पे इस साल भारतीय बाजार में कर सकती है एंट्री

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी ऐपल इंक. की डिजिटल भुगतान सेवा ऐपल-पे इस साल भारतीय बाजार में उतरने की तैयारी में है। वह यहां मौजूद प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्ड नेटवर्कों के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय बाजार में ऐपल-पे की शुरुआत इस साल के आ ?खिर तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार में औपचारिक तौर पर प्रवेश करने से पहले कंपनी को कई नियमों की मंजूरिया हासिल करना जरूरी है। ऐपल-पे सेवा चीन समेत सभी प्रमुख देशों में मौजूद है लेकिन नियमों के अनुपालन सहित कई कारणों से भारत में अब तक उसकी शुरुआत नहीं हो सकी है। ऐपल-पे गेटवे के लिए कंपनी को देश में कार्ड जारी करने वाली प्रमुख कंपनियों के साथ वाणिज्यिक करार करना होगा और फीस संबंधी मुद्दों पर बातचीत करनी होगी। ऐपल-पे असल में ऐपल पेमेंट्स सर्विसेज एलएलसी द्वारा प्रदान की जाने वाली एक सेवा है, जो ऐपल इंक. की सहायक कंपनी है। न तो ऐपल इंक. कोई बैंक है और न ही ऐपल पेमेंट्स सर्विसेज एलएलसी। ऐसे में ऐपल-पे में इस्तेमाल होने वाला कोई भी कार्ड किसी कार्ड जारीकर्ता द्वारा पेश होना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक ऐपल को वाणिज्यिक तालमेल के लिए बैंकों के साथ गठजोड़ करना होगा। उन्होंने कहा कि बैंकों को उन्हें भुगतान करना होगा। हर बार जब कोई ग्राहक ऐपल-पे को गेटवे के रूप में इस्तेमाल करेगा, तो वे कुछ फीस लेंगे। उन्होंने कहा कि ऐपल-पे ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन अनुभव है, लेकिन बैंकों के लिए इसकी एक कीमत होगी।

भारत पर लगे 50 फीसदी टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका ने जब भारत से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, तो माना जा रहा था कि भारतीय निर्यातक दबाव में कीमतें घटा देंगे, लेकिन यह गलत साबित हुआ। भारतीय निर्यातकों ने अपने दाम जस के तस रखे। घाटा उठाने के बजाय उन्होंने अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान की मात्रा ही कम कर दी। जर्मनी की नई रिसर्च बताती है कि अमेरिका जाने वाला भारतीय निर्यात 18 से 24 फीसदी तक घट गया। इसके उलट यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे दूसरे बाजारों में भारतीय निर्यात पर टैरिफ की मार नहीं पड़ी। इससे यह साफ हो गया कि टैरिफ का असर कीमतों पर नहीं बल्कि व्यापार की मात्रा पर पड़ा। रिसर्च में सबसे अहम सुराग कीमतों से मिला। अगर भारतीय निर्यातक टैरिफ का बोझ खुद उठा रहे होते, तो अमेरिका भेजे गए सामान के दाम दूसरे देशों के मुकाबले गिरते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और यूरोपीय संघ, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया को भेजे गए भारतीय सामान के दाम करीब एक जैसे रहे। इसका मतलब साफ है कि टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई। हालांकि यह तस्वीर भारत को राहत देने वाली नहीं है। दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात साल दर साल 1.83 फीसदी घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। इससे भी बड़ा झटका जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर को लगा, जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच निर्यात 44 फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कील इंस्टीट्यूट ने जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच दुनिया भर के 2.5 करोड़ से ज्यादा व्यापारिक सौदों और करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के कारोबार का विश्लेषण किया। अध्ययन में सामने आया कि वैश्विक स्तर पर लगाए गए टैरिफ का सिर्फ 4 फीसदी बोझ निर्यातकों ने झेला, जबकि पूरे 96 फीसदी की कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ी। रिपोर्ट बताती है कि भारत पर अगस्त में अचानक टैरिफ बढ़ाए गए। 7 अगस्त को 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया और 27 अगस्त को इसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए पुराने कर्जों से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा और आप बेफिजूल के खर्चों में ज्यादा बढ़ेंगे, जिससे आप अपनी आर्थिक स्थिति को कमजोर करेंगे, लेकिन शेयर मार्केट में आपको अच्छा मुनाफा होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर आपको भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। कोई सरकारी काम यदि आपका लंबे समय से पेंडिंग था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आज आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और आप अपने घर की रंगाई-पुताई की योजना भी बना सकते हैं। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा, नहीं तो बेवजह के लड़ाई-झगड़े बढ़ेंगे और आप अपने पिताजी के साथ किसी बिजनेस डील को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने रहन सहन के स्तर में सुधार लाने की कोशिश करनी होगी। आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। यदि आपने किसी परीक्षा को दिया था, उसके परिणाम आ सकते हैं, जो आपके लिए बेहतर रहेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपको यदि किसी काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आज आपकी मौज मस्ती की आदत के कारण आपकी टेंशन बढ़ेंगी। आपको किसी विरोधी की कोई बात बुरी लग सकती हैं और वह कार्यक्षेत्र में आपके खिलाफ काई रचने की कोशिश करेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और आप अपने किसी दूर रह रहे परिजन से मिलने जाने की भी प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति के प्रति के लिए रहेगा। आपका भगवान के भक्ति में खूब मन लगेगा और कोई बिजनेस डील यदि लंबे समय से अटकी हुई थी, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप उतारने की पूरी कोशिश करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपने यदि किसी बैंक से कर्जा लेने का सोचा था, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। आपको अपनी दिनचर्या को बेहतर करना होगा, इसलिए आप काम को लेकर ढील बिल्कुल ना दिखाएं। यदि आपको माताजी कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें।

वृश्चिक- आज का दिन रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उनकी अपने आसपास रहने लोगों से अच्छी जान पहचान रहेगी और बॉस भी उनके कामों से काफी खुश रहेंगे। आप अच्छे खानपान का आनंद लेगे, लेकिन इसके साथ-साथ आपको अपनी पेट संबंधित समस्याओं पर पूरा ध्यान देना होगा। यदि आपने किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर की, तो बाद में आपके लिए समस्या बन सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपनी माता जी से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे और आपके रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। किसी पैतृक संपत्ति को लेकर कोई कानूनी मामला आपकी टेंशनों को बढ़ा सकता है।

मकर- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि उन्हें किसी बड़े नेता से मिलने का मौका मिल सकता है। आप अपने जीवनसाथी को शॉपिंग पर लेकर जा सकते हैं, जिसमें आप अपनी जेब का ख्याल अवश्य रखें। यदि आपने किसी से मांगकर वाहन चलाया, तो कोई दुर्घटना हो सकती है, इसलिए इन कामों में नहीं पड़े, तो बेहतर रहने वाला है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में योजनाओं में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे और आपको किसी पुराने इन्वेस्टमेंट से भी अच्छा लाभ मिल सकता है। जीवनसाथी को नौकरी में प्रमोशन आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको अपने काम को लेकर पूरी मेहनत करनी होगी, जिससे आपको और भी अच्छी सफलता मिल सके।

मीन- आज आप किसी नए वाहन की खरीदारी की आप योजना बना सकते हैं। आपको किसी काम को लेकर पूरी मेहनत दिखानी होगी। विद्यार्थी यदि किसी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित समस्या को लेकर परेशान है, तो वह अपने गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। यदि आपने किसी से धन उधार लेने की सोचा है, तो कुछ समय के लिए रुक जाएं।

शब्दजाल - 8148

शब्दजाल में 'हेमा मालिनी' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

क्रांति,ड्रीमगर्ल,बगावत,रजिया सुल्तान, शोले, सीता और गीता,सत्ते पे सत्ता, राजपूत,द बर्निंग ट्रेन,कयामत

र	क	ल	ड्री	म	ग	र्ल	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	वा
त	स	या	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	ख	द
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	र	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	ज	तू	गी	झ	र्निं
स	क	व	प	ह	न	पू	ना	ता	घ	ग
त्ते	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल - 8147 का हल

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7092

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7091

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 22 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 14.27 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 17.38 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 14.41 बजे तदनन्तर विष्टि 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 3.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 43' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872597 **जूलियन दिन** 2461062.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी, गणेश जयंती, रामलला प्रतिष्ठा दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.04 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	09.37 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	11.07 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.45 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.59 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.27 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.38 बजे से
		वृश्चिक	01.52 ब.से
		धनु	04.08 बजे से
		मकर	06.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पाप और पुण्य

यह घटना सन 1899 की है ।उन दिनों कोलकाता में प्लेग फैला हुआ था। शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जहां यह बीमारी न पहुंची हो। तकरीबन हर घर में कोई न कोई प्राणी इस बीमारी से पीड़ित था। घर के सभी सदस्य अपने मरीजों की तीमारदारी में जुटे हुए थे और खुद को इस महामारी की चपेट में आने से बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे थे। पर उन दिनों प्लेग की महामारी बढ़ती रही जिससे अनेक लोगों की असमय ही मौत हो रही थी। इससे चारों तरफत्राहि-त्राहि मच गई। जिस घर में किसी की मृत्यु होती थी, वहां चीख-पुकार मच जाती थी। सभी परेशान थे। ऐसी विकट स्थिति में भी स्वामी विवेकानंद और उनके कई शिष्य रोगियों की सेवा-सुश्रुषा में जुटे हुए थे। वे अपने हाथों से नगर की गलियां और बाजार साफकरते थे और जिस घर में प्लेग कोई मरीज होता था, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते थे। साथ ही वे उनके परिवारजनों को सांत्वना भी देते थे। उसी दौरान कुछ लोगों की मंडली स्वामी विवेकानंद के पास आई। मंडली का मुखिया उनसे बोला, 'स्वामीजी, इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है, इसीलिए प्लेग की महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। पर आप ऐसे लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।' मंडली के मुखिया की ऐसी बातें सुनकर स्वामी जी गंभीरता से बोले, 'सबसे पहले तो मैं आप सब विद्वानों को नमस्कार करता हूं।' इसके बाद स्वामी जी बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है ।ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है । अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो हमारे जो सेवक और कार्यकर्ता इन लोगों की मदद कर रहे हैं वे तो पुण्य के भागी बन रहे हैं। अब बताइए कि इस संदर्भ में आपको क्या कहना है?' स्वामी विवेकानंद की बात सुनकर उस मंडली के सभी लोग भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

सूडोकु नवताल- 7401

★★★✫✩ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7400 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 8616

बाएँ से दाएँ

1. अँगरखा-4
3. मान-सम्मान,इज्जत-3
5. शुभाशींवाद,नियामत-4
8. केश-2
10. कसम,प्रतिज्ञा,वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँड़ी,स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम,केश-2
20. अधिकार,आरोप-2
21. सतह,स्तर,पटल-2
23. लूटपाट,डाका-4
25. सभ्यीकरण,विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा,विचित्र,विलक्षण-3
2. नया,नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन,प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढ़ेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल,कालकोठरी-4
18. शोर,ध्वनि,कंपन्न-3
20. ताप,शवदाह-2
22. यज्ञ,आहुति दान-3
23. रहस्य-2
24. जल, पानी-3

शब्द पहेली -8615 का हल

	अ	न	ब	न		सौ		
	प		री		स	त	ल	ज
शि	रा	फ		द	म	न		ल
	ध	र	ती		झ		रा	ज
फि		क	मा	नी	दा	र		ला
त	न्हा		र		र	ह	म	
र		म	दा	री		ना	र	द
त	र	का	री		जा		घ	
		न		प	न	घ	ट	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भिमोड़ी में हुआ बाल विवाह के विरुद्ध जन-जागरुकता कार्यक्रम

बाल विवाह मुक्त भारत की ली शपथ

पद्मेश न्यूज। लांजी।

कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी व केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा के नेतृत्व में मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में बाल विवाह के विरुद्ध जन-जागरुकता बाल विवाह मुक्त भारत हेतु 100 दिवसीय अभियान (27 नवंबर 2025 से 8 मार्च 2026 तक) के तहत विभिन्न स्थानों पर महिला एवं बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी कड़ी में 20 जनवरी 2026 को ग्राम पंचायत भिमोड़ी में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 व 2 के कार्यकर्ता व सहायिकाओं की उपस्थिति में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को अधिकारों, आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, शिक्षा, एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संबंधित प्रमुख अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा की गई घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 अंतर्गत घरेलू हिंसा में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं भावनात्मक हिंसा शामिल है। पीड़िता हेतु रहने का अधिकार, सुरक्षा आदेश, भरण-पोषण एवं आपातकालीन सहायता का प्रावधान अधिनियम अंतर्गत दिया जाता है। शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोटेक्शन ऑफिसर, पुलिस, या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम में ग्रामीण बालिकाओं, महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई।मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में (महिलाओं के विकास एवं ज्ञान आधारित उन्नति के लिए सहयोग अंतिम पड़ाव तक पहुँच और क्षमता विकास के प्रयास, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930, महिलाओं के केन्द्रीय कानून (घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005), कार्यस्थल पर महिलाओ का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) 2013, दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम (1961), मिशन वात्सल्य, बाल विवाह निषेध अधिनियम (2006), लैंगिक अपराधों से बच्चो का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम (2012), गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (1994), मेडिकल टर्मिशन ऑफ़ प्रेगनेंसी (एमटीपी),, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, बाल विवाह से रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा, धीरज वाहने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रधानाचार्य अशोक कुमार अस्तने, प्रेमेश्वरी अस्तने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उमाचरण रामटेके, हिरण कलपुरे, हिना कलपुरे, डिलेश्वरी कलपूरे, मनीषा, अमृता, प्रियांशी घोरमारे, आरती कलपुरे, पलक अस्तने, लिलम वैष्णव, माही अस्तने, ऑचल बम्बुरे, भूमि बड़घैया, बीरज, सरस्वती, सती बम्बुरे आदि महिलाएं उपस्थित थे।

बेलगांव में आनंद उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

वनांचल ग्राम बेलगांव, देवरबेली के बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद क्षेत्र में आनंद उत्सव कार्यक्रम का आायोजन 14 जनवरी से 24 जनवरी तक जारी है जिसके तहत जनपद पंचायत क्षेत्र के वनांचल क्षेत्र की दो ग्राम पंचायतों में बड़े ही हर्षोल्हास एवं पारंपरिक सांस्कृतिक रूप आनंद उत्सव 2026 का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जनपद क्षेत्र में विभिन्न क्लस्टरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित रूपरेखा के अनुसार जनपद की तीन-तीन ग्राम पंचायतों का समूह बनाकर क्लस्टर मुख्यालय की पंचायत में 14 जनवरी से 24 जनवरी के मध्य खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 21 जनवरी को ग्राम पंचायत बेलगांव के शासकीय शाला प्रांगण में बेलगांव क्लस्टर आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बेलगांव एवं देवरबेली अंतर्गत शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान कबड्डी, खो-खो, रस्साकस्सी, पिट्ठू, बोरा दौड़, चम्मच दौड़, नींबू दौड़ सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं दूसरी ओर संगीत, लोकगीत, लोकनृत्य, भजन, गायन, कीर्तन एवं नाटक जैसी पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत बेलगांव सरपंच सुमित्रा लक्ष्मीचंद आचरे, देवरबेली सरपंच सुरेन्द्र सिंह मरावी, जनपद सदस्य महेश चौधरी, विद्यालय प्राचार्य शैलेन्द्र चौधरी, सचिव बरसाती परते, प्रेमलाल मात्रे, राजेंद्र सिंह धुर्वे, सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मीचंद आचरे, शहीद अली, भूतपूर्व सरपंच अंतूलाल आचरे, श्रीमती सूतकुंवर मरकाम सहित समस्त शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। आनंद उत्सव कार्यक्रम ने ग्रामीण क्षेत्र में लोक संस्कृति, खेल भावना एवं सामाजिक सहभागिता को सशक्त बनाने का सार्थक संदेश दिया।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में खेल-कूद प्रतियोगिता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

बोलेगांव, बेनेगांव, भिमोडी विद्यालयों के विद्यार्थियों हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा आयोजित आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया जा रहा है जिसकी रूप रेखा के तहत जनपद क्षेत्र की तीन -तीन पंचायतो का समूह गठित कर कलस्टर मुख्यालय की पंचायत में 14 जनवरी से 24 जनवरी के मध्य कार्यक्रम या खेल गतिविधियॉ आयोजित किया जाना है। जिसके तहत 21 जनवरी को ग्राम पंचायत बोलेगांव के सांदीपनि शासकीय शाला प्रांगण में आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बोलेगांव, बेनेगाव एवं भिमोडी के अन्तर्गत शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभागिता की। आनंद उत्सव कार्यक्रम के तहत कबड्डी, खोखो, रस्सा कस्सी, पीट्ठू, बोरा दौड़, चम्मच दौड, नींबू दौड़ सहित पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे संगीत, लोक संगीत, नृत्य भजन, गायन, कीर्तन, नाटक आदि एवं स्थानीय स्तर पर तय अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में ग्राम बोलेगांव सरपंच प्रतिमा अनिल भरतद्वाज, बेनेगाव सरपंच संतोष बूढ़ावने भिमोड़ी सरपंच श्रीमति चित्रलेखा पुरुषोत्तम अस्तने, सांदीपनि स्कूल प्राचार्य बीआर गुरदे, उप प्रचार्य, एवं समस्त शिक्षक गण, गणमान्य नागरिकगण एवं अन्य ग्रामीणजन ,समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। बतादे कि आनंद उत्सव कार्यक्रम विशेष तथा हम जो खेल वर्तमान समय में भुल चुके या अपनी लोक संस्कृति को भुल चुके उनसे रूबरू होने का यह पल यह कार्यक्रम है।

आनंद उत्सव कार्यक्रम के तहत खोखो, कबड्डी, पीट्ठू, रस्सा कसी, बोरा दौड़, नींबू दौड जैसे अनेको पारपंरिक खेलो के आयोजन किये जाते है ताकि बच्चो को हमारी पुरानी संस्कृति और खेल के महत्व के विषय में ज्ञात हो सके। इसी कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रमो का भी आयोजन किया जाता है जिसे लोक संस्कृति आधारिक वाद्य यंत्र एवं गीत गायन भजनों की प्रस्तुति प्रतिभागियों के द्वारा देनी होती है। हमारी संस्कृति को जीवित रखने का यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम जो कि प्रमुख रूप से एक जीवन का आनंद उत्सव है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानेगांव में हुआ आनंद उत्सव 2026 का आयोजन

क्लस्टर ग्राम भानेगांव, डोरली, मोहारा के स्कूली विद्यार्थी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत सभी पंचायतों में आनंद उत्सव 2026 का आयोजन बडे ही हर्षोल्हास, खेल कुद के आयोजन सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ किये जो रहे है। बतादे कि मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा प्रतिवर्ष यह आनंद उत्सव कार्यक्रम पंचायत स्तर पर शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के विद्यार्थियों की प्रतिभागिता करवाकर यह आयोजन करवाया जाता है। इस वर्ष भी यह आयोजन किया जा रहा है। जनपद क्षेत्र की तीन तीन पंचायतों को क्लस्टर में शामिल कर इन तीन पंचायतो का एक मुख्यालय तैयार उस पंचायत के या बडे स्कूली प्रांगण में आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 21 जनवरी को ग्राम पंचायत भानेगांव मुख्यालय में यह आयोजन हुआ जिसमे क्लस्टर अनुसार ग्राम पंचायत भानेगांव, डोरली एवं मोहारा के स्कूली विद्यार्थी शामिल होकर आनंद उत्सव अन्तर्गत विभिन्न खेलो एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता की गई। 21 जनवरी को ग्राम पंचायत भानेगांव के पीएमश्री शासकीय शाला प्रांगण में आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत भानेगांव, डोरली एवं मोहारा के अन्तर्गत शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभागिता की। आनंद उत्सव कार्यक्रम के तहत कबड्डी, खोखो, रस्सा कस्सी, पीट्ठू, बोरा दौड़, चम्मच दौड, नींबू दौड़ सहित पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे संगीत, लोक संगीत, नृत्य भजन, गायन, कीर्तन, नाटक आदि एवं स्थानीय स्तर पर तय अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में ग्राम भानेगांव सरपंच राम ठाकरे, मोहारा सरपंच प्रभुसंकर भर्रे, डोरली सरपंच श्रीमति सूकी बाई नाकतोड़े, रेवाजी करहाटकरें जनपद सदस्य, पीएम श्री स्कूल प्राचार्य चंद्रभूषण चौहान एवं समस्त शिक्षक गण, गणमान्य नागरिकगण एवं अन्य ग्रामीणजन ,समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों एवं नागरिक गणो ने इस आयोजन की सराहना करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा आयोजित यह आनंद उत्सव कार्यक्रम प्रशंसनीय है इससे हमारे बच्चे, युवा गण उन सभी खेलो के बारे में सीख पायेंगे या खेल पायेंगे जो कि हम अपने जमाने में खेला करते थे, आज के युवा पीढी बच्चे उन खेलो को भुल चुके है। पारंपरिक खेल हमारे जीवन शैली, स्वास्थ्य को भी मजबूत बनाने थे, शारीरिक रूप से बच्चे स्वस्थ और सृदढ़ बनते है साथ ही हमारी लोक संस्कृति से भी बच्चे रूबरू हो रहे है। ऐसे आयोजन हमेशा होते रहना चाहिये। वहीं बच्चो ने भी उक्त सभी खेलो एवं सांस्कृतिक गतिविधियों सहभागिता कर भरपुर आनंद प्राप्त किया।

संकल्प से समाधान नगर के वार्ड क्रमांक 13 में हितग्राही मूलक शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन नगरीय निकाय विभाग के द्वारा जारी निर्देशानुसार नगर परिषद लांजी के सभी वार्डो में संकल्प से समाधान हितग्राही मूलक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत विभागीय अधिकारी कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधियों के द्वारा वार्ड वासियों से मिलकर उनकी समस्या जानकर त्वरित निराकरण भी अनेको योजनाओं के अन्तर्गत किया जा रहा है। इसी कड़ी में 21 जनववरी को नगर परिषद लांजी के वार्ड क्रमांक 13 में संकल्प से समाधान शिविर का

आयोजन किया गया। उक्त शिविर में संबंल कार्ड हेतु 11, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना हेतु 01, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये हेतु 02 एवं मातृत्व वंदना योजना 02 ऐसे कुल 16 आवेदन प्राप्त कर अभियान अंतर्गत समय सीमा एवं नियमानुसार लाभांवित किये जाने हेतु हितग्राहियों को सूचित किया गया। उक्त आयोजन में नगर परिषद लांजी उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, वार्ड प्रभारी संजय भण्डारकर नगर परिषद लांजी, श्रीमती पदमा कर्राहे आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं वार्ड क्रमांक 13 से हितग्राहियों में हरिकिशन रामटेक्कर, श्रीमती संगीता रामटेक्कर, गौरव रामटेक्कर, श्रीमती सरिता सोनवाने, रविशंकर रामटेक्कर, संजय रामटेक्कर, अंकित कुमार बागडे, सुभाष कलपुरिया, श्रीमती सरला कलपुरिया, श्रीमती गीता रामटेक्कर, श्रीमती लता रामटेक्कर, रमेश चौहान, संजय आसटकर, जगदीश बनवारी, श्रीमती सरिका बनवारी, श्रीमती नेहा सातपुते सहित अन्य हितग्राहियों की उपस्थिती रही।

बिनोरा में आयोजित आनंद उत्सव कार्यक्रम मे बच्चों ने विभिन्न विधाओं दिखाई प्रतिभाये

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिनोरा में तीन ग्राम पंचायत , जामडी ,पानगांव और बिनोरा का संयुक्त रूप से आनंद उत्सव कार्यक्रम स्थानीय माध्यमिक शाला ग्राउंड बिनोरा मे दिनांक 21 जनवरी 2025 दिन बुधवार को बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से आयोजित किया गया। शासन की मंशानुरूप कार्यक्रम स्थानीय माध्यमिक शाला ग्राउंड बिनोरा मे आयोजित हुआ। आनन्द उत्सव कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से 100 मी दौड़, कबड्डी,आलु रस्सा कस्सी, बोरा दौड़, , सुई धागा दौड़, कुर्सी दौड़ के अलावा गीत गायन, डांस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे प्रतिभागी बच्चों द्वारा अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के जौहर दिखलाए। वंही बच्चों को पारितोषिक भी प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच ग्राम पंचायत बिनोरा श्रीमती नेहा विलास हाथिमारे तथा मुख्य अतिथि जनपद सदस्य वर्षा बढाई , जामडी सरपंच गुनीराम बोहरे, एवं विशेष अतिथि के रूप मे पूर्व सरपंच प्रेमलाल हाथिमारे सहित गणमान्य नागरिकों की प्रमुख मौजूदगी रही। इस अवसर पर मंचासिन अतिथि वक्ताओं द्वारा सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे आनन्द उत्सव कार्यक्रम के संबंध मे विस्तार से जानकारी देते हुए सभी को शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम को सुचारू रूप से समपंन्न कराया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बिनोरा ग्राम पंचायत सरपंच नेहा विलास हाथीमारे ग्राम रोजगार सहायक सिरसाज, ग्राम पंचायत बिनोरा सचिव गुलाबचंद कावरे, स्कूलों के

शिक्षक,शिक्षिकाएं सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

कु अनु कालबेले का मॉडल संभाग स्तर हेतु चयनित

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत आवा स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला आवा में अध्ययनरत कु. अनु पिता भोजराज कालबेले निवासी दिघोरी जो कि कक्षा सातवीं में अध्ययनरत है इनके द्वारा जिला स्तर पर 15 जनवरी को आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभागिता की जाकर अपना वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किया गया जिसका विषय था पर्यावरण में हरित क्रांति सौर उर्जा विषय इस मॉडल को उपस्थित निरीक्षण कर्ताओ के द्वारा सराहा गया तथा इय मॉडल जोन पर प्रतियोगिता के लिये

चयनित किया गया है। यह प्रतियोगिता आगामी 27 जनवरी से जबलपुर में आयोजित होगी। बतादे कि कु अनु कालबेले के द्वारा बनाया गया यह मॉडल पर्यावरण विषय से संबंधित है जो वर्तमान समय पर सौर उर्जा की हमारे देश में उपलब्धता को दर्शाता है। कु अनु कालबेले के द्वारा बनाये गये मॉडल पर उनके परिजनों, माता पिता, संस्था प्रमुख सुरेश गुरदे, शिक्षक तरूण मेश्राम, संजय जोशी, आर एस बुन्देले, टीसी विजयवार का इस मॉडल निर्माण में सराहनीय सहयोग रहा। सभी ने कु अनु कालबेले की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि उक्त मॉडल संभाग स्तर से प्रदेश स्तर पर भी चयनित होगा।

मुख्य सचिव अनुराग जैन की कलेक्टरों को नसीहत, कहा

यह न समझें कि कुछ पता नहीं चलता, कहां क्या पक रहा है सब मालूम है

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कई जिलों में कलेक्टरों के विरुद्ध मिल रही शिकायतों पर नाराजगी जताई है। मुख्य सचिव जैन ने कहा है कि कोई यह न समझें कि कुछ पता नहीं चलता। किसके यहां क्या पक रहा है, सब पता चल जाता है। इसलिए सभी को आगाह किया जाता है कि करप्शन से दूर रहें और सरकार की प्राथमिकता के साथ जनता के हितों के लिए काम करें। सीएस जैन ने साफ कहा कि कुछ जिलों की कंप्लेन उनके और सीएम के पास आई है, इसलिए सुधर जाएं तो ही बेहतर होगा।

सात और आठ अक्टूबर को हुई दो दिनी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में पर एक्शन की दूसरी समीक्षा बैठक में सीएस जैन ने यह चेतावनी अफसरों को दी। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के 85 बिंदुओं की जिलावार समीक्षा की और इसमें टॉप श्री और बॉटम श्री जिलों की जानकारी शेयर करते हुए कमजोर परफार्मेंस वाले जिलों को अपनी स्थिति सुधारने के लिए कहा है। इस बैठक में पुलिस और अन्य विभाग के साथ मिलकर महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता के मामले में किए गए कामों की भी समीक्षा की गई। साथ ही नाबालिग बालिकाओं के गुम होने पर उनकी तलाश के लिए चलाए जाने वाले मुस्कान अभियान की भी जानकारी सीएस ने ली। यह जानकारी दी गई कि 1900 से अधिक बालिकाओं की बरामदगी की गई है। इसके लिए जन जागरूकता अभियान में टीकमगढ़, धार और सिंगरौली टॉप श्री जिलों में शामिल हैं जबकि पन्ना, मुरैना और भिंड बॉटम श्री जिलों में शामिल हैं।

ऐसे बदलती रही तारीख पर तारीख

कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कलेक्टरों, कमिश्नरों, पुलिस अधीक्षकों और अन्य अधिकारियों के लिए जो वर्किंग एजेंडा तय किया गया था उसकी समीक्षा करने के लिए सीएस अनुराग जैन ने पिछले माह 31 दिसम्बर को तारीख तय की थी। इसके बाद इसमें बदलाव हुआ और इसे 5 जनवरी तय किया गया। ऐन वक्त पर इस तारीख को भी कॉन्फ्रेंस नहीं हो सकी और तब 15 जनवरी को सीएस द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस करने और एजेंडों पर अमल का फैसला किया गया। प्रशासनिक कारणों से यह बैठक 15 जनवरी को भी नहीं हो सकी। आज यह बैठक चौथी बार तय तारीख में हो सकी।

मंत्री के पत्र को 6 महीने बीतने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक सुस्ती एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मंत्री जी द्वारा 5 जून 2025 को लोक शिक्षण संचालनालय को स्पष्ट निर्देश देते हुए पत्र जारी किया गया था, जिसमें जिले के तीन लोक सेवकों ढ्ढ शंकर लाल (सहायक ग्रेड-2), सी.जे. जॉनसन (सहायक ग्रेड-3) और श्रीमती अनीता बुर्रे (सहायक ग्रेड-3) ढ्ढ का प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण अन्य समकक्ष रिक्त पद पर करने को कहा गया था।

इसके बावजूद, आज 6 महीने पूरे होने को है लेकिन अब तक न तो स्थानांतरण की प्रक्रिया पूर्ण हुई है और न ही संबंधित कर्मचारियों को नए पदस्थापन स्थल पर भेजा गया है। यह स्थिति मंत्री स्तर से दिए गए स्पष्ट निर्देशों की अनदेखी का संकेत देती है।

सूत्रों के अनुसार, संबंधित टीप और शासन आदेश 6 जून 2025 को संचालनालय को प्राप्त हो गया था, जिसके आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन फाइलें अब भी कार्यालयों के बीच घूम रही हैं और कर्मचारी पूर्ववत पदों पर कार्यरत हैं।

शिक्षा विभाग में बढ़ती ऐसी लापरवाहियां न केवल प्रशासनिक अक्षमता को उजागर करती हैं, बल्कि मंत्री के आदेशों की गंभीरता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती हैं। अब देखना होगा कि विभाग इस देरी का स्पष्टीकरण देता है या मंत्री स्तर से कोई कड़ा कदम उठाया जाता है।

माना जा रहा है कि इन कर्मचारियों की पहुंच कुछ प्रभावशाली अधिकारियों तक है, जिसके चलते स्थानांतरण फाइलें जानबूझकर रोक दी गई हैं। इस लापरवाही से मंत्री की छवि और आदेश की गंभीरता दोनों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह मामला न केवल प्रशासनिक ढिलाई का प्रतीक है बल्कि यह भी दिखाता है कि सिस्टम में कुछ कर्मचारी नियमों से ऊपर माने जा रहे हैं।

फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया भोपाल चैप्टर को संयुक्त संचालक भोपाल संभाग लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश पत्र कमांक 75/2024/177 दिनांक 16 जनवरी 2026 प्राप्त हुआ।

जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी जिला भोपाल नरेंद्र कमार अहिरवार द्वारा पत्र कमांक (ष्ठश्वह्र/2025/7743 दिनांक 8 अगस्त 2025 को संयुक्त संचालक भोपाल संभाग पत्र लिखकर शिकायत की गई है कि फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया भोपाल चैप्टर पदाधिकारी द्वारा ग्रेट 3 बाबू सीजी जयसन के विरुद्ध फर्जी शिकायत की गई है और इसके लिए 23 जनवरी 2026 को उपस्थित होकर अपनी समस्त जानकारी उपलब्ध करवाए।

शिक्षा विभाग के अधिकारी अब भी चुप्पी साधे बैठे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि मंत्री जी इस अवहेलना पर क्या रुख अपनाते हैं और क्या रसूख के आगे शासन झुकता है या सख्त कार्रवाई होती है।

नगरपालिका परिषद देवरी में श्रीमती नेहा अलकेश जैन पूर्ववत अध्यक्ष रहेंगी

भोपाल। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि सागर जिले की नगरपालिका परिषद देवरी की अध्यक्ष श्रीमती नेहा अलकेश जैन को वापस बुलाने के संबंध में 19 जनवरी को हुए मतदान में कुल 13 हजार 367 मत पड़े थे। मतगणना 21 जनवरी को हुई, जिसमें 6085 मत वापस बुलाने के पक्ष में तथा 7282 मत वापस बुलाने के विरुद्ध थे। मतगणना परिणाम के अनुसार श्रीमती नेहा अलकेश जैन पूर्ववत अध्यक्ष बनी रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2000 में विधि संशोधन कर महापौर/अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने का प्रावधान किया गया था। इसके तहत वर्ष 2018 तक 41 निर्वाचन अध्यक्ष पद से वापस बुलाने के लिये हुए। इसमें से 21 अध्यक्ष पद पर यथावत रहे तथा 20 अध्यक्ष पद से मुक्त हुए। इसके बाद यह प्रावधान समाप्त कर दिया गया था।

वर्ष 2025 में विधि संशोधन कर पुनः अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने का प्रावधान किया गया। इस प्रावधान के तहत नगरपालिका परिषद देवरी में पहला चुनाव कराया गया।

अवहेलना पर संयुक्त संचालक निलंबित

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवे द्वारा नर्मदापुरम संभाग में पदस्थ संयुक्त संचालक राधेश्याम मण्डलोई को म.प्र. उच्च न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना के प्रकरण में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। आदेशानुसार रिट याचिका क्रमांक 23618/2025 दुर्गा सिंह चंदेल विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में विभाग की ओर से प्रभारी अधिकारी के रूप में श्री मण्डलोई को नामित किया गया था। उक्त प्रकरण में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के समक्ष विभागीय जवाबदावा निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत किया जाना था, किंतु श्री मण्डलोई द्वारा समय-सीमा में जवाबदावा प्रस्तुत नहीं किया गया। निलंबन अवधि के दौरान श्री मण्डलोई का मुख्यालय, संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल निर्धारित किया गया है। आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि संबंधित अधिकारी द्वारा किया गया कृत्य शासकीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। शासन द्वारा न्यायालयीन निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

मप्र में बना राज्य तिलहन मिशन

मुख्य सचिव समेत 16 अफसर उत्पादन की करेंगे मॉनिटरिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिहलन के अंतर्गत राज्य तिलहन मिशन का गठन किया गया है। इसमें मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सोलह अफसरों की तैनाती की गई है। यह मिशन मध्य प्रदेश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और उसके प्रसंस्करण तकनीकी सहायता एजेंसियों के कामकाज और प्रगति की निगरानी, दक्षता बढ़ाने के लिए एसओपी तैयार करने का काम करेगा। राज्य तिलहन मिशन की बैठक का आयोजन कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में किया जाएगा।

मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, निहित समग्र नीति दिशा निर्देशों के भीतर राज्य में मिशन कार्यान्वयन की समग्र निगरानी करेगा। राज्य को सौंपे गए क्षेत्र उत्पादन और उत्पादकता लक्ष्यों और इसकी निगरानी के आधार पर तिलहन की खेती और उत्पादन के लिए राज्य तिलहन कार्य योजना को अंतिम रूप देने का काम भी यह मिशन करेगा। कृषि विभाग भारत सरकार को प्रस्तुत करने से पहले मिशन के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप संभावित और वार्षिक राज्य कार्य योजना को अंतिम रूप देने और कृषि विभाग को प्रस्तुत नियमित रिपोर्टों के साथ प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर नजर रखकर राज्य स्तर पर मिशन की प्रगति की निगरानी भी यह मिशन करेगा।

ये अफसर भी शामिल

मुख्य सचिव अनुराग जैन मिशन के अध्यक्ष होंगे। वहीं कृषि विभाग के भारसाधक सचिव, राज्य मिशन संचालक इसके सदस्य सचिव होंगे। कृषि उत्पादन आयुक्त, सहकारिता, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वित्त, खाद्य विभाग के भारसाधक सचिव इसके सदस्य होंगे। कृषि विवि जबलपुर, कृषि विवि ग्वालियर के कुलपति, आयुक्त सह संचालक कृषि, निर्देशक भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इंदौर, प्रभारी अधिकारी नाबार्ड, समन्वयक स्टेट लेवल बैंकर समिति, तिलहन क्षेत्र में कार्यरत एफपीओ, कोआपरेटिव के दो प्रतिनिधि, बीज एवं खाद्य तेल उत्पादक उद्योग से संबंधित दो प्रतिनिधि, कृषि मंत्रालय द्वारा नामित अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर के इसके सदस्य बनाए गए है।

साल 2025 में 634 करोड़ रुपये की साइबर ठगी

रिकवरी में अब छठे स्थान पर मध्य प्रदेश

भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2025 के दौरान साइबर ठगी के मामलों में राशि फ्रीज टॉप फाइव से बाहर है। खासबात यह है कि यह स्थान भी साइबर ठगी की कुल राशि का महज 22 प्रतिशत फ्रीज करवा सकी। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश की पुलिस ठगी की कुल राशि का महज 7.4 प्रतिशत ही पीड़ितों को वापस दिलवा सकी। इसके बाद भी राशि रिकवर करवाने में मध्य प्रदेश का देश के राज्यों में छठवां स्थान है।

प्रदेश में पिछले साल करीब 634 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हुई। यह वह आंकड़ा है जो पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। प्रदेश की साइबर पुलिस इन मामलों में केवल 137 करोड़ रुपये की राशि ही फ्रीज करा सकी, जबकि 47 करोड़ रुपये की राशि पीड़ितों को वापस लौटाई जा सकी।

साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच यह आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। वर्ष 2025 में प्रदेश में कुल 4 हजार 800 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हुई। साइबर अपराधों में अक्सर देखा जाता है कि अपराध दूसरे राज्यों से संचालित किए जाते हैं। इससे जांच में अधिक समय और संसाधन खर्च होते हैं। अधिकारियों के अनुसार, अब राज्यों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है, ताकि बिना लंबी यात्राओं के जरूरी जानकारी मिल सके और पीड़ितों को जल्द न्याय मिल सके।

क्राइम के बाद गोल्डन ऑवर सबसे अहम

साइबर ठगी के बाद के पहले दो घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि पीड़ित तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करता है, तो राशि को अपराधी के खाते तक पहुंचने से पहले ही फ्रीज किया जा सकता है। अब शुरू हुई ई-जीरो एफआईआर सिस्टम के तहत आईपी लॉग, ट्रांजेक्शन आईडी जैसे डिजिटल सबूत तुरंत और कानूनी रूप से सुरक्षित हो जाते हैं, जिससे राशि की रिकवरी की संभावना बढ़ने लगी है।

4 हजार से ज्यादा केस, 47 करोड़ वापस दिलाए

राज्य साइबर पुलिस के अधिकारियों की माना जाए तो कई मामलों में पीड़ितों की जीवनभर की जमा पूंजी कुछ ही मिनटों में साफ हो जाती है, क्योंकि वे समय पर ना तो पुलिस को और न ही बैंक को सूचना देते हैं। एफआईआर दर्ज न होने के कारण ठगी की राशि की रिकवरी बेहद कम रह जाती है। हालांकि 47 करोड़ की राशि वापस दिलाने के बाद, रिकवरी के मामले में प्रदेश देश में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पहले यह रैंक 22वीं थी।

एनएसयूआई की शिकायत पर राज्य साइबर पुलिस ने लिया संज्ञान

- सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारियों, संचालक एनआरआई, नर्सिंग कॉलेज पर दर्ज होगी एफआईआर

भोपाल। राजधानी भोपाल में फर्जी अस्पतालों एवं अवैध नर्सिंग कॉलेजों के संचालन का गंभीर मामला एक बार फिर सामने आया है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा लगातार उठाए जा रहे इन मामलों को अब राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) ने गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ाया है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय ने सीएमएचओ कार्यालय, भोपाल के अधिकारियों द्वारा फर्जी एवं कूटरचित भौतिक सत्यापन रिपोर्ट तैयार कर शासन-प्रशासन को गुमराह करने के मामले में पुलिस उपायुक्त (क्राइम), भोपाल को जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट का पूरा मामला

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, भोपाल एवं उससे संबद्ध अरनव अस्पताल की वैधता को लेकर एनएसयूआई द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस शिकायत पर मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल के रजिस्ट्रार द्वारा सीएमएचओ भोपाल को निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन मय दस्तावेजों सहित काउंसिल कार्यालय में प्रस्तुत करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बाद सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा द्वारा जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक सेन को निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन दोनों अधिकारियों द्वारा मौके पर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किए बिना फर्जी एवं कूटरचित निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की गई, जिससे शासन एवं नर्सिंग काउंसिल को गुमराह करने का प्रयास किया गया। एनएसयूआई द्वारा इस फर्जीवाड़े से जुड़े ठोस साक्ष्यों सहित पुलिस प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर अवगत कराया गया।

भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने का आरोप

जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि एनएसयूआई की शिकायत के बाद 12 दिसंबर 2025 को सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा द्वारा दोनों डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर दर्शाता है कि सीएमएचओ स्तर से भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे फर्जी अस्पतालों एवं अवैध नर्सिंग कॉलेजों को खुला संरक्षण मिल रहा है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज, उससे संबद्ध अस्पताल एवं दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो एनएसयूआई प्रदेश स्तर पर आंदोलन तेज करेगी और उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला के निवास का घेराव किया जाएगा। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया है कि छात्रों के भविष्य, स्वास्थ्य सेवाओं और कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा भ्रष्टाचार के विरुद्ध एनएसयूआई की लड़ाई जारी रहेगी और दोषियों को जेल तक पहुंचाया जाएगा।

भोपाल स्लॉटरहाउस टेंडर घोटाला : रद्द टेंडर का आवंटन बना विवाद की जड़

- कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप - ईओडब्लू पहुंची शिकायत

भोपाल। भोपाल नगर निगम के स्लॉटरहाउस टेंडर को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इसे सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, मिलीभगत और नैतिक पतन का गंभीर मामला बताते हुए नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि जिस स्लॉटरहाउस टेंडर को स्वयं नगर निगम ने नियमों के तहत निरस्त कर दिया था, उसी टेंडर को बाद में चुपचाप किसी अन्य पक्ष को आवंटित कर दिया गया।

कांग्रेस का कहना है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के विपरीत है और इसमें नगर निगम के अधिकारियों, महापौर तथा एमआईसी सदस्यों की भूमिका संदेह के घेरे में है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया में रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण और सत्ता के दुरुपयोग के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब टेंडर रद्द हो चुका था, तो उसे दोबारा किसके निर्देश पर जीवित किया गया। नियमों में बदलाव कर किसे लाभ पहुंचाया गया और हाल के दिनों में सामने आए गौमांस से जुड़े मामलों का इस टेंडर से क्या सीधा या अप्रत्यक्ष संबंध है। कांग्रेस का आरोप है कि गौमांस से जुड़ी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि ठेकेदारों और प्रशासन के बीच अनैतिक साठगांठ चल रही है, जो न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द के लिए भी गंभीर खतरा है।

इस मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्लू) में शिकायत दर्ज कराए जाने की जानकारी भी दी गई है। कांग्रेस ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए, दोषियों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और राजनीतिक संरक्षण को तुरंत समाप्त किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों को बचाने का प्रयास किया गया, तो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। उनका कहना है कि भोपाल को 'लूट की प्रयोगशाला' बनने नहीं दिया जाएगा और जनता के हितों के साथ किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कथावाचक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ दलित पिछड़ा समाज संगठन ने की शिकायत

भोपाल। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के बयानों को लेकर दलित पिछड़ा समाज संगठन ने सांप्रदायिकता, छुआछूत और अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिये आवेदन दिया है। संगठन ने इस संबंध में प्रदेश पुलिस के मुखिया (डीजीपी) और भोपाल पुलिस कमिश्नर को अलग-अलग लिखित शिकायतें सौंपी हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भीम आर्मी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य दामोदर यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा की हमारे कार्यकर्ताओं ने डीजीपी और पुलिस कमिश्नर को प्रमाण के साथ धीरेन्द्र शास्त्री की शिकायत की है। दामोदर यादव ने कहा- हमने यह मांग की है कि धीरेन्द्र शास्त्री सांप्रदायिकता, छुआछूत और अंधविश्वास फैला कर लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर रहे हैं इससे लोगों की जान जा रही है। ये धारा 196-197, 202-272 सहित तमाम धाराओं में के तहत अपराध है। उनके खिलाफ कार्रवाई और एफआईआर होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा की जल्द ही कार्रवाई न होने पर हम हाईकोर्ट जबलपुर के जरिए धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई कराने का काम करेंगे। संगठन ने अपनी शिकायत में मुख्य रूप से समाज में अपने बयानों के जरिये समाज में हिंसा, नफरत और अराजकता फैलाने, एक टीवी चैनल (संस्कार टीवी) पर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा स्टेज-4 कैंसर के 100 प्रतिशत इलाज की गारंटी गोमूत्र और हल्दी से देने का दावा कर वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धतियों को हतोत्साहित करने के साथ ही उनके आश्वासनो में आकर एक महिला द्वारा इलाज छोड़ने के बाद उसकी मौत हो जाने जैसे आरोप लगाये है। संगठन ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज करने, मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जाने के साथ ही ऐसे कृत्यों से समाज में फैल रहे अंधविश्वास, हिंसा और भय पर सख्त कानूनी कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

मप्र में राशन वितरण व्यवस्था अपग्रेड

भोपाल। मध्य प्रदेश में राशन की दुकानों पर राशन वितरण के लिए, लगी पीओएस मशीनों पर बुजुर्गों और मजदूरों के अंगूठे के निशानों का मिलान न होने के कारण राशन वितरण में होने वाली दिक्कत अब खत्म होने वाली है। प्रदेश की 27 हजार 500 राशन दुकानों में पीओएस मशीनों को अब कई अत्याधुनिक फीचरों से लैस किया जाएगा। इसमें अब चेहरा देखकर हितग्राही की पहचान की जा सकेगी और उन्हें राशन वितरण किया जा सकेगा।

वर्तमान में जो पीओएस मशीनें लिंकवेल कंपनी ने लगाई हुई हैं, उसका टेंडर मार्च में समाप्त हो रहा है। दस साल से लगी हुई ये पीओएस मशीनें काफी पुरानी हो चुकी हैं और अत्याधुनिक फीचरों से लैस नहीं हैं। इन मशीनों से तुलाई मशीनें जुड़ी हुई नहीं हैं। इसके चलते बार-बार शिकायत आती है कि कम अनाज तौल कर दिया गया है। इसलिए अब जो नई पीओएस मशीनें आएंगी, उनमें वजन नापकर देने का इंतजाम भी होगा।

अनाज का ऑनलाइन रिकॉर्ड होगा दर्ज

जितना भी अनाज दिया जाएगा, उसका ऑनलाइन रिकॉर्ड रहेगा और अनाज देते समय हितग्राही को वजन भी दिखाई देगा। वहीं पुरानी मशीनों में केवल अंगूठे के इंप्रेशन से हितग्राही की पहचान कर उसे राशन दिया जाता था। इसमें बुजुर्गों के अंगूठे के निशान मशीन कई बार वेरीफाई नहीं करती थी। जो मजदूर दिन-रात काम करते हैं, काम के कारण उनके अंगूठे घिस जाते हैं। उन्हें भी पहचान न होने के कारण राशन लेने में दिक्कत जाती थी।

मशीनों के लिए टेंडर जारी

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालय ने प्रदेश की सभी राशन दुकानों पर नई पीओएस मशीनें लगाने के लिए, टेंडर जारी कर दिए हैं। पूरे प्रदेश भर में एक साथ मशीनों को बदलने का काम भी जल्द शुरू कर लिया जाएगा। इसके लिए विभाग जल्द ही एक ट्रेनिंग व्यवस्था को लागू करेगा। सभी राशन दुकानों के संचालकों को ट्रेनिंग में शामिल होना अनिवार्य रहेगा।

10 साल पुरानी बदलेगी कंपनी

आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने बताया कि वर्तमान में पीडीएस शॉप पर लगी पीओएस मशीनें दस साल पुरानी हैं। कंपनी का टेंडर खत्म हो रहा है, इसलिए अब अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस और हितग्राहियों की समस्याओं को दूर करने वाली पीओएस मशीनें पूरे प्रदेश में लगाई जाएंगी। इसके लिए टेंडर जारी हो गए हैं। टेंडर खुलने के बाद दो से तीन महीने में ये मशीनें लगाने का काम शुरू हो जाएगा।

इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरुआत

जकार्ता । भारत की पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर में जापान की मनामी सुइज़ू को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। 53 मिनट तक चले इस मैच का पहला गेम जीतकर सिंधु ने बढ़त हासिल की । इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने ये सिलसिला बनाये रखा। दूसरे दौर में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफील्ड और चीनी की हान कियासी के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में श्रीकांत को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। श्रीकांत ने जापान के कोकी वतनाबे (जापान) को 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। यह मुकाबला 1 से अधिक समय तक चला। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला हुआ पर अंत में श्रीकांत ने बाजी मार ली। अब श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा। तिएन ने एक अन्य मुकाबले में आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से पराजित किया।

भारत के ही किरण जॉर्ज पुरुष एकल के पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 21-17, 21-14 से हार गये। इसके अलावा महिला सिंगल्स में आकार्शी कश्यप को डेनमार्क की जूली डावॉल जैकबसेन ने 8-21, 22-20, 21-17 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भी भारतीय खिलाड़ी असफल रहे। ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन माओ और लिया पालेर्मो की जोड़ी ने 21-23, 22-20, 21-6 से पराजित किया । इसके अलावा रोहन कपूर और रुथविका की जोड़ी को फ्रांस की थॉम गिकेल और डेल्फिन डेलरू के हाथों 21-9, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ एस20 लीग में पूरी गंभीरता से खेलना होगा - स्टब्स

जोहांसबर्ग । सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले एसए20 लीग के पहले क्वालीफायर में उनकी टीम को पूरी गंभीरता से खेलना होगा। स्टब्स के अनुसार ये मुकाबला आसान नीं रहेगा। इसलिए हमें जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने टीम को अतिआत्मविश्वास से बचने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है पर लीग चरण में शीर्ष पर होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए बुधवार को होने वाले मैच में उन्हें अच्छी शुरुआत करनी होगी। गौरतलब है कि पहली बार स्टब्स की कप्तानी में खेलते हुए सनराइजर्स की टीम ने 10 मैच में से पांच मैच जीतकर तालिका में 28 अंक के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया है।

स्टब्स ने कहा, ' लीग में नंबर एक होना जीत की गारंटी नहीं है। यह अच्छा है कि हमने पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्ले ऑफ से पहले हमें पता है कि आप हर मैच में शून्य से शुरुआत करते हैं। प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं है।' गत उप विजेता सनराइजर्स ने अब तक चारों सत्र में प्ले ऑफ में जगह बनाई है और उन्होंने कहा कि पुराने अनुभवों से भी टीम को लाभ होगा।

स्टब्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर मुझे तो ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी इन मुकाबलों में खेल चुके हैं और जानते हैं कि इसे जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से मदद मिलती है लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, यह अब भी क्रिकेट का खेल है। ।' स्टब्स ने अपनी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की सराहना की जिन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक की मदद से 328 रन बनाये हैं। कप्तान ने कहा, 'डिकॉक ने हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर आगे बढ़कर अगुआई की है वह युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे रहे हैं।' स्टब्स ने क्रिस ग्रीन की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने एमआई केपटाउन के खिलाफ खेलते हुए 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

जेमिका के अर्धशतक से दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को हराया

वडोदरा । कप्तान जेमिमा रौड्रिग्स के तेज अर्धशतक की सहायता से दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के 13 वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। जेमिमा ने 37 गेंदों में 51 रन बनाये शेफाली वर्मा ने 46 व लिजेले ली ने 29 रन बनाये। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर मुम्बई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मुंबई ने नेट स्किवर ब्रंट के 45 गेंद में नाबाद 66 रन की बदौलत पांच विकेट पर 154 रन बनाए। इसके बाद 155 रनों के लक्ष्य को दिल्ली ने आसानी से हासिल कर लिया। जेमिमा, शेफाली और लिजेजी के अच्छे प्रदर्शन के बाद मरिजाने काप ने नाबाद 10 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इसी के साथ ही कैपिटल्स ने पांच मैचों में दूसरी जीत हासिल की है। वहीं मुंबई की टीम को छह मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में मुम्बई के बल्लेबाज असफल रहे। केवल कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 व स्किवेर ब्रंट ने नाबाद 66 रन बनाये।

अंडर-19 यूथ विश्वकप

ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक ने 51 गेंदों ही शतक लगाकर वैभव का रिकार्ड तोड़ा

विंडहॉक। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल मलाजचुक ने अंडर-19 विश्वकप में जापान के खिलाफ मुकाबले में 51 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब विल अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के समीर मिन्हास के नाम था। मिन्हास ने केवल 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अपनी इस पारी से विल ने भारत के वैभव सूर्यवंशी का रिकार्ड जरुर तोड़ दिया वैभव ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। इस मैच में विल की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने जापान को आठ विकेट से हराकर ग्रुप-ए में लगातार दूसरी जीत हासिल की है।

इस मैच में जापानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। सबसे अधिक 79 रन ह्यूगो केली ने बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से नादोन कूराय ने तीन जबकि विल बायरम ने दो विकेट लिए। इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धमाकेदार रही। विल मलाजचुक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये और 51 गेंदों में शतक लगा दिया।। इसके साथ ही वह विश्कप में सबसे तेज शतक लगाने वो दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का रिकार्ड पाकिस्तान के समीयर मिन्हास के नाम है। मिन्हास ने 42 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं भारत के वैभव 52 गेंदों में शतक के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। मलाजचुक इस मैच में 12 चौके और पांच छक्के लगाकर 102 रन बनाये जबकि सैमुअल ने 60 रन बनाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जापान को हरा दिया।

पर्थ स्कॉर्चर्स बीबीएल लीग के फाइनल में पहुंची

पर्थ। पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। स्कॉर्चर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स को 48 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सिडनी सिक्सर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी ओर से फिन एलेन ने 30 गेंद पर सबसे अधिक 49 रन बनाये। वहीं कप्तान एश्टन टर्नर ने 29 जबकि झे रिचर्डसन ने 20 रन बनाये। सिडनी सिक्सर्स की ओर से मिचेल स्टार्क, बेन ड्वारशुईस और जैक एडवॉर्ड्स ने 2-2 विकेट लिए जबकिजोएल डेविस और बेंजामिन मानेंटी को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद जीत के लिए मिले 148 रन रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज असफल रहे और टीम 15 ओवर में केवल 99 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे 48 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 24 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज पर्थ के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बाबर आजम फिर फ्लॉप रहे और 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं स्कॉर्चर्स की ओर से

महली बियर्डमैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि कूपर कोनोली और डेविड पायने को 2-2 विकेट मिले। झे रिचर्डसन और आरोन हार्डी ने 1-1 खिलाड़ी को आउट किया। लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को खेला जाएगा।

उथप्पा बोले, हर प्रारुप के लिए अलग-अलग कोच रखा जाये

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच बनाये जाने चाहिये। उथप्पा के अनुसार एक ही कोच के लिए हर सीरीज के बाद अपने माइंडसेट को बदलाना आसन नहीं होता है। साथ ही कहा कि आजकल इतना क्रिकेट हो रहा है कि एक कोच मानसिक रुप से थक जाता है। कोच को हर प्रारुप के अनुसारन रणनीति बदलनी पड़ी है और ये काफी कठिन काम होता है। जिस प्रकार से भारतीय टीम उन्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हारी है। माना जा रहा है कि उसी को उसको देखते हुए उथप्पा ने ये बयान दिया है।

टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठते है। उनके कोच रहते भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी हारी है। यह पहली बार था जब न्यूीलैंड टीम भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। ऐसे में उथप्पा के बयान के बाद गंभीर पर दबाव बढ़ना तय है। उथप्पा का मानना है कि एक ही कोच पर सभी प्रारुपों का बोझ डालना सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, मैं अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच रखने के विचार के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलता है। एक प्रारुप से दूसरे में जाते वक्त दिमाग भी थक जाता है।उन्होंने साथ ही कहा कि जब कोई कोच एक एक प्रारुप में लीन रहता है तो दूसरे की तैयारी करना कठिन हो जाता है। ऐसे में नये माइंडसेट और उर्जा की जरुरत होती है।

एसे में अलग-अलग कोच रहना फायदेमंद रहेगा।उथप्पा ने हालांकि ये भी माना है कि कि अलग-अलग कोच रखने का फैसला करना आसान फैसला नहीं होगा। इसमें सभी कोचों को एक-दूसरे के साथ तालमेल रखते हुए काम करना होगा। अगर उनमें मतभेद रहेगा तो ये टीम के लिए नुकसानदेह रहेगा।उन्होंने कहा कि लगातार संवाद, सही समय पर नेतृत्व और पीछे हटने की समझ बेहद जरूरी है। यह तभी संभव है जब सोच किसी बड़ी और मजबूत संरचना को बनाने की हो।

सबालेन्का,गॉफ़ और अल्कराज तीसरे दौर में पहुंचे

मेलबर्न। बेलारुस की आर्यना सबालेन्का और अमेरिका की कोको गॉफ़ के अलावा कार्लोस अल्कराज भी ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। महिला एकल में जहां सबालेन्का ने चीन की बाई झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्रापत कोको गॉफ़ ने ओल्गा डैनिलोविक को 6-2, 6-2 से हराया। दूसरी ओर पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने जर्मनी के यानिक हान्फ़मैन को 7-6(4), 6-3, 6-2 से हराया। 22 साल के अल्करज़ अगर यहां जीत दर्ज करते हैं तो वह सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकार्ड अपने नाम करेंगे। पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में आंद्रे रुब्लेव ने जैम फारेयसा को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से जबकि टोमी पॉल ने थियागो अगस्टिन तिरांटे को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। फ्रांस के गाएल मोन्फिल्स अपने करियर के अंतिम मैच में हार गये । तुर्की के ज़ेन्येप सॉन्झेम भी अन्ना बॉंडर को 6-2, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में पहुंचे । वहीं महिला एकल के अन्य मुकाबलों में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने लिंडा क्लीमोविकोवा को 7-5, 6-1 से हराया।

बांग्लादेश के खेल सलाहकार बोले, टीम को भारत भेजने कोई दबाव नहीं बना सकता

चटगांव। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि कोई भी बांग्लादेश क्रिकेट टीम पर भारत में खेलने का दबाव नहीं बना सकता है। नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश टी20 विश्वकप के अपने मैच भारत में नहीं खेलने के रुख पर बरकरार है। उसका कहना है कि सरकार सुरक्षा कारणों से टीम को भारत में नहीं भेजना चाहती है। उन्होंने कहा, अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसआई) के दबाव में आकर हम पर दबाव बनाने का प्रयास करता है तो उसे सहन नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा कि पाकिस्तान ने भी भारत जाकर खेलने से मना किया था और तब आईसीसी ने वेन्यू बदलने का फैसला लिया था। बांग्लादेश भी इसी प्रकार सुरक्षा से जुड़े आधार पर अपने मैच स्थल बदलने की मांग करता है।

बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी से कहा है कि उसके मैचों को टी20 विश्व कप 2026 के सह-मेजबान श्रीलंका में रखा जाये। वहीं आईसीसी ने बांग्लादेश के अपने मैच श्रीलंका में रखे जाने के अनुरोध को खारिज कर दिया है। आईसीसी ने कहा है कि अगर बांग्लादेश भारत नहीं जाता तो किसी और टीम को शामिल कर लिया जाएगा।

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये - अश्विन

चेन्नई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये।

अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

आईसीसी बैठक में बांग्लादेश की टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर रखे जाने की मांग खारिज

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कांउंसिल (आईसीसी) ने यहां हुई एक बैठक के बाद बांग्लादेश की टी20 विश्वकप के लिए मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी है। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इंकार करते हुए कहा था कि उसके मैचों को श्रीलंका में रख दिया जाये। आईसीसी ने इस मामले में आंखिरकार अंतिम फैसला सुना दिया है। आईसीसी ने बीसीबी की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने खेलने की मांग को ठुकरा दिया है। इसे लेकर वोटिंग की गई और 14-2 के बहुमत के बाद बांग्लादेश की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग को खारिज किया गया। इसी के साथ ही अब यदि बांग्लादेश टीम भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ी रहती है तो उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। उन्हें अपने पहले तीन मैच 7, 9 और 14 फरवरी को कोलकाता में और आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में खेलना है।

आईसीसी की बैठक इसके चेयरमैन जय शाह के साथ बीसीबी प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम, बीसीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया, श्रीलंका बोर्ड के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, सीए चेयरमैन माइक बेयर्ड सहित सभी बोर्ड प्रमुख शामिल थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग की थी। अब अगर बीसीबी आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी स्कॉटलैंड को सीधे ग्रुप सी में शामिल कर लेगा।

पीसीबी ने बांग्लादेश बोर्ड के समर्थन में आईसीसी को लिखा पत्र

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत में नहीं खेलने के मुद्दे पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का समर्थन किया है। इस मामले में पीसीबी ने अपना समर्थन पत्र अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेज दिया है। इस पत्र में पीसीबी ने लिखा है कि वह बीसीबी के उस रुख का समर्थन करता है, जिसमें उसने सुरक्षा कारणों से भारत नहीं जाने की बात कही है। साथ ही मांग की है कि उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जायें। श्रीलंका भारत के साथ टूर्नामेंट का सह-मेजबान है। वहीं आईसीसी ने गत दिवस बीसीबी से कहा था कि उसे भारत में ही खेलना होगा अगर ऐसा नहीं होता तो उसकी जगह किसी अन्य देश को शामिल कर लिया जाएगा। आईसीसी और बीसीबी इससे पहले भी कई बार बातचीत हुई थी पर मामला नहीं सुलझा था। आईसीसी का कहना है कि मैच तय समय पर होने चाहिए जबकि बीसीबी का कहना है कि वह अपनी टीम को भारत नहीं भेज सकता। आईसीसी ने बीसीबी को भारत में टीम भेजने की जो समय सीमा दी थी वह भी समाप्त हो गयी है। वहीं इस मामले में कूदी पीसीबी ने अब तक सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है और न ही सवालों का जवाब दिया है पर वह इस मामले का लाभ उठाने के प्रयास में लगा है। ये विवाद उस समय शुरु हुआ जब आईपीएल से बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किया गया। उसके बाद बीसीबी ने आईपीएल के प्रसारण पर भी पाबंदी लगा दी और कहा कि उसकी टीम सुरक्षा कारणों से भारत नहीं जाएगी।

सचिन और जयसूर्या ने बनाये हैं शीर्ष क्रम पर सबसे अधिक रन

नई दिल्ली । एक दिवसीय क्रिकेट में शीर्ष क्रम की सबसे अहम भूमिका रहती है। इस कम में खेलने वाले बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर ही टीम का स्कोर निर्भर करता है। शीर्ष कम इसलिए भी महत्वपूर है क्योंक यहां खेलने वाले बल्लेबाजों को नई गेंद का सामना करना पड़ता है। दुनिया भर के आंकडों को देखा जाये तक अब तक भारत के सचिन तेंदुलकर और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने सलामी बल्लेबाज के तौर सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। सचिन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15,310 रन बनाए हैं, जो किसी भी एक क्रम पर बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। वहीं, श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने सलामी बल्लेबाज के रूप में 12,740 रन बनाये है। वहीं नंबर 3 की बात करें तो भारतीय टीम के विराट कोहली ने 12,676 रन बनाये हैं।

मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान करने की जिम्मेदारी नंबर 4 और 5 के बल्लेबाजों पर होती है। न्यूजीलैंड के रॉस टेलर ने नंबर 4 पर 7,690 रन बनाये हैं। वहीं श्रीलंका के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने नंबर 5 पर 4,675 रन बनाए। वहीं क्रिकेट जगत के सबसे बेहतरीन फिनिशर माने जाने वाले महेन्द सिंह धोनी ने नंबर 6 पर 4,164 रन बनाए हैं, जो इस क्रम पर सबसे अधिक है।

आम तौर पर निचले क्रम के बल्लेबाजों को ज्यादा श्रेय नहीं मिलता पर ऑलराउंडर्स और गेंदबाजों के रन हार और जीत के बीच का अंतर पैदा कर सकते हैं। नंबर 7 पर क्रिस हैरिस ने 2,130 रन बनाकर अपनी उपयोगिता साबित की है। वहीं पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज वसीम अकरम ने नंबर 8 पर 1,208 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा ने नंबर 9 पर 701 रन बनाये है। इसके अलावा नंबर 10 पर पाकिस्तान के वकार यूनिस 478 रन और नंबर 11 पर न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट ने सबसे अधिक 176 रन बनाकर अपनी टीम को कई बार हार से बचाया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट
ई-टेंडरिंग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्ड परसवाडा के ग्रामों में 150 एम.एम. व्यास 120 मीटर गहरे साधारण नलकूप खनन कार्य की मुहरबंद निविदा प्रपत्र "अ 2.10" (प्रतिशत दर) मे एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आमन्त्रित की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के http://mptenders.gov.in द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रकिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेण्रिंग पद्धति कमांक	निविदा कमांक/ आमंत्रित दिनांक	कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	धरोहर राशि राशि (अर्नेस्ट मनी) रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र कय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑन लाईन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7		9
2026_PHED_476788_1	23/19.01.2026	22.72	45450/-	5000/-	2 माह	02.02.2026	04.02.2026	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है ।

नोट :-

1- सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल (http://mptenders.gov.in) में पंजीयन करायें ।

2- " निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनो को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । यह संशोधन केवल http://mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जायेगें "

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क केडिट कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाईट पर भुगतान कर केवल ऑन लाईन पर ही कय किये जा सकतें है ।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

जी -24716/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
बालाघाट (म.प्र.)
(07632-241131)

शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में तीन दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से किया गया। इस अवसर पर दिनांक 19 जनवरी को साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें रंगोली, मेंहदी, केश सज्जा, वाद विवाद , भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। उसी प्रकार दिनांक 20 जनवरी को क्रिकेट मैच स्टाफ एवं छात्र के बीच खेला गया एवं व्यंजनों की प्रतियोगिता आयोजित की गई । तथा दिनांक 21 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिले की सांसद भारती पारधी एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक राजकुमार कर्राहे लांजी किरनापुर विधानसभा,एसडीएम किरनापुर मायाराम कोल, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सुनीता जैन,जनपद पंचायत सीईओ रामगोपाल यादव,अजय मेश्राम भाजपा संगठन प्रभारी, सरपंच हिर्री विनीता

राजेन्द्र पाराशर, सरपंच आगगांव संतोष खरे,अध्यक्ष जन भागीदारी समिति रामकुमार राणा, एन आर गर्दे,राजकुमारी अग्रवाल,लोमेश तुरकर,चूमेश लिलहारे, युवराज पांचे,मुकेश गौतम, अंकुश पचभैया, भजन बिसेन,गणेश आवरे,हुलेश्वर बिसेन, महेन्द्र बिसेन, नायब तहसीलदार बबीता सूर्या, की गरिमामई उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन मे विशिष्ट अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने छात्र छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर, पूरी ईमानदारी और धैर्यता से कार्य करते हुए हासिल करें। मोबाइल का सही दिशा मे उपयोग करें।जीवन में धैर्यता रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। वही मुख्य अतिथि सांसद भारती पारधी ने कहा कि आज ब'चे उस चौराहे पर खड़े हैं कि आप किस दिशा मे जाना चाहते हैं।यह आपको तय करना है। हम सभी मे वह योग्यता, क्षमता है और यह जो मंच जो तैयार किए जाते हैं। वह आप अपने अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने के लिए होते हैं। अपनी योग्यता को पूरी ताकत से जीवन के सफर में कभी हार नहीं मानना चाहिए। लगातार प्रयास करते रहे सफलता अवश्य मिलेगी। सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा मे महिला बहनों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसा विश्वास और आस्था बनाए रखें हम सभी हर कदम पर आपके साथ है। खूब पढ़े, खूब आगे बढ़े, अपना और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रामकुमार राणा द्वारा सांसद महोदया से ओपन जिम की मांग की गई। वही उन्होंने बताया कि इसके पूर्व विधायक राजकुमार कर्राहे ने साइकिल स्टैण्ड, अतिरिक्त कक्षों की मांग पूरी कराई हैं। इस कार्यक्रम मे छात्र छात्राओं द्वारा एकल नृत्य, समूह नृत्य, एवं गायन प्रतियोगिता मे अपनी कला के जौहर दिखलाए, जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहना की गई। वही मंचासिन अतिथि द्वारा प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए प्रतिभाओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। वही अंत मे इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से सफल बनाने में सभी से मिले भरपूर सहयोग के लिए महाविधालय प्राचार्य डॉ सुनीता जैन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

शहर जैसी थोड़ी सख्ती फोरलेन में भी दिखा देते!!

पेज 12 का शेष...

पुलिस को चाहिए कि स्पीड डिटेक्शन टेक्नोलॉजी और ई-चालान प्रणाली को मजबूत करें, ताकि लापरवाह चालकों पर तत्काल कार्रवाई हो। हाइवे पर सुरक्षित पैदल यात्री सुविधाएं, ऊर्जा अवशोषक और बेहतर डिवाइडर बनाएं जाएं।

पुलिस इस 20 किलोमीटर के समूचे क्षेत्र में तैनात हो जैसा कि शहर के हर चौक चौराहों पर है। वह वाहन चालकों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने और थकान से बचने के लिए शिक्षित करें।अब जब नक्सल समस्या ख्त्म है तो खाली पड़े बल को दुर्घटना रोकने के काम में लगाया जाना चाहिए. तभी मौतों का आंकड़ा रुक सकता है। फोरलेन पर मौतें तेज रफ्तार, इस लापरवाही (खतरनाक ओवरटेकिंग, गलत दिशा में ड्राइविंग, नशे में ड्राइविंग), अधूरे निर्माण कार्य (खराब डिजाइन, खुली नालियां, सर्विस लेन की कमी), खराब सड़क डिजाइन, और यातायात नियमों की अनदेखी (सीट बेल्ट/हेलमेट न पहनना) जैसे कई कारणों से होती हैं, जिससे आमने-सामने की टक्करें और पैदल यात्रियों के लिए खतरा बढ़ता है,जो बेहद खतरनाक है।

वडेगांव में सम्मानित हुई परमात्मा एक सेविका भारती बिसेन

पद्मेश न्यूज/कटंगी। परमात्मा एक मंडल वर्धमान नगर नागपुर की वडेगांव शाखा के तत्वाधान् में गत 18 जनवरी को आयोजित परमात्मक एक मानव धर्म सम्मेलन में कटंगी परमात्मा एक मंडल की सेविका श्रीमती भारती सेकेन्द्र बिसेन को सामाजिक क्रियाकलापों में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती बिसेन के नेतृत्व में परमात्मा एक सेविका समिति कटंगी के द्वारा यहां नि:शुल्क नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच की गई। कार्यक्रम में

परमात्मा एक मंडल सेवा समिति कटंगी की अध्यक्ष श्रीमती भारती बिसेन को रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं मरीजों को फल वितरण जैसे मानव सेवा से जुड़े कार्यों के लिए परमात्मा एक सेवक मंडल वडेगांव शाखा के पदाधिकारियों ने शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। श्रीमती बिसेन ने बताया कि भगवान बाबा हनुमान जी एवं महान त्यागी बाबा जुमदेव की कृपा से उनकी समिति निरंतर मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर रही है एवं आगे भी इस तरह के पुनित कार्य किए जाएंगे।

छात्रों ने जाना राजीव सागर बांध परियोजना का महत्व

पद्मेश न्यूज/कटंगी। विकासखंड अंतर्गत पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वरूड़ के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती राजीव सागर बांध परियोजना का भ्रमण किया। स्कूल प्रबंधन की ओर से आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में संस्था में अध्ययनरत कक्षा छटवीं से बारहवीं तक के डेढ़ सौ छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान राजीव सागर बांध परियोजना स्टॉफ ने छात्रों को बांध से सिंचाई, पेयजल की आपूर्ति एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित व्यवहारिक जानकारियाँ प्रदान की। छात्रों के लिए यह एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रम था जिसका मुख्य उद्देश्य उन्हें इस बांध निर्माण से होने वाले बहुआयामी लाभों से अवगत कराना था। छात्रों ने बांध से जल संरक्षण की कार्यप्रणाली को समझने के साथ ही इस परिसर में स्थित वाटिका एवं भगवान हनुमान मंदिर देवस्थान के दर्शन कर

आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। इसके अलावा आस-पास की सुरम्य वादियों, हरे-भरे वातावरण का लुत्फ उठाया। बांध के आस-पास वनाच्छादित क्षेत्र में विचरण करने वाले वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं स्वरूचि भोज का भी आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था स्टॉफ से शिक्षक श्री मुकेश पटले, देवरत्न आशरे, इन्द्रराज घोरमारे, अनिल डोंगरे, किशोर ठाकरे, राजेन्द्र पटले, कमलेश अमूले, गणेश नामदेव, इलेन्द्र पटले, गितेश डोंगरे, शिक्षिका श्रीमती आशा वासनिक, वच्छला छिपेश्वर, भूमिका देशमुख, रागिनी राहंगडाले, प्रीति बिसेन आदि का सराहनीय योगदान रहा।

मोतीनगर स्थित रमई खुला आश्रय में निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में मोतीनगर स्थित रमई खुला आश्रय, बालाघाट का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री शुभम जैन एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे द्वारा किया गया।

निरीक्षण के दौरान आश्रय गृह में ब'चों के लिए उपलब्ध भोजन व्यवस्था, स्वच्छता तथा अध्ययन से संबंधित सुविधाओं का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुझाव भी दिए। निरीक्षण उपरांत आश्रय गृह परिसर में बच्चों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों को विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की

जानकारी प्रदान की गई। साथ ही गुड टच-बैड टच के महत्व को समझाया गया तथा पॉक्सो एक्ट से संबंधित आवश्यक जानकारी सरल एवं सहज भाषा में दी गई। इस जागरूकता शिविर का उद्देश्य ब'चों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना एवं उन्हें सुरक्षित वातावरण के प्रति जागरूक बनाना रहा। कार्यक्रम में बच्चों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए उपयोगी जानकारियां प्राप्त कीं।

मनोहर राव साकरकर का दुखत निधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट रेलवे स्टेशन रोड मोर कॉलोनी निवासी मधु सकरकर के बड़े भाई मनोहर राव साकरकर का बीती रात भंडारा के अस्पताल में उपचार के दौरान दुखद निधन हो गया।वे 91 वर्ष के थे।जिनका अंतिम संस्कार 21 जनवरी की दोपहर 3 बजे जागपुर घाट में किया किया गया।बताया गया कि मनोहर राव साकरकर बेहद सहज, सरल ,सात्विक और सब के दुखों में सदैव साथ खड़े रहने वाले व्यक्ति थे। उनके आकस्मिक निधन से उन्हें जानने वाले शोकाकुल है।जो अपने पीछे एक पुत्र, एक पुत्री ,नाती ,नतरे से

भरापूरा परिवार छोड़कर इस दुनिया से चले गए।उनके इस निधन से उनकी जान-पहचान व अन्य चाहने वालों ने शोक जताते हुए उन्हें श्राद्धाजंली दी है।वही उनके इस आकस्मिक निधन पर सर्व समाज के लोगों ने शोक जताया है।

कमला नेहरू स्कूल में बिदाई समारोह का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में २१ जनवरी को बिदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल स्टाफ की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रचलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कक्षा १२ वीं की छात्राओं को कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं के द्वारा बिदाई दी गई। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित की गई। जिसमें गीत, भाषण ,नृत्य ,नाटक सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें स्कूल की छात्राओं के द्वारा बढ़ चढ़कर भाग लेकर मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वहीं कार्यक्रम के अंत में बिदाई स्वरूप उपहार कक्षा १२ वीं की छात्राओं को कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं के द्वारा दिया गया। प्राचार्य के एल चौहान ने बताया कि स्कूल में कक्षा १२ वीं की छात्राओं के लिए बिदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं के द्वारा स्कूल स्टाफ के

साथ मिलकर आयोजित किया जाता है। वह इस वर्ष भी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आयोजित किया गया है। जिसमें गीत भाषण नृत्य नाटक वहीं विभिन्न खेल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है जिसमें छात्राओं के द्वारा भाग लिया गया। हमारी शाला में छात्राएं ४ से ५ साल तक पड़ती है और उनका यह अंतिम वर्ष होता है। ऐसे में उन्हें बिदाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जाती है। ताकि वह आगे उच्च शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान कर सके। इस अवसर पर स्कूल स्टाफएवं छात्र.छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बालाघाट के एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़ाया जिले व प्रदेश का गौरव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दो स्वयंसेवकों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन एवं सेवा भाव से महाविद्यालय, बालाघाट जिला तथा मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने बताया कि महाविलाय की एनएसएस बालक इकाई के स्वयंसेवक निरंजन बिसेन ने 26 जनवरी 2025 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में सहभागिता कर राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने परेड संचलन में भाग लेकर अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रभक्ति का उत्कृष्ट परिचय दिया। निरंजन बिसेन एनएसएस प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं तथा वे राष्ट्रीय युवा उत्सव, पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर एवं विशेष शिविरों में सक्रिय सहभागिता कर चुके हैं।

इसी तरह महाविद्यालय की एनएसएस बालिका इकाई की स्वयंसेविका वीणा जमरे ने भी निरंतर सेवा कार्यों में भाग लेकर महाविद्यालय का मान बढ़ाया है। वे वर्ष 2022 से एनएसएस से जुड़ी हुई हैं तथा विशेष शिविरों में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक का सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर सहित विभिन्न नेतृत्व एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सहभागिता की है। निरंतर उत्कृष्ट सेवा एवं उपलब्धियों के फलस्वरूप निरंजन बिसेन एवं वीणा जमरे दोनों का चयन राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2026 भोपाल के लिए किया गया है, जहां वे वर्तमान में रिहर्सल में भाग लेकर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने दोनों स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उ卐वल भविष्य की कामना की है।

25 जनवरी को जिले में मनाया जाएगा 16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस

उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में होगा जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी 25 जनवरी 2026 को पूरे देश के साथ-साथ बालाघाट जिले में भी 16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले का जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना एवं नागरिकों को मताधिकार के प्रति जागरूक करना है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में नवपंजीकृत मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र (श्वक्क्ष्ट) प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के महत्व तथा मतदान के अधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, नव मतदाता एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.एस. धुर्वे ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के सफल आयोजन के लिए जिला स्तरीय तैयारियों को अंतिम रूप देना प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने आयोजन की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर उन्हें विभिन्न दायित्व सौंपे हैं, ताकि कार्यक्रम समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र पर भी विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची बनाए रखने तथा अधिकाधिक मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक नागरिक इस आयोजन में सहभागिता करें और लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भूमिका निभाएँ।

उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई थी। इसी ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के लिए 25 जनवरी 2011 को भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के 61वें स्थापना वर्ष के अवसर पर 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' की शुरुआत की गई थी। तब से प्रतिवर्ष 25 जनवरी को यह दिवस पूरे देश में मनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए प्रेरित करना, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाना और मतदाता सूची में त्रुटिरहित प्रविष्टियाँ सुनिश्चित करना है। बालाघाट जिले में भी इस दिवस को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है और प्रशासन द्वारा इसे जन-जन से जोड़ने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं।

सबसे स्वच्छ इंदौर में 243 फैक्ट्रियां फैला रहीं जहर

हाईकोर्ट की फटकार के बाद एक्शन में प्रदूषण बोर्ड

भोपाल। स्वच्छता के तमगे के पीछे छिपे जल-वायु प्रदूषण के काले सच पर आखिरकार हाईकोर्ट की नजर पड़ गई। इंदौर में बिना अनुमति चल रहे और खुलेआम प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को लेकर हाईकोर्ट ने स्वत- संज्ञान लेते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई। जिसके बाद अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई सामने आई है। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इंदौर जिले के 243 उद्योगों को नोटिस थमा दिए हैं। इनमें कई ऐसे उद्योग शामिल हैं, जो ना लाइसेंसधारी हैं और ना ही प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन कर रहे हैं। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ नोटिस नहीं, बिजली कनेक्शन काटकर उद्योगों को बंद कराया जाएगा। अब इस मामले में 9 फरवरी को हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी। महाधिवक्ता प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर जवाब पेश करेंगे। साफ है कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं रहा, तो और बड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है। जहां एक ओर इंदौर का पानी दूषित पाया जा चुका है, वहीं दूसरी ओर हवा की गुणवत्ता लगातार खतरनाक स्तर की ओर बढ़ रही है। हाईकोर्ट ने माना है कि यह स्थिति मध्यप्रदेश जल प्रदूषण निवारण और वायु प्रदूषण निवारण अधिनियमों का खुला उल्लंघन है। जिले में खनन, स्टोन क्रशर और रेड-ऑरेंज श्रेणी के उद्योग सबसे बड़े प्रदूषणकर्ता बनकर उभरे हैं। इन उद्योगों के कारण न सिर्फ पर्यावरण खतरे में है, बल्कि निवासियों की सेहत पर भी सीधा असर पड़ रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के इंदौर रीजनल ऑफिसर सतीश चौकसे ने स्वीकार किया कि 243 उद्योगों को नोटिस दिए गए हैं। कई उद्योग बिना अनुमति संचालित हो रहे हैं। ऐसे उद्योगों की सूची बिजली कंपनी को सौंप दी गई है ताकि सीधे बिजली काटी जा सके। हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट के मुताबिक इंदौर जिले में 5961 उद्योग पंजीकृत हैं, जिनमें से 1000 से ज्यादा उद्योग प्रदूषण विभाग की बिना अनुमति चलते पाए गए।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल टकराई, चालक और बालक दोनों घायल

डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगभग 6 किलोमीटर दूर भरवेली रोड पर स्थित ग्राम आंवलाझरी के पास मंगलवार को एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल एक बालक से टकरा कर अनियंत्रित होकर गिर गई। इस दुर्घटना में बालक सहित दो लोग घायल हो गए। घायल बालक आनंद मोहारे 15 वर्ष पिता रामजी मोहारे वही मोटरसाइकिल चालक सहदेव बिरनवार रूपचंद बिरनवार 23 वर्ष है।दोनों ग्राम आंवलाझरी के ही निवासी हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक आनंद मोहारे कक्षा सातवीं का छात्र है और सहदेव बिरनवार पेंटिंग का काम करता है।

घटना 21 जनवरी को सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। बालक आनंद मोहारे गांव में आयोजित दुर्गा मंदिर स्थापना के वार्षिक उत्सव की रैली में शामिल था। इसी दौरान सहदेव बिरनवार अपने घर से मोटरसाइकिल पर किसी कार्य से भरवेली जा रहा था। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल की रफ्तार तेज होने के कारण वह रैली में शामिल बालक आनंद मोहारे से टकरा गई। जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर पड़ी।हादसे में मोटरसाइकिल की टक्कर से बालक आनंद मोहारे गंभीर रूप से घायल हो गया, वहीं चालक सहदेव बिरनवार भी गिरने से चोटिल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने दोनों घायलों के बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर तैयार की और अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस थाना भरवेली भेज दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रामेश्वर-मदुरई तीर्थ दर्शन के लिए 05 फरवरी तक आवेदन लिए जायेंगे

बालाघाट जिले से 250 तीर्थ यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक जिनमें 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्ति शामिल हो (महिलाओ को 02 वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नही हो को प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीर्थों की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत 19 फरवरी को बालाघाट से रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ दर्शन के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इस तीर्थ यात्रा में बालाघाट जिले के लिए 250 तीर्थ यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य दिया गया है। रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिक अपने क्षेत्र के जनपद पंचायत कार्यालय, तहसील कार्यालय या नगर पालिका कार्यालय में 05 फरवरी तक आवेदन कर सकते है।

कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले के समस्त तहसीलदार, समस्त जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तीर्थ दर्शन यात्रा के लिए प्राप्त आवेदन अंतिम तिथि 05 फरवरी 2026 तक पोर्टल पर फीड करना सुनिश्चित करें। यह सूची 12 फरवरी को आईआरसीटीसी भोपाल को उपलब्ध करा दी जाएगी।

तीर्थ यात्रियों को रामेश्वरम-मदुरई यात्रा पर ले जाने के लिए विशेष ट्रेन 19 फरवरी को जबलपुर से रवाना होगी। इसमें जबलपुर से 279 तीर्थ यात्री सवार होंगे। इस ट्रेन में मण्डला जिले के 250 तीर्थ यात्री नैनपुर स्टेशन से सवार होंगे तथा बालाघाट जिले के 250 तीर्थ यात्री बालाघाट रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन में सवार होंगे। यात्रा प्रारंभ होने वाले स्थान तक यात्रियो को स्वयं के साधन एवं खर्चे से आना होगा। तीर्थ यात्रा के दौरान यात्रियों के ठहरने, भोजन एवं नास्ते की व्यवस्था आईआरसीटीसी द्वारा की जाएगी। जिले के वरिष्ठ नागरिको से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि 05 फरवरी तक अपना ऑनलाईन आवेदन करा ले। चूंकि इस योजना के तहत तीर्थ दर्शन के लिए 250 सीट निर्धारित है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन नही किये जा सकेंगे।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

कोसुम्बा में बाघ का चरवाहे पर हमला बोरी में रीछ का दो ग्रामीणों पर हमला

मानव बसाहट के निकट खूंखार वन प्राणियों का हस्तक्षेप बेहद चिंताजनक

पदमेश न्यूज।
बालाघाट/कटंगी।

आज दोपहर 2.30 बजे पठार क्षेत्र के वनग्राम कोसुंबा में जंगल में नहर के समीप गाय चरा रहे एक चरवाहे पर बाघ वन्यप्राणी ने प्राणघातक हमला कर दिया। इस हमले से चरवाहा लहूलुहान हो गया और उसके चीख पुकार से बाघ ने उसे छोड़ दिया। घटना बुधवार की दोपहर तकरीबन 2.30 बजे की बताई जा रही है। ग्राम कोसुंबा निवासी चरवाहा पूरनलाल पिता तेनु नयनाकार उम्र 50 वर्ष रोजाना की तरह आज भी मवेशी चराने के लिए नहर की तरफ जंगल में आया हुआ था। मवेशियों के विचरण के दौरान वन्यप्राणी बाघ द्वारा भैंस पर हमला करने पर बचाव में हुए चरवाहे पर हिंसक वन्यजीव ने हमला कर दिया। हमले में बुरी तरह जख्मी व्यक्ति को ग्रामीणों की सूचना पर वन कर्मियों द्वारा प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के लिए आवश्यक इंजेक्शन के अभाव के कारण चिकित्सकों ने घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि पीड़ित की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना स्थल वन विकास निगम अंतर्गत कक्ष क्रमांक 791 में आता है। पीड़ित ने मौके पर वनकर्मियों को बाघ द्वारा हमला करने की जानकारी दी है लेकिन वन्यप्राणी के हमले की प्रवृति से यह स्पष्ट नहीं किया जा सका कि चरवाहे पर किस वन्यजीव ने हमला किया है। बाघ के हमले की आशंका जरूर व्यक्त की जा रही है परन्तु इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वन अधिकारियों का कहना है कि कल घटना स्थल की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर चरवाहे पर किस हिंसक वन्यजीव ने हमला किया है।हालांकि घायल ने बताया है कि वह बाघ था.वन्यजीव के हमले में चरवाहे के चेहरे और कलाई पर खरोच के निशान हो गए थे और काफी मात्रा में रक्त स्राव भी हुआ है। हालांकि पीड़ित की हालत खतरे से बाहर है। इस तरह कटंगी का पठार क्षेत्र बाघ के विचरण का प्रमुख क्षेत्र बन गया है. लगभग आधा दर्जन बार इस तरह की घटनायें यहाँ घट चुकी है. ग्रामीण बेहद दहशत में हैं. उनका अकेले दुकेले जंगल की तरफ जाना, अन्य निस्तार के काम बंद हो गए हैं।

बकरी चराने गये दो ग्रामीणों पर भालू ने जानलेवा हमला किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/लालबर्रा।

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत बरघाट परिक्षेत्र में बुधवार दोपहर एक बार फिर वन्यजीवों की सक्रियता ने ग्रामीणों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। परिक्षेत्र के ग्राम परसाटोला (बोरी) में बकरी चराने गये दो ग्रामीणों पर एक खुंखार भालू ने अचानक जानलेवा हमला कर दिया, जिससे ६० वर्षीय श्रीमती दसवंताबाई मसराम एवं ५५ वर्षीय ब्रजलाल नागेश्वर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये है। जिनका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं बार-बार वन्यप्राणियों के दस्तक के साथ ही लोगों पर हमले किये जाने की घटना के बाद से ग्रामीणजनों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है और लोग अकेले खेत एवं मवेशी चराने जाने से डर रहे है। साथ ही वन विभाग को वन्यप्राणियों के गांव के नजदीक पहुंच जाने एवं मवेशी सहित ग्रामीणों पर भालू सहित अन्य वन्यप्राणी हमला करने की घटना के संबंध में वन विभाग को जानकारी देने के बाद भी वन्यप्राणी भालू सहित अन्य वन्य प्राणियों को घने जंगल में खदेड़ने एवं उन्हे पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ने हेतु कोई सार्थक प्रयास नही किये जा रहे है जिससे ग्रामीणजनों में वन विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। शेष पेज 04 पर...

हस्तक्षेप

शहर जैसी थोड़ी सख्ती फोरलेन में भी दिखा देते!!

बालाघाट के खुरसोड़ी गाँव से लेकर मध्यप्रदेश महाराष्ट्र के सीमांत गाँव रजेगाँव तक महज 20 किलोमीटर का फोरलेन है मगर मौतों का आंकड़ा दर्जनों में होने जा रहा है ! किसी का कलेजा पसीज ही नहीं रहा! हाइवे पर वाहन चलाने की तमीज अथवा अनुशासन ना होने से केवल 7-8 महीनो में ही दर्जनों जानें चली गयीं.अभी इस फोर - लेन को शुरु हुए साल नहीं बीता है किन्तु दुर्घटनाएं तेजी से घट रही हैं। जीवन बचाने के लिए शहर में तो बेसाख्ता अनुशासन और नियम, कायदे कानूनों का पाठ पढ़ाकर हेलमेट जरूरी हो गया। मौतें पहले भी शहर में न के बराबर थीं! किन्तु दूसरी तरफ बेलगाम भागते वाहन तो हाइवे पर रौंदते दिखते हैं.इतनी ही सख्ती की मांग यह फोर-लेन भी कर रहा है ताकि किसी का खून ना बहे।

सबको पता है कि फोरलेन हाइवे पर सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या हैं, जो अक्सर वाहन चालकों की तेज रफ्तार, गलत दिशा में ड्राइविंग, थकान, खराब सड़क रखरखाव (जैसे गड्ढे), और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं, जिनमें युवा वर्ग (18-45) ज़्यादा शिकार होते हैं; इन हादसों को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन, बेहतर सड़क डिजाइन, यात्री शिक्षा और मजबूत त्वरित चिकित्सा सेवा की आवश्यकता है, ताकि भारत का सड़क सुरक्षा लक्ष्य हासिल हो सके, क्योंकि वर्तमान में हाइवे पर होने वाली मौतों में 30त्न से अधिक हाइवे पर ही होती हैं, जो एक बड़ा संकट है। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं है. सब बेसुध पड़े हैं और लोग मरते जा रहे हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग भारत के कुल सड़क नेटवर्क का केवल 2त्न हैं, लेकिन यहां 30त्न से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में मौतें होती हैं।यही आंकड़ा बालाघाट में भी दिख रहा है।

ऊपर से चिंता का सबब यह है कि इन हादसों में मरने वाले लगभग दो-तिहाई लोग समाज के सबसे सक्रिय और कमाने वाले (18-45 वर्ष) होते हैं, जो देश के आर्थिक ढांचे को प्रभावित करते हैं। गाँव देहात से आने वाले लोग इसकी चपेट में ज्यादा आ रहे हैं। आसपास के गाँव वाले भी सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। इन्हें ही सबसे ज्यादा अनुशासन सिखाने की जरूरत है।

आंकड़े बताते हैं कि 74.4त्न दुर्घटनाएं गति सीमा से अधिक वाहन चलाने के कारण होती हैं, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट जाते हैं या टकरा जाते हैं।

वहीं मानवीय भूलें भी गलत दिशा में गाड़ी चलाना, नींद में ड्राइविंग (Fatigue), और मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना, खासकर रात में, बड़ी वजहें हैं।

खराब सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर तो सबसे बड़ा कारण है। आनन फानन में इस रोड को बनाकर उपयोग हेतु खोल दिया गया. जबकि सेफ्टी ऑडिट अब तक हुआ नहीं है. गड्ढे, खतरनाक मोड़, अपर्याप्त क्रैश बैरियर, और खराब स्ट्रीट लाइटिंग भी हादसों को न्योता देते हैं।यही बालाघाट रजेगांव के बीच दुर्घटनाओं का कारण है। वाहन चालकों द्वारा सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों का पालन न करना, साथ ही प्रवर्तन (इनसोर्समेंट) में कमी, एक बड़ी चुनौती है।

शेष पंज 11 पर

साईबर ठगों से जुड़े 22 म्यूल खाते सीज़ अगली बड़ी कार्रवाई की तैयारी

साइबर ठगी पर बड़ी कार्रवाई 15 लाख के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जा रहे 22 म्यूल अकाउंट धारकों के बैंक खातों को सीज करवा दिया है। इन खातों के माध्यम से लगभग 15 लाख रुपये की ठगी की रकम का लेन-देन किए जाने की पुष्टि हुई है।

नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बीते कुछ महीनों से जिले में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कोतवाली थाना अंतर्गत साइबर शाखा द्वारा लगातार जांच की जा रही थी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कुछ लोगों ने अपने बैंक खाते लालच , कमीशन के बदले साइबर ठगों को उपलब्ध कराए थे, जिन्हें म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया गया। पुलिस जांच में पाया गया कि इन 22 खातों का उपयोग ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड और अन्य साइबर अपराधों से प्राप्त रकम को इधर-उधर करने के लिए किया गया। इन खातों के माध्यम से बड़ी राशि का ट्रांजैक्शन होने के बाद पुलिस ने संबंधित खाताधारकों की पहचान की। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पुलिस ने सभी 22 खाताधारकों को नोटिस जारी कर उनसे खातों में हुए लेन-देन के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और पुख्ता सबूत मिलने के बाद पुलिस ने सभी खातों को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले की विवेचना अंतिम चरण में है और आने वाले एक से दो दिनों के भीतर सभी 22 खाताधारकों के खिलाफ विधिसंगत आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि चाहे जानबूझकर या अनजाने में, साइबर ठगी में सहयोग करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

जानें - म्यूल अकाउंट क्या है?

जानकारों के अनुसार म्यूल अकाउंट ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिनका इस्तेमाल अपराधी चोरी किए गए या अवैध रूप से अर्जित धन को एक जगह से दूसरी जगह भेजने के लिए करते हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पैसों के असली स्रोत को छिपाना और उसे वैध दिखाना होता है, जिसे मनी लॉन्ड्रिंग कहा जाता है। अक्सर ये खाते किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर खुलवाए जाते हैं या उस व्यक्ति को नौकरी, कमीश , आसान कमाई का लालच देकर उसके खाते का उपयोग किया जाता है। कई बार लोग धोखे में आकर और कई बार लालच के कारण अनजाने में इस अपराध का हिस्सा बन जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे व्यक्ति को इसकी जानकारी हो या न हो, कानून की नजर में खाता धारक ही जिम्मेदार माना जाता है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति को कानूनी कार्रवाई से गुजरना पड़ता है। इसका सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है।

नगर पुलिस अधीक्षक ने की आमजन से अपील

नगर पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी व्यक्ति को अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, चेकबुक, ओटीपी या मोबाइल नंबर का दुरुपयोग न करने दें। साथ ही, आसान कमाई , कमीशन के लालच में आकर अपने खाते दूसरों को देना गंभीर अपराध है, जिसके लिए सजा का भी प्रावधान है।

गणतंत्र दिवस पर मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री मीना फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर जिला मुख्यालय बालाघाट में जिला स्तरीय कार्यक्रम मुलना स्टेडियम ग्राउंड में प्रात: 09 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें

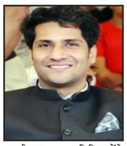

कलेक्टर मृणाल मीना मुख्य अतिथि रहेंगे और उनके द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया जाएगा।

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर -2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान- योग्यतानुसार
-मिलने का पता-
अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल
वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
समय -सुबह 10 बजे से दोपहर 12 तक, 4 बजे से शाम 6 बजे समय

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

JOBSAHI
जॉब आपकी जेब में !
भारत का सबसे बड़ा
OPEN MEGA CAMPUS DRIVE
100+ COMPANIES
8000+ JOBS
देश के सभी राज्यों के Government एवं Private संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क भर्ती !
(योग्यता: ITI, Polytechnic, BE/BTech, BSc, 10th, 12th, BA, BCom)
मुख्य विशेषताएँ :
34,000 रुपए प्रति माह तक की सैलरी*
Satpuda Group की Guarantee
पूरी तरह FREE भर्ती
24 घंटे में Offer Letter *
SCAN TO APPLY
Satpuda Engineering College, Manjhapur, Lalburra Road, BALAGHAT (M.P.) 481001
+91 6262604133 +91 6262604110 जानकारी एवं सहायता के लिए Google पर Jobsahi सर्च करें या दिए गए संपर्क नंबर पर कॉल करें।

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
DON'T LET THE GAME STOP.
JUTS LET IT GO ON.

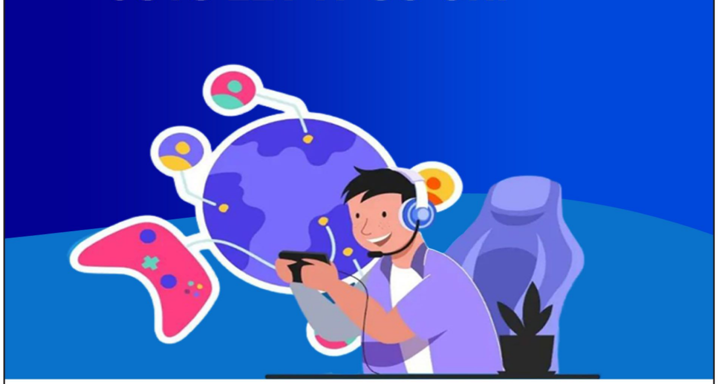

Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

BAJAJ
दुनिया देखती हैं तु दिखा
सबसे बड़ी बाईक सबसे जबरदस्त ऑफर
125 cc ₹76246/-*
100 cc के दाम पर पल्सर के मजे...
Pulsar
* Pulsar N 160 (All Variants) नगद छूट - 7000/-
* Pulsar N 125 (Nion & Carbon) नगद छूट - 6000/-
* Platina (100ES & 110) नगद छूट - 5000/-
थैंक्यू बालाघाट लगातार नं.1 बनाये रखने हेतु 100% जीएसटी फॉयदा + नो डॉक्यूमेंट चार्ज * + बीमा बचत
LOVED IN 100 COUNTRIES
Chetak
हमारा कल हमारा आज हमारा बजाज
चेतक है भारत का नं.-1 बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर
Chetak
FULLY LIFEPROOF
3000/- की नगद छूट
THE WORLD'S FAVOURITE INDIAN
Offers 30 disember tak
3001 model me
OLD EX. SHOWROOM ₹ 1,02,400/-
NEW EX. SHOWROOM ₹ 99,500 /-
अधिकृत विक्रेता साँई बजाज
मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर, बालाघाट (म.प्र.)
मोबा.- 9425822517

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट